हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com
बिलासपुर, रविवार 24 मई 2026

# निवेश से पहले यह रखें ध्यान

## फंड का कम से कम 5-10 साल का रिकॉर्ड देखें, फंड मैनेजर का अनुभव जांचें

बिजनेस डेस्क

आज के दौर में केवल बचत करना आर्थिक सुरक्षा के लिए काफी नहीं माना जाता। बढ़ती महंगाई, रिटायरमेंट की चिंता और भविष्य की जरूरतों ने निवेश को हर नौकरीपेशा व्यक्ति की प्राथमिकता बना दिया है। ऐसे में म्यूचुअल फंड एसआईपी यानी सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान सबसे लोकप्रिय निवेश विकल्पों में शामिल हो चुका है। हालांकि निवेशकों के मन में एक सवाल हमेशा रहता है कि आखिर किस उम्र में कितनी एसआईपीकरनी चाहिए। विशेषज्ञों का मानना है कि निवेश में सबसे बड़ा अंतर ज्यादा रकम नहीं, बल्कि जल्दी शुरुआत पैदा करती है। जितना जल्दी निवेश शुरू किया जाता है, कंपाउंडिंग उतना ही बड़ा फायदा देती है।

**अपने जोखिम और निवेश अवधि के हिसाब से फंड चुनें**

### 20 की उम्र में शुरुआत सबसे ताकतवर

वित्तीय विशेषज्ञों के मुताबिक 20 से 29 साल की उम्र निवेश की शुरुआत के लिए सबसे बेहतरीन समय माना जाता है। इस दौर में जिम्मेदारियां कम होती हैं और जोखिम लेने की क्षमता ज्यादा होती है। अगर कोई व्यक्ति 20 साल की उम्र में हर महीने 10 हजार रुपये की एसआईपी शुरू करता है और उसे औसतन 12 प्रतिशत सालाना रिटर्न मिलता है, तो 60 साल की उम्र तक करीब 11.88 करोड़ रुपये का फंड तैयार हो सकता है। लेकिन अगर वही निवेश 30 साल की उम्र से शुरू किया जाए, तो अंतिम फंड घटकर लगभग 3.5 करोड़ रुपये रह जाता है। यानी सिर्फ 10 साल की देरी से संभावित संपत्ति में 8 करोड़ रुपये से ज्यादा का अंतर आ सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार इस उम्र में फ्लेक्सी कैप, मिडकैप, इंडेक्स और ईएलएसएस फंड बेहतर विकल्प माने जाते हैं क्योंकि लंबी अवधि में इनमें बेहतर ग्रोथ की संभावना रहती है। हालांकि इस उम्र में सबसे बड़ी गलती निवेश टालते रहना और जल्दी अमीर बनने के चक्कर में हाई रिस्क थीमेटिक या स्मॉलकैप फंड्स में जरूरत से ज्यादा पैसा लगाना माना जाता है।

### 30 की उम्र में संतुलन जरूरी

30 की उम्र तक पहुंचते-पहुंचते आमतौर पर आय बढ़ती है, लेकिन जिम्मेदारियां भी तेजी से बढ़ने लगती हैं। घर का लोन, शादी, बच्चों की पढ़ाई, बीमा और रिटायरमेंट प्लानिंग जैसी जरूरतें निवेश रणनीति को प्रभावित करती हैं। अगर कोई व्यक्ति 30 साल की उम्र से हर महीने 10 हजार रुपये की एसआईपी शुरू करता है और 60 साल तक निवेश जारी रखता है, तो 12 प्रतिशत अनुमानित रिटर्न के आधार पर लगभग 3.5 करोड़ रुपये का फंड तैयार हो सकता है। लेकिन यदि वही निवेश 40 की उम्र तक टाल दिया जाए, तो अंतिम फंड करीब 1 करोड़ रुपये तक सीमित रह सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस उम्र में संतुलित निवेश रणनीति अपनाना ज्यादा जरूरी होता है। फ्लेक्सी कैप, लार्ज एंड मिडकैप और एग्रेसिव हाइब्रिड फंड अच्छे विकल्प माने जाते हैं। इसके अलावा हर साल एसआईपी बढ़ाने की आदत यानी "स्टेप-अप एसआईपी" लंबे समय में बड़ा अंतर पैदा कर सकती है।

### 40 की उम्र में फोकस बदलना जरूरी

40 की उम्र तक पहुंचते-पहुंचते निवेशकों का ध्यान केवल ज्यादा रिटर्न कमाने पर नहीं, बल्कि पूंजी की सुरक्षा और रिटायरमेंट प्लानिंग पर भी होता है। अगर कोई व्यक्ति 40 साल की उम्र में निवेश शुरू करता है और 60 साल तक करीब 3.5 करोड़ रुपये का फंड बनाना चाहता है, तो उसे हर महीने लगभग 35 से 40 हजार रुपये की **SIP** करनी पड़ सकती है। विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसा इसलिए क्योंकि निवेशक कंपाउंडिंग के 10 अहम साल खो देता है और समय की कमी को ज्यादा निवेश से पूरा करना पड़ता है। इस उम्र में लार्जकैप, बैलेंस्ड एडवांटेज, मल्टी एसेट और शॉर्ट ड्यूरेशन डेट फंड जैसे विकल्प बेहतर माने जाते हैं।

### हर उम्र में अलग होती है निवेश रणनीति

विशेषज्ञों का मानना है कि उम्र बढ़ने के साथ निवेशकों को इक्विटी से पूरी तरह बाहर नहीं निकलना चाहिए, बल्कि अपने जोखिम और वित्तीय जरूरतों के हिसाब से पोर्टफोलियो में बदलाव करना चाहिए। युवा निवेशक ज्यादा जोखिम लेकर ग्रोथ पर फोकस कर सकते हैं, जबकि 40 के बाद स्थिरता और पूंजी संरक्षण ज्यादा महत्वपूर्ण हो जाता है।

### निवेशकों की सबसे बड़ी गलतियां

- निवेश शुरू करने में देरी करना
- बाजार गिरने पर एसआईपी बंद कर देना
- सोशल मीडिया टिप्स पर आंख बंद कर भरोसा करना
- बार-बार फंड बदलना
- बिना लक्ष्य के निवेश करना

### क्या कहते हैं जानकार

विशेषज्ञों का कहना है कि म्यूचुअल फंड कोई जल्दी अमीर बनने का जरिया नहीं है। यह लंबे समय तक अनुशासन और धैर्य के साथ संपत्ति बनाने का माध्यम है। जो निवेशक जल्दी शुरुआत करते हैं, नियमित निवेश बनाए रखते हैं और बाजार की गिरावट से घबराने के बजाय टिके रहते हैं, वही लंबे समय में बड़ा फंड तैयार कर पाते हैं।

### निवेश से पहले समझें जोखिम

म्यूचुअल फंड निवेश बाजार जोखिमों के अधीन होते हैं। फंड का प्रदर्शन बाजार, ब्याज दरों और आर्थिक परिस्थितियों के अनुसार बदल सकता है। इसलिए निवेश करने से पहले अपनी जोखिम क्षमता, वित्तीय लक्ष्य और निवेश अवधि को समझना जरूरी है। जरूरत पड़ने पर वित्तीय सलाहकार की मदद लेना भी बेहतर विकल्प हो सकता है।

# बाजार में बढ़ी अनिश्चितता, निवेशकों की पहली पसंद बन रहे लिक्विड फंड

**अप्रैल में लिक्विड फंड्स ने लगभग 5.5 से 6 प्रतिशत तक रिटर्न दिया**

**पूंजी सुरक्षित और जरूरत पड़ने पर आसानी से निकाला जा सकता है पैसा**

**शेयर बाजार में लगातार जारी उतार-चढ़ाव ने निवेशकों की चिंता बढ़ाई, रहना होगा अलर्ट**

निवेश मंत्रा

बिजनेस डेस्क

## विदेशी बाजारों में तनाव, वैश्विक आर्थिक मंदी की आशंकाएं और भू-राजनीतिक घटनाक्रम निवेशकों को जोखिम लेने से रोक रहे

वैश्विक तनाव, शेयर बाजार की अस्थिरता और आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच निवेशकों का भरोसा अब सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर तेजी से बढ़ रहा है। यही वजह है कि अप्रैल 2026 में लिक्विड फंड्स में निवेश सात साल के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया। निवेशक फिलहाल जोखिम से दूरी बनाकर ऐसे विकल्प चुन रहे हैं जहां पूंजी अपेक्षाकृत सुरक्षित रहे और जरूरत पड़ने पर पैसा आसानी से निकाला भी जा सके। म्यूचुअल फंड उद्योग से जुड़े संगठन एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के आंकड़ों के अनुसार अप्रैल 2026 में लिक्विड फंड्स में शुद्ध निवेश 1.65 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया। पिछले वर्ष अप्रैल में यह आंकड़ा 1.19 लाख करोड़ रुपये था। यानी एक साल में लगभग 46 हजार करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी दर्ज की गई। यह बीते कई वर्षों में सबसे बड़ा उछाल माना जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि शेयर बाजार में लगातार जारी उतार-चढ़ाव ने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है। विदेशी बाजारों में तनाव, वैश्विक आर्थिक मंदी की आशंकाएं और भू-राजनीतिक घटनाक्रम निवेशकों को ज्यादा जोखिम लेने से रोक रहे हैं। ऐसे माहौल में लोग अपने निवेश को सुरक्षित रखने के लिए लिक्विड फंड्स का सहारा ले रहे हैं।

### बैंकिंग सिस्टम में बढ़ी नकदी बनी बड़ी वजह

विशेषज्ञों के अनुसार इस बढ़ोतरी के पीछे बैंकिंग सिस्टम में मौजूद अतिरिक्त नकदी भी अहम कारण रही। अप्रैल के दौरान बैंकिंग सिस्टम में अतिरिक्त नकदी 2 लाख करोड़ से 5.5 लाख करोड़ रुपये के बीच रही, जबकि पिछले साल यह आंकड़ा काफी कम था। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की नीतियों और बाजार में पर्याप्त लिक्विडिटी बनाए रखने के प्रयासों का असर भी साफ दिखाई दिया। बैंकों और कंपनियों के पास अतिरिक्त नकदी रही, जिसे उन्होंने बेहतर रिटर्न और सुरक्षित पार्किंग के लिए लिक्विड फंड्स में निवेश किया।

### कम जोखिम में बेहतर रिटर्न का आकर्षण

लिक्विड फंड्स में बढ़ती दिलचस्पी की एक और बड़ी वजह इनका अपोकृत बेहतर रिटर्न रहा। अप्रैल में लिक्विड फंड्स ने लगभग 5.5 से 6 प्रतिशत तक का रिटर्न दिया, जबकि ओवरनाइट दरें लगभग 5 प्रतिशत के आसपास रहीं। इसके अलावा सर्टिफिकेट ऑफ डिपॉजिट (सीडी) की ब्याज दरें 6.5 प्रतिशत से 7.5 प्रतिशत तक पहुंचीं, जिसने निवेशकों को आकर्षित किया। ऐसे में कम जोखिम के साथ थोड़े बेहतर रिटर्न की तलाश कर रहे निवेशकों के लिए लिक्विड फंड्स एक बेहतर विकल्प बनकर उभरे। विशेषज्ञ मानते हैं कि जब शेयर बाजार में अस्थिरता बढ़ती है, तब निवेशक पूंजी बचाने को प्राथमिकता देते हैं। ऐसे समय में इक्विटी निवेश की तुलना में लिक्विड फंड्स ज्यादा सुरक्षित माने जाते हैं क्योंकि इनमें पैसा कम अवधि वाले डेट इंस्ट्रूमेंट्स में लगाया जाता है।

### आखिर क्या होते हैं लिक्विड फंड्स

लिक्विड फंड्स डेट म्यूचुअल फंड की श्रेणी में आते हैं। ये निवेशकों का पैसा ट्रेजरी बिल्स, सरकारी प्रतिभूतियों, कॉल मनी और अन्य शॉर्ट टर्म मार्केट इंस्ट्रूमेंट्स में निवेश करते हैं। इन फंड्स की खासियत यह होती है कि इनमें निवेश की मैच्योरिटी अवधि बहुत कम होती है। आमतौर पर ये 91 दिनों तक की अवधि वाले साधनों में निवेश करते हैं। इसी कारण इनमें जोखिम अपेक्षाकृत कम माना जाता है और जरूरत पड़ने पर निवेशक आसानी से पैसा निकाल सकते हैं। यही वजह है कि कम समय के लिए पैसा पार्क करने वाले निवेशक लिक्विड फंड्स को पसंद करते हैं। उदाहरण के तौर पर अगर किसी व्यक्ति को दो-तीन महीने बाद बच्चों की फीस जमा करनी हो, यात्रा पर जाना हो या कोई अन्य छोटा वित्तीय लक्ष्य पूरा करना हो, तो वह रकम लिक्विड फंड में रख सकता है।

### सेविंग अकाउंट से बेहतर विकल्प क्यों

वित्तीय विशेषज्ञों का मानना है कि लिक्विड फंड्स कई मामलों में सेविंग अकाउंट से बेहतर साबित हो सकते हैं। बैंक सेविंग अकाउंट में जहां ब्याज दरें सीमित रहती हैं, वहीं लिक्विड फंड्स थोड़े बेहतर रिटर्न देने की क्षमता रखते हैं। इसके अलावा इनमें निवेश और निकासी की सुविधा भी काफी आसान होती है। हालांकि यह ध्यान रखना जरूरी है कि लिक्विड फंड्स पूरी तरह जोखिम मुक्त नहीं होते, लेकिन अन्य म्यूचुअल फंड श्रेणियों की तुलना में इनमें जोखिम कम माना जाता है।

### निवेशकों को क्या रखना चाहिए ध्यान

विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि लिक्विड फंड्स को लंबी अवधि के निवेश विकल्प के तौर पर नहीं देखना चाहिए। ये मुख्य रूप से कम अवधि की जरूरतों और अस्थायी निवेश के लिए बेहतर माने जाते हैं। अगर निवेशक लंबी अवधि में ज्यादा रिटर्न चाहते हैं, तो इक्विटी या हाइब्रिड फंड्स बेहतर विकल्प हो सकते हैं। वहीं जिन लोगों को कुछ महीनों के लिए सुरक्षित निवेश चाहिए, उनके लिए लिक्विड फंड्स उपयोगी साबित हो सकते हैं। इसके साथ ही निवेशकों को किसी भी फंड में निवेश करने से पहले उसकी रेटिंग, पोर्टफोलियो गुणवत्ता, एक्सपेंस रेशियो और फंड हाउस की विश्वसनीयता जरूर जांचनी चाहिए।

### सुरक्षित निवेश की ओर बढ़ता रुझान

वर्तमान आर्थिक माहौल यह संकेत दे रहा है कि निवेशक अब केवल ऊंचे रिटर्न नहीं, बल्कि सुरक्षा और स्थिरता को भी प्राथमिकता दे रहे हैं। बाजार में अनिश्चितता बढ़ने पर सुरक्षित निवेश विकल्पों की मांग तेज होना स्वाभाविक माना जाता है। लिक्विड फंड्स में रिकॉर्ड निवेश इसी बदलती निवेश मानसिकता को दर्शाता है, जहां निवेशक फिलहाल जोखिम कम रखते हुए स्थिर और सुरक्षित विकल्पों की तलाश में हैं।

# निवेश के ऑप्शन, जहां सुरक्षित रहेगा पूरा पैसा

तैयारी

बिजनेस डेस्क

आज के दौर में कमाई करना जितना कठिन हो गया है, उतना ही मुश्किल सही जगह निवेश करना भी हो गया है। शेयर बाजार, क्रिप्टो और हाई रिटर्न वाले कई विकल्प लोगों को आकर्षित जरूर करते हैं, लेकिन इनमें जोखिम भी काफी रहता है। ऐसे में ज्यादातर लोग ऐसी स्कीम चाहते हैं जहां पैसा सुरक्षित रहे और रिटर्न भी भरोसेमंद मिले। भारत में सरकार समर्थित कई निवेश योजनाएं हैं जो सुरक्षा, स्थिरता और टैक्स बचत तीनों का फायदा देती हैं। अगर आप भी बिना ज्यादा जोखिम उठाए अपने भविष्य को आर्थिक रूप से मजबूत बनाना चाहते हैं, तो ये कुछ निवेश विकल्प आपके लिए बेहद काम के साबित हो सकते हैं।

### 1. बैंक फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी)

भारतीय परिवारों में फिक्स्ड डिपॉजिट यानी एफडी सबसे लोकप्रिय निवेश विकल्पों में से एक है। इसमें एक तय अवधि के लिए पैसा जमा किया जाता है और बैंक पहले से निश्चित ब्याज देता है। एफडीकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि बाजार के उतार-चढ़ाव का इस पर कोई असर नहीं पड़ता। निवेशक को पहले दिन से ही पता होता है कि मैच्योरिटी पर कितनी रकम मिलेगी। 5 साल की टैक्स सेविंग एफडी पर आयकर की धारा 80सी के तहत 1.5 लाख रुपये तक की टैक्स छूट भी मिलती है। वहीं वरिष्ठ नागरिकों को सामान्य ग्राहकों की तुलना में अधिक ब्याज दर दी जाती है। यही वजह है कि सुरक्षित निवेश चाहने वालों के लिए एफडी आज भी पहली पसंद बनी हुई है।

### 2. पब्लिक प्रोविडेंट फंड

अगर आपका लक्ष्य बच्चों की पढ़ाई, शादी या रिटायरमेंट के लिए बड़ा फंड तैयार करना है, तो पीपीएफ शानदार विकल्प माना जाता है। यह सरकार समर्थित योजना है, इसलिए इसमें पैसा पूरी तरह सुरक्षित रहता है। पीपीएफ की अवधि 15 साल होती है, लेकिन जरूरत पड़ने पर इसे आगे भी बढ़ाया जा सकता है। इसकी सबसे खास बात यह है कि इसमें मिलने वाला ब्याज, निवेश और मैच्योरिटी राशि तीनों टैक्स फ्री होते हैं। लंबी अवधि में कंपाउंडिंग का फायदा मिलने से छोटी-छोटी बचत भी बड़ा फंड बन जाती है। यही कारण है कि इसे सबसे भरोसेमंद लॉन्ग टर्म निवेश योजनाओं में गिना जाता है।

### 3. नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस)

एनपीएसयानी नेशनल पेंशन सिस्टम एक बेहतरीन विकल्प है। इसे पेंशन फंड रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी (पीएफआरडीए) संचालित करती है। इस योजना में निवेश का एक हिस्सा सरकारी बॉन्ड और कॉर्पोरेट बॉन्ड में लगाया जाता है, जिससे जोखिम कम रहता है। एनपीएस में धारा 80सी के तहत टैक्स छूट मिलती ही है, साथ ही अतिरिक्त 50 हजार की अलग टैक्स छूट का लाभ भी मिलता है।

### 4. गोल्ड निवेश

भारत में सोना सिर्फ गहना नहीं, बल्कि सुरक्षित निवेश भी माना जाता है। हालांकि अब फिजिकल गोल्ड खरीदने के बजाय लोग एसजीबी और गोल्ड ईटीएफ जैसे विकल्पों की ओर बढ़ रहे हैं। सोने की कीमतें लंबे समय में आमतौर पर बढ़ती रही हैं, इसलिए इसे महंगाई के खिलाफ मजबूत सुरक्षा माना जाता है। खास बात यह है कि एसजीबी में निवेश करने पर सरकार करीब 2.5 प्रतिशत सालाना ब्याज भी देती है। मैच्योरिटी पर टैक्स छूट का फायदा इसे और आकर्षक बनाता है।

# 5 म्यूचुअल फंड्स ने बनाया निवेशकों का भरोसा मजबूत

बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में लगातार बढ़ती अस्थिरता के बीच निवेशकों के सामने सबसे बड़ी चुनौती सही म्यूचुअल फंड चुनने की होती है। आज बाजार में 1500 से ज्यादा म्यूचुअल फंड स्कीम मौजूद हैं और हर फंड खुद को सबसे बेहतर साबित करने की कोशिश करता है। ऐसे में केवल ज्यादा रिटर्न देखकर निवेश करना जोखिम भरा साबित हो सकता है। विशेषज्ञ मानते हैं कि किसी भी फंड.. का सही आकलन केवल रिटर्न से नहीं, बल्कि उसके "रिस्क एडजस्टेड रिटर्न" से किया जाना चाहिए। यानी ऐसा फंड जो जोखिम कम रखते हुए लगातार बेहतर प्रदर्शन करे। हाल ही में किए गए एक विस्तृत विश्लेषण में कई म्यूचुअल फंड स्कीमों को शार्प रेशियो, सॉर्टिनो रेशियो, स्टैंडर्ड डिविएशन और रोलिंग रिटर्न जैसे मानकों पर परखा गया। इस विश्लेषण में पांच फंड सबसे मजबूत विकल्प बनकर सामने आए।

### एचडीएफसी फ्लेक्सी कैप फंड

सूची में पहला नाम एचडीएफसी फ्लेक्सी कैप फंड का है। यह फंड हाल ही में 1 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) पार करने वाला चुनिंदा फंड बना है। फंड ने पिछले कई वर्षों में लगातार मजबूत प्रदर्शन किया है। रोलिंग रिटर्न के आधार पर इसने तीन और पांच साल की अवधि में 19 प्रतिशत से ज्यादा रिटर्न देने की क्षमता दिखाई है। विशेषज्ञों के मुताबिक, इस फंड की सबसे बड़ी ताकत बाजार गिरने के दौरान नुकसान को सीमित रखना रही है। इसका शार्प रेशियो और सॉर्टिनो रेशियो भी श्रेणी के अन्य फंड्स से बेहतर रहा। फंड का बड़ा निवेश बैंकिंग, ऑटोमोबाइल, हेल्थकेयर और आईटी सेक्टर में है। एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और एसबीआई जैसी कंपनियां इसकी प्रमुख होल्डिंग्स में शामिल हैं।

### बंधन लार्ज एंड मिड कैप फंड

दूसरे स्थान पर बंधन लार्ज एंड मिड कैप फंड रहा। इस फंड ने पिछले 10 वर्षों में अपनी श्रेणी के अधिकांश फंड्स से बेहतर प्रदर्शन किया है। तीन साल की रोलिंग अवधि में इस फंड ने औसतन 24 प्रतिशत से ज्यादा रिटर्न दिया, जबकि श्रेणी का औसत लगभग 18 प्रतिशत रहा। यह फंड लगातार बदलते बाजार के हिसाब से पोर्टफोलियो में बदलाव करता है और इसी रणनीति ने इसे मजबूत बनाया है। फंड का निवेश मुख्य रूप से फाइनेंशियल, सर्विसेज, एनर्जी और हेल्थकेयर सेक्टर में है।

### निप्पोन इंडिया लार्ड कैप फंड

निप्पोन इंडिया लार्ड कैप फंड भी जोखिम और रिटर्न के संतुलन के मामले में मजबूत विकल्प माना गया। पिछले 10 वर्षों में किसी भी सात साल की अवधि में इस फंड ने औसतन 15 प्रतिशत से ज्यादा रोलिंग रिटर्न दिया। यह श्रेणी औसत और निफ्टी 100 दोनों से बेहतर रहा। विशेषज्ञों के अनुसार इसकी सबसे बड़ी ताकत स्थिर प्रदर्शन और मजबूत स्टॉक चयन है। लंबे समय से एक ही फंड मैनेजर के नेतृत्व में रहने का फायदा भी इसे मिला है। फंड की प्रमुख हिस्सेदारी बैंकिंग, एनर्जी, हेल्थकेयर और कंज्यूमर सेक्टर में है।

### एचडीएफसी मिड कैप फंड एसआईपी

एचडीएफसी मिड कैप फंड लंबे समय से मिडकैप निवेशकों के बीच लोकप्रिय बना हुआ है। अगर किसी निवेशक ने 10 साल पहले हर महीने 10 हजार रुपये की एसआईपी शुरू की होती, तो आज उसका निवेश लगभग 35 लाख रुपये तक पहुंच चुका होता। फंड ने लंबे समय में करीब 20 प्रतिशत सालाना रिटर्न देने का रिकॉर्ड बनाया है। विशेषज्ञों का कहना है कि मिडकैप श्रेणी में अस्थिरता ज्यादा होती है, लेकिन इस फंड ने लगातार बेहतर संतुलन बनाए रखा। फंड का निवेश मुख्य रूप से फाइनेंशियल, हेल्थकेयर और ऑटोमोबाइल सेक्टर में फैला हुआ है।

### इनवेस्को इंडिया स्मॉल कैप फंड

सूची में पांचवां नाम इनवेस्को इंडिया स्मॉल कैप फंड का रहा। स्मॉलकैप फंड्स को आमतौर पर ज्यादा जोखिम वाला माना जाता है, लेकिन इस फंड ने जोखिम के मुकाबले मजबूत रिटर्न दिया है। तीन साल की रोलिंग अवधि में इसने लगभग 26 प्रतिशत तक का रिटर्न दिया, जबकि पांच और सात साल की अवधि में भी प्रदर्शन मजबूत रहा। फंड का फोकस तेजी से बढ़ने वाली कंपनियों की पहचान कर शुरुआती दौर में निवेश करना है। इसकी प्रमुख हिस्सेदारी हेल्थकेयर, सर्विसेज, ऑटोमोबाइल और कंज्यूमर सेक्टर में है।

### आखिर क्या होता है रिस्क एडजस्टेड रिटर्न

विशेषज्ञों के मुताबिक, केवल ज्यादा रिटर्न देने वाला फंड हमेशा बेहतर नहीं होता। अगर किसी फंड में उतार-चढ़ाव बहुत ज्यादा हो, तो वह निवेशकों के लिए जोखिम बढ़ा सकता है।

# हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी


## जंगल में बूंद-बूंद के लिए संघर्ष

### यूएसटीआर से एटीआर तक वन्यजीवों के लिए पानी की व्यवस्था

*वन्यजीवों के पानी पीने की हरिभूमि के पास जो फोटो है, वो फोटो उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व, बारनवापारा, कोरबा, अचानकमार टाइगर रिजर्व, कोरबा तथा* ▶▶| शेष पेज 6 पर

## जंगल में जल... वन विभाग के लिए बना मिशन, जलकुंड बनाए

रायपुर- गिरीश केशरवानी, बिलासपुर-मनीष वर्मा, कोरबा-अश्विनी मिश्रा की रिपोर्ट

हरिभूमि एक्सक्लूसिव

राज्य में इन दिनों भीषण गर्मी का प्रकोप है। गर्मी की वजह से जंगल के प्राकृतिक जल स्त्रोत पूरी तरह से सूख गए हैं। वन्यजीव बूंद-बूंद पानी के लिए भटक रहे हैं। जानवरों को बचाने और उनकी प्यास बुझाने के लिए वन विभाग के लिए जल उपलब्ध कराना मिशन बन गया है। विभाग जानवरों के लिए पीने की पानी की व्यवस्था करने सौसर का निर्माण कराने, टेंकर से सप्लाई करने और ▶▶| शेष पेज 6 पर

### बिलासपुर-कोरबा में दिन में दो बार पानी सप्लाई

*अचानक मार टाइगर रिजर्व और कोरबा के दूरस्थ जंगल में वन्यप्राणियों की प्यास बुझाने के लिए जगह जगह व्यवस्था की गई है। इन स्थलों पर दिन में दो से तीन बार दमकल के जरिए पानी भरा जा रहा है। भीषण गर्मी ने जंगल के जीवन पर भी असर डाला है। प्रतिवर्ष गर्मी में पानी की कमी के कारण वन्यप्राणी गांव और शहर की ओर आ जाते हैं, जिसकी वजह से शिकार की घटना अधिक होती है। एटीआर प्रबंधन ने इस वर्ष वन्यप्राणियों के पानी की व्यवस्था करने के लिए जगह जगह नाला बंदी के अलावा सासर की व्यवस्था भी की है, ताकि वन्यप्राणियों को पानी की कमी* ▶▶| शेष पेज 6 पर

## पहली बार रेत पर सख्ती का असर...

- नेताओं के संरक्षण में होने वाले अवैध रेत खनन पर जोरदार सख्ती
- कार्रवाई के डर से कई जिलों के खदानों में रेत का अवैध उत्खनन भी बंद

# रायपुर में अवैध खनन बंद, बिलासपुर, रायगढ़, सरगुजा महासमुंद, धमतरी, गरियाबंद, कांकेर में ताबड़तोड़ कार्रवाई

रायपुर- लक्ष्मण लेखवानी, बिलासपुर-शरद पांडेय, जांजगीर चांपा-अभिषेक शुक्ला, रायगढ़-स्वतंत्र महंत, अंबिकापुर -नदीम अंसारी, कोरबा-नागेंद्र श्रीवास, भिलाई-अतुल अग्रवाल, राजनांदगांव-हफीज खान, खैरागढ़-चैतेंद्र तिवारी, महासमुंद, धमतरी-दिलीप देवांगन, गरियाबंद-गोरेलाल सिन्हा, कांकेर-विजय पांडेय की विशेष रिपोर्ट

हरिभूमि लाइव

ऐसा पहली बार नजर आया है। नेताओं के संरक्षण में होने वाले अवैध रेत खनन पर जोरदार सख्ती की गई है। उसका असर भी इतना पहली बार नजर आया है। इसकी शुरूआत रायपुर जिले से हुई है। जिले में वर्तमान में रेत का अवैध उत्खनन लगभग बंद हो गया है। रायपुर में रेत की अब सभी खदानों को बंद करा दिया गया है। इनमें वैध रूप से चल रही खदानें भी शामिल हैं, जहां नियमों के विरुद्ध उत्खनन एवं भंडारण किया जा रहा था। रायपुर के अलावा प्रदेश के अन्य जिलों में भी अब अवैध उत्खनन पर ताबड़तोड़ कार्रवाई की जा रही है। गरियाबंद, सरगुजा, महासमुंद, बिलासपुर, रायगढ़, कोरबा, जांजगीर, राजनांदगांव, दुर्ग, धमतरी, गरियाबंद, ▶▶| शेष पेज 6 पर

### धमतरी में लगातार कार्रवाई के बाद भी अवैध उत्खनन जारी

धमतरी जिले में रेत के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर अंकुश लगाने लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसके बाद भी अवैध उत्खनन थम नहीं रहा है। शहर के समीपस्थ ग्राम कोलयारी, अमेठी, कलारतराई, तेंदूकोन्हा, परसुली, दर्री की महानदी में ट्रेक्टरों के माध्यम से रेत का अवैध ▶▶| शेष पेज 6 पर

### कांकेर में ताबड़बोड़ कार्रवाई, जब्त किए 16 मशीन सहित हाईवा

कांकेर जिले में भी रेत के अवैध उत्खनन, परिवहन पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसके बाद भी माफिया कई खदानों में रात के समय अवैध उत्खनन करा रहे हैं। हालांकि चारामा क्षेत्र में 15 मई को संचालित रेत खदानों में नियमों की अनदेखी और अवैध उत्खनन की शिकायतों के बाद खनिज अमले ने बड़ी कार्रवाई की, और अलग-अलग खदानों से कुल 14 मशीनें, 3 लोड हाईवा और 6 खाली हाईवा को जब्ती बनाया। टीम ने करिहा, भिरौद, मचांदुर, भिलाई, भूईगांव और अरौद स्थित रेत खदानों का भी औचक निरीक्षण किया। जांच में पट्टाशर्तों के उल्लंघन और नियम विरुद्ध उत्खनन पाए जाने पर संबंधित सरपंचों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर नोटिस जारी किया है।

### पिरदा जांच चौकी बंद फील्ड में घूम-घूम जांच-कार्रवाई कर रही टीम

केंद्रीय एवं जिला खनिज विभाग की टीम दिन-रात रेत खदानों का औचक निरीक्षण किया। इसके लिए पिरदा जांच चौकी को भी 5 दिनों से बंद कर दिए हैं, ताकि विभाग के सभी कर्मचारी फील्ड में रहकर कार्रवाई कर सकें। इस दौरान जहां-जहां अवैध रूप से रेत का उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण किया जा रहा था, वहां कार्रवाई भी की गई और चेन माउंटेन मशीनों के साथ गाड़ियों को जब्ती बनाया है। जिले में वैध रूप से कुल 6 खदानें संचालित हो रही थी, लेकिन कलेक्टर के निर्देश पर टीम ने इन खदानों में भी आकस्मिक जांच की और यहां नियमों के विरुद्ध उत्खनन एवं भंडारण पाए जाने पर मशीन एवं हाईवा जब्ती बनाकर इन खदानों को आगामी आदेश तक के लिए सील कर दिया है।

### एक मशीन सहित 19 हाईवा जब्त

*रायपुर में खनिज विभाग की टीम ने शुक्रवार-शनिवार की रात में भी गश्त करते हुए एक मशीन एवं 19 हाईवा गाड़ियों को जब्ती बनाया है।पकड़ी गई गाड़ियों में रेत की 8, मुरुम 2, चूना पत्थर 6 एवं कोयला से भरे 2 हाईवा हैं। इसके अलावा एक एक्सकैवेटर मशीन जब्त की है। यह कार्रवाई विधानसभा, मंदिर हसौद एवं खरोरा क्षेत्र में सहायक खनिज अधिकारी उमेश भार्गव के नेतृत्व में की गई। टीम में खनिज निरीक्षक प्रवीण नेताम और प्रिया सिन्हा सहित अन्य शामिल रहे।*

### राजनांदगांवः खनिज विभाग की कार्रवाई से मची खलबली

जिले के सुकुलदैहान, मुसरा, भेड़ीकला, गठुला, तिलई, सोमनी, नवागांव और ठेलकाडीह के समीप क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर मुरूम का अवैध उत्खनन होता है। वहीं जिले के डोंगरगांव से लेकर सोमनी तक दो दर्जन से अधिक जगहों पर शिवनाथ नदी से रेत का अवैध खनन किया जाता है। खनन माफियाओं की सक्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि यहां 24 घंटे अवैध खनन जारी रहता है। बीते दिनों खनिज विभाग द्वारा अवैध उत्खनन में लगे वाहनों पर कार्रवाई किए जाने से खनन माफियाओं में खलबली मची हुई है। शिकायतों के बीच लगातार कार्रवाई के चलते जिले में रेत और मुरूम का बड़े पैमाने पर खनन फिलहाल बंद कर दिया गया। एक-दो जगह ही खेत सुधार के नाम पर मुरूम का अवैध उत्खनन जारी है।

### जोंक नदी के बल्दीडीह में हो रहा था अवैध उत्खनन

महासमुंद जिले में शनिवार को केंद्रीय खनिज उड़नदस्ता और जिला स्तरीय खनिज विभाग की संयुक्त टीम ने जिले के पिथौरा तहसील के ग्राम बल्दीडीह में दबिश दी। निरीक्षण के दौरान ग्राम बल्दीडीह स्थित जोंक नदी में अवैध उत्खनन में संलग्न 2 चेनमाउंटेन मशीन, 3 हाईवा एवं 4 ट्रैक्टर को जब्ती बनाया। इस मामले में संबंधित खदान संचालक को नोटिस जारी कर तामील कराया है, वहीं जब्त की गई गाड़ियों को पुलिस थाना सांकरा परिसर में खड़ा कराया गया है।

### गरियाबंद में चेन माउंटेन मशीन जब्त

गरियाबंद जिले में लंबे समय से जारी अवैध रेत उत्खनन के खिलाफ आखिरकार प्रशासन ने सख्त कदम उठाते हुए बड़ी कार्रवाई करना शुरू कर दिया है। खनिज राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने ग्राम चौबेबांधा स्थित पैरी नदी क्षेत्र में दबिश देकर अवैध उत्खनन करते पाए गए एक चेन माउंटेन मशीन को जब्त किया है। यहां पिछले कई वर्षों से अवैध रेत का खनन का खेल जारी था।

## वेट लीज मॉडल पर तीन साल का अनुबंध किया जाएगा

# सरकार किराए पर लेगी अत्याधुनिक हेलीकॉप्टर हर साल चुकाएगी करीब 35 करोड़ रुपए, किया गया ग्लोबल टेंडर

जिया कुरैशी ▶▶| रायपुर

खास खबर

छत्तीसगढ़ में प्रशासनिक दौरों, बस्तर-सरगुजा के संवेदनशील क्षेत्रों के निरीक्षण और आपातकालीन वीआईपी सेवाओं को रफ्तार देने के लिए राज्य सरकार अब एक नया अत्याधुनिक हेलीकॉप्टर किराए पर लेने जा रही है। वर्तमान में उपयोग किए जा रहे हेलीकॉप्टर के टेंडर की अवधि समाप्त होने को है, जिसके मद्देनजर विमानन विभाग ▶▶| शेष पेज 6 पर

### 'वेट लीज' मॉडल पर 3 साल का होगा अनुबंध

विमानन निदेशालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार, नया हेलीकॉप्टर 'वेट लीज' मॉडल पर लिया जा रहा है। इसका सीधा मतलब यह है कि हेलीकॉप्टर तो सरकार का काम करेगा, लेकिन उसके अनुभवी पायलट, केबिन क्रू और समय-समय पर होने वाले तकनीकी रखरखाव (मेंटेनेंस) की पूरी ▶▶| शेष पेज 6 पर

फाइल फोटो

### 3 जून को खुलेगा टेंडर

इस हाई-प्रोफाइल सौदे के लिए सरकार ने सेवा प्रदाता कंपनियों के सामने बेहद कड़े वित्तीय और तकनीकी मापदंड रखे हैं। बोली लगाने वाली कंपनी का पिछले 3 वर्षों का औसत सालाना टर्नओवर कम से कम 5 ▶▶| शेष पेज 6 पर

### भारी-भरकम स्टाफ

*हेलीकॉप्टर की हर उड़ान से पहले और बाद में 'एयरवर्थनेस' (उड़ान योग्यता) सर्टिफिकेट की जरूरत होती है। इसके लिए बेहद महंगे एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस इंजीनियर्स को मासिक रिटेनरशिप या वेतन पर रखना पड़ता है। हेलीकॉप्टर के पुर्जों की एक तय उम्र होती है (जैसे 2000 घंटे की उड़ान के बाद इंजन ओवरहॉलिंग)। इसके लिए सालाना 2 करोड़ से 4 करोड़ का मेंटेनेंस बजट चाहिए। साथ ही बीमा और हैंगर का खर्च भी लगता है। ऐसे में सरकार खुद खरीदने के बजाय एक बार पैसा देकर तीन साल की किचकिच से मुक्त होना चाहती है।*


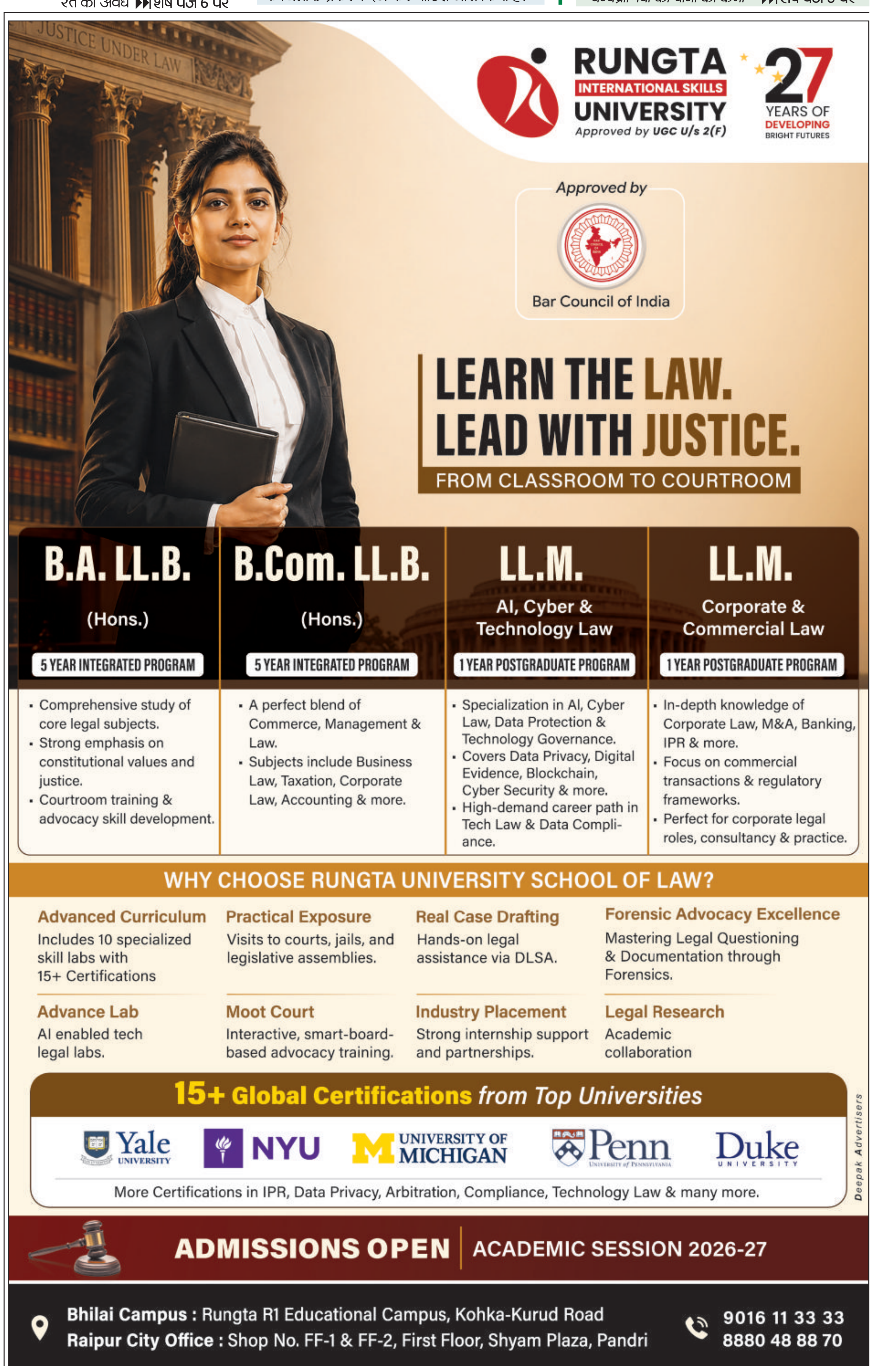

**वर्तमान परिवेश में ऊर्जा संकट एक वैश्विक समस्या बनकर उभरा है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेल की कीमतों में भारी उछाल के दृष्टिगत अनेक देशों ने ऊर्जा संरक्षण के लिए वर्क फ्रॉम होम जैसे कई उपाय लागू किए हैं। पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की कीमतों में जो निरंतर बढ़ोतरी हो रही है, उसने इस विषय को महज एक प्रशासनिक चर्चा से उठाकर हर घर के बजट को झकझोरने वाला एक ज्वलंत एवं संवेदनशील मुद्दा बना दिया है। इस संकट से भारत भी अछूता नहीं हैं। भारत को अगर अपनी दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करनी है, तो उसे अपने संसाधनों की सीमाओं के भीतर ऊर्जा के उत्पादन, भंडारण और उसके उपयोग की पूरी व्यवस्था का पुनर्गठन करना होगा। इसके लिए देश के पास कई ठोस और दूरगामी विकल्प मौजूद हैं, जो हमें एक आयातक देश से बदलकर ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बना सकते हैं। चूंकि भारत के पास दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा कोयला भंडार है। ऐसे में क्षैतिज ड्रिलिंग की दिशा में आगे बढ़ना कई मायनों में हितकारी साबित हो सकता है। भारत का तेल परिदृश्य केवल नए तेल कुओं को खोजने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि कच्चे तेल पर से अपनी निर्भरता को घटाने यानी ऊर्जा संरक्षण की दिशा में तेजी से आगे बढ़ेगा।** ***इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...***

# ऊर्जा सुरक्षा : आत्मनिर्भरता ही है विकल्प

विश्लेषण
डॉ. चंद्र त्रिखा
वरिष्ठ स्तंभकार

**अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेल की कीमतों में भारी उछाल के दृष्टिगत अनेक देशों ने ऊर्जा संरक्षण के दृष्टिगत वर्क फ्रॉम होम जैसे कई उपाय लागू किए हैं। सदी के सबसे बड़े आर्थिक और औद्योगिक बदलाव के दौर से गुजर रहे भारत के लिए ऊर्जा सुरक्षा महज़ एक नीतिगत शब्द नहीं है, बल्कि यह देश की संप्रभुता, आर्थिक संवृद्धि और करोड़ों नागरिकों के जीवन स्तर से जुड़ा बुनियादी सवाल है। पारंपरिक तौर पर जब भी ऊर्जा सुरक्षा की बात आती है, तो हमारा ध्यान तुरंत कच्चे तेल के आयात को कम करने या खाड़ी देशों के अलावा अन्य देशों से आपूर्ति सुनिश्चित करने पर चला जाता है, लेकिन वैश्विक भू-राजनीति की अस्थिरता और जलवायु परिवर्तन के थपेड़ों के बीच, आयात का रुख बदलना एक तात्कालिक मरहम तो हो सकता है, स्थायी इलाज नहीं।**

वर्तमान परिवेश में हमें यह तथ्य स्वीकार करना होगा कि ऊर्जा संकट एक वैश्विक संकट है। इस संकट से उबरने के लिए आने वाले समय में हमें दीर्घकालीन योजनाओं के अंतर्गत नए विकल्पों की तलाश के साथ-साथ ऊर्जा संरक्षण जैसे उपायों पर ध्यान केंद्रित करना होगा। इस ऊर्जा संकट को पश्चिम एशिया के संघर्ष ने और भी बढ़ा दिया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेल की कीमतों में भारी उछाल के दृष्टिगत अनेक देशों ने ऊर्जा संरक्षण के दृष्टिगत वर्क फ्रॉम होम जैसे कई उपाय लागू किए गए हैं। सदी के सबसे बड़े आर्थिक और औद्योगिक बदलाव के दौर से गुजर रहे भारत के लिए ऊर्जा सुरक्षा महज़ एक नीतिगत शब्द नहीं है, बल्कि यह देश की संप्रभुता, आर्थिक संवृद्धि और करोड़ों नागरिकों के जीवन स्तर से जुड़ा बुनियादी सवाल है। पारंपरिक तौर पर जब भी ऊर्जा सुरक्षा की बात आती है, तो हमारा ध्यान तुरंत कच्चे तेल के आयात को कम करने या खाड़ी देशों के अलावा अन्य देशों से आपूर्ति सुनिश्चित करने पर चला जाता है, लेकिन वैश्विक भू-राजनीति की अस्थिरता और जलवायु परिवर्तन के थपेड़ों के बीच, आयात का रुख बदलना एक तात्कालिक मरहम तो हो सकता है, स्थायी इलाज नहीं।

## व्यवस्था का पुनर्गठन जरूरी

भारत को अगर अपनी दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करनी है, तो उसे अपने संसाधनों की सीमाओं के भीतर ऊर्जा के उत्पादन, भंडारण और उसके उपयोग की पूरी व्यवस्था का पुनर्गठन करना होगा। इसके लिए देश के पास कई ठोस और दूरगामी विकल्प मौजूद हैं, जो हमें एक आयातक देश से बदलकर ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बना सकते हैं। भारत के लिए सबसे क्रांतिकारी और दूरगामी विकल्पों में से एक हरित हाइड्रोजन है। पानी के अणुओं को सौर या पवन ऊर्जा की मदद से तोड़कर बनाई जाने वाली यह गैस शून्य कार्बन उत्सर्जन करती है। भारत ने राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन के तहत इस दिशा में तेजी से कदम बढ़ाए हैं। इसका सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह भारी उद्योगों, जैसे इस्पात, सीमेंट और शोधन शालाओं तथा लंबी दूरी के परिवहन जैसे ट्रक, ट्रेन और जहाजों को पूरी तरह प्रदूषण मुक्त करने का एकमात्र व्यावहारिक विकल्प है, जहां सीधी बिजली या बैटरी काम नहीं आ सकती। चूंकि भारत में सौर ऊर्जा की प्रचुरता है, इसलिए हम दुनिया में सबसे सस्ती हरित हाइड्रोजन का उत्पादन करने की क्षमता रखते हैं। यह न केवल हमारी घरेलू फैक्ट्रियों को चलाएगी, बल्कि भविष्य में भारत को ऊर्जा निर्यातक देशों की कतार में खड़ा कर सकती है।इसके साथ ही, भारत ने सौर और पवन ऊर्जा के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है, लेकिन प्रकृति पर निर्भर होने के कारण ये स्रोत चौबीसों घंटे बिजली नहीं दे सकते। इस चुनौती से निपटने और नवीकरणीय ऊर्जा को देश की मुख्यधारा बनाने के लिए हमें पम्प्ड हाइड्रो स्टोरेज जैसी तकनीकों पर ध्यान देना होगा। यह एक विशाल प्राकृतिक बैटरी की तरह काम करता है। साथ ही, निरंतर आपूर्ति के लिए परमाणु ऊर्जा एक सुरक्षित और स्वच्छ विकल्प है। हमें अपने घरेलू थोरियम आधारित परमाणु कार्यक्रम को गति देनी होगी ताकि कोयले पर निर्भरता को पूरी तरह समाप्त किया जा सके।भारत एक कृषि प्रधान देश है, जहां हर साल लाखों टन कृषि अवशेष और शहरों में ठोस कचरा पैदा होता है।

### हमें ये करने होंगे उपाय

- भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए हमें एक मिश्रित मॉडल अपनाना होगा।
- सौर, पवन, परमाणु, जैव-ऊर्जा और हरित हाइड्रोजन से मजबूत तंत्र बनाएं।
- कचरे से गैस, धूप से बिजली और पानी से हाइड्रोजन निकालेंगे और अपनी गाड़ियां स्वदेशी बैटरियों से दौड़ाएंगे तो भारत की ऊर्जा संप्रभुता सच होगी।

## बायोगैस बनाने के संयंत्र

इन्हें अभिशाप मानने के बजाय ऊर्जा के स्रोत में बदलना भारत के लिए सबसे आसान विकल्प है। सतत योजना के तहत कचरे और गोबर से संपीडित बायोगैस बनाने के संयंत्र देश भर में लगाए जा रहे हैं। यह गैस सीधे प्राकृतिक गैस का स्थान ले सकती है। इससे न केवल शहरों का कचरा साफ होता है और किसानों की आय बढ़ती है, बल्कि देश के भीतर ही गैस का एक बड़ा भंडार तैयार हो जाता है, जो सीधे हमारी परिवहन व्यवस्था को गति देता है। सड़कों पर दौड़ने वाले वाहनों का घरेलू बिजली पर स्थानांतरित होना भारत की कच्चे तेल पर निर्भरता को सीधे चोट करता है। विद्युत वाहन क्रांति इसमें बड़ी भूमिका निभा रही है। दोपहिया और तिपहिया वाहनों के मामले में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसके साथ ही, लचीला ईंधन तकनीक एक बेहतरीन विकल्प है। एथेनॉल को पेट्रोल में बीस प्रतिशत तक मिलाने का लक्ष्य भारत तेजी से हासिल कर रहा है। चूंकि एथेनॉल देश के भीतर गन्ने और खराब अनाज से बनता है, इसलिए परिवहन में इसका बढ़ता उपयोग विदेशी ईंधन की जरूरत को घटाता है। ऊर्जा सुरक्षा का एक नियम यह भी है कि जितनी ऊर्जा बचाएंगे, उतनी ही कम ऊर्जा हमें बनानी पड़ेगी।

## बायोगैस बनाने के संयंत्र

भारत ने उजाला योजना के जरिए दुनिया का सबसे बड़ा ऊर्जा दक्षता कार्यक्रम चलाया है। अब समय इसे अगले स्तर पर ले जाने का है, जिसके तहत मापन प्रणालियों के जरिए बिजली की बर्बादी को रोका जा सकता है और मांग के अनुसार आपूर्ति को वास्तविक समय में नियंत्रित किया जा सकता है। इसके अलावा नए बनने वाले व्यावसायिक और आवासीय भवनों में ऐसी रूपरेखा को अनिवार्य करना होगा जो प्राकृतिक रोशनी और हवा का अधिकतम उपयोग करें, जिससे वातानुकूलन की मांग खुद-ब-खुद कम हो जाए।वर्तमान नीतियां और तकनीकी नवाचार यह भरोसा जगाते हैं कि भारत सही दिशा में आगे बढ़ रहा है और आने वाले दशक में हम ऊर्जा के मामले में न सिर्फ सुरक्षित होंगे, बल्कि आत्मनिर्भरता के एक नए युग का सूत्रपात करेंगे।

# क्षैतिज ड्रिलिंग की दिशा में आगे बढ़ना लाभकारी

आर्थिकी
विनीत पाण्डेय
वरिष्ठ पत्रकार

वैश्विक ऊर्जा परिदृश्य में इस समय एक मूक क्रांति चल रही है। दुनिया का सबसे बड़ा कोयला उपभोक्ता और उत्सर्जक देश चीन, अपने पुराने और गहरे कोयला भंडारों से ऊर्जा निचोड़ने की एक बेहद आधुनिक तकनीक पर काम कर रहा है। हाल ही में चीनी सरकारी ऊर्जा कंपनियों ने गहरी कोयला परतों में फंसी मीथेन गैस को निकालने के लिए बड़े पैमाने पर क्षैतिज ड्रिलिंग का व्यावसायिक इस्तेमाल शुरू किया है। इस तकनीक ने न केवल चीन के घरेलू गैस उत्पादन को बढ़ावा दिया है, बल्कि पूरी दुनिया के ऊर्जा विशेषज्ञों का ध्यान अपनी ओर खींचा है। ऐसे में यह सवाल उठना लाजिमी है कि क्या भारत को भी इस दिशा में गंभीर कदम उठाने की आवश्यकता है?

## चीन अपना रहा कोल रॉक गैस तकनीक

पारंपरिक रूप से कोयले की परतों से जो गैस निकाली जाती है, उसे कोलबेड मीथेन कहा जाता है। भारत और चीन दोनों ही सालों से उथली खदानों से कोलबेड मीथेन निकाल रहे हैं। लेकिन चीन ने हाल ही में जिस तकनीक पर महारत हासिल की है, उसे कोल रॉक गैस कहा जा रहा है। ओर्डोस बेसिन के दाजी क्षेत्र में इसके बेहद सफल परिणाम मिले हैं, और चीन ने वहां सैकड़ों कुएँ खोदकर अरबों क्यूबिक मीटर गैस का उत्पादन शुरू कर दिया है। भारत वर्तमान में अपनी जरूरत का लगभग 50% प्राकृतिक गैस आयात करता है। लिक्विफाइड नेचुरल गैस के अंतरराष्ट्रीय दामों में उतार-चढ़ाव भारतीय अर्थव्यवस्था पर सीधा असर डालता है। चीन की तरह भारत के पास भी कोयले का विशाल भंडार है। इसलिए, भारत के लिए क्षैतिज ड्रिलिंग की दिशा में आगे बढ़ना कई मायनों में लाभकारी साबित हो सकता है। भारत के पास दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा कोयला भंडार है। दामोदर घाटी (झारखंड-पश्चिम बंगाल), सोन घाटी (मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़) और गोदावरी घाटी (आंध्र प्रदेश-तेलंगाना) में गहरे कोयले के ऐसे ब्लॉक मौजूद हैं, जहां पारंपरिक खनन व्यावहारिक या आर्थिक रूप से व्यवहार्य नहीं है। क्षैतिज ड्रिलिंग तकनीक के माध्यम से इन दुर्गम परतों से अरबों घन मीटर मीथेन गैस निकाली जा सकती है, जिससे भारत की गैस-आधारित अर्थव्यवस्था के सपने को उड़ान मिलेगी। भारत ने 2030 तक अपनी प्राथमिक ऊर्जा टोकरी में प्राकृतिक गैस की हिस्सेदारी को मौजूदा 6.5% से बढ़ाकर 15% करने का लक्ष्य रखा है। यदि भारत घरेलू स्तर पर कोल रॉक गैस का उत्पादन शुरू कर देता है, तो उर्वरक उद्योग, सीएनजी वाहनों और पाइप्ड नेचुरल गैस के लिए विदेशों पर निर्भरता बेहद कम हो जाएगी। इससे विदेशी मुद्रा भंडार की भारी बचत होगी।

**भारत के पास दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा कोयला भंडार है। दामोदर घाटी, सोन घाटी और गोदावरी घाटी (आंध्र प्रदेश-तेलंगाना) में गहरे कोयले के ऐसे ब्लॉक मौजूद हैं, जहां पारंपरिक खनन व्यावहारिक या आर्थिक रूप से व्यवहार्य नहीं है।**

## मीथेन गैस को बाहर निकालने पर सुरक्षा

भारतीय कोयला खदानों, विशेषकर झारखंड के झरिया और रानीगंज क्षेत्रों में, भूमिगत आग और मीथेन गैस के रिसाव के कारण होने वाले विस्फोट एक पुरानी समस्या रही है। यदि कोयला निकालने से पहले ही क्षैतिज ड्रिलिंग के जरिए उस क्षेत्र की मीथेन गैस को खींच लिया जाए तो खदानों के भीतर विस्फोट का खतरा लगभग शून्य हो जाता है। यह भारतीय खनिकों की सुरक्षा के लिए एक क्रांतिकारी कदम होगा। मीथेन एक बेहद खतरनाक ग्रीनहाउस गैस है, जो कार्बन डाइऑक्साइड की तुलना में वातावरण को कई गुना तेजी से गर्म करती है। इस गैस को क्षैतिज ड्रिलिंग से सुरक्षित निकालकर ईंधन के रूप में इस्तेमाल करने से भारत को अपने नेट-जीरो लक्ष्यों को हासिल करने में मदद मिलेगी।चीन की सफलता यह साबित करती है कि यदि सरकारी नीतियों का समर्थन हो, तो भूवैज्ञानिक चुनौतियों को पार किया जा सकता है। भारत को भी इस दिशा में एक सोची-समझी रणनीति अपनानी होगी। आवश्यकतानुसार वैश्विक ऊर्जा दिग्गजों को भारत में आमंत्रित किया जाना चाहिए, ताकि देश में तकनीक का हस्तांतरण हो सके। महानदी या दामोदर बेसिन के कुछ चुनिंदा ब्लॉकों को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में चुनकर वहां परीक्षण शुरू किए जाने चाहिए। चीन द्वारा कोयले की गहरी परतों में क्षैतिज ड्रिलिंग का सफल उपयोग यह दिखाता है कि भविष्य की ऊर्जा सुरक्षा केवल नए संसाधनों को खोजने में नहीं, बल्कि मौजूदा संसाधनों के स्मार्ट दोहन में है। भारत अपने कोयला भंडारों को केवल 'प्रदूषण फैलाने वाले ईंधन' के रूप में नहीं देख सकता। यदि सही नीति, विदेशी तकनीक और घरेलू इच्छाशक्ति का समन्वय हो, तो भारत भी अपनी गहरी कोयला खदानों से स्वच्छ ऊर्जा का अकूत भंडार निकाल सकता है। चीन के इस कदम से सीख लेते हुए भारत को बिना देर किए इस दिशा में अपने कदम बढ़ा देने चाहिए, क्योंकि ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता ही भविष्य की वास्तविक संप्रभुता है।

# पेट्रो उत्पाद भी जीएसटी के दायरे में हों

मंथन
डॉ. विजेंद्र कुमार
वरिष्ठ स्तंभकार

जहां विज्ञान की प्रगति ने 'भारत की पूरी धरती एक कुटुंब की तरह है' अवधारणा को सिद्ध कर दिया है, वही व्यक्ति और समष्टि के अंतरद्वंद्व के दूरगामी प्रभाव को भी हमें देखना होगा। आज के दौर में ईंधन केवल वाहनों को गति देने वाला माध्यम नहीं है, बल्कि यह देश की अर्थव्यवस्था की रगों में दौड़ता हुआ रक्त है, जिसका सीधा नाता हर आम नागरिक की रसोई और उसकी आजीविका से है। वैश्विक ऊर्जा संकट और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गहराते तनावों के कारण कच्चे तेल की कीमतों में जो अप्रत्याशित उछाल आया है, उसकी तपिश अब हमारे घरेलू बाजारों में भी साफ महसूस की जा रही है।

पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की कीमतों में जो निरंतर बढ़ोतरी हो रही है, उसने इस विषय को महज एक प्रशासनिक चर्चा से उठाकर हर घर के बजट को झकझोरने वाला एक ज्वलंत एवं संवेदनशील मुद्दा बना दिया है। जब भी पेट्रो पदार्थों के दाम बढ़ते हैं, तो उसकी पहली चोट आम आदमी की जेब पर लगती है। विकासशील देशों में माल की आवाजाही का एक बहुत बड़ा हिस्सा सड़क मार्ग पर निर्भर है, इसलिए जैसे ही डीजल के दाम बढ़ते हैं, वैसे ही ट्रकों और भारी वाहनों का किराया अपने आप बढ़ जाता है। इसका सीधा परिणाम यह होता है कि कारखानों में बनने वाले सामान से लेकर खेतों से मंडियों तक आने वाली फल-सब्जियों जैसी अनिवार्य वस्तुओं की ढुलाई बेहद महंगी हो जाती है। हमारा कृषि प्रधान समाज आज भी खेती की जुताई से लेकर फसलों की सिंचाई तक के लिए काफी हद तक डीजल पर निर्भर है। जब लागत और परिवहन दोनों महंगे हो जाते हैं, तो आटा, दाल, दूध, फल और सब्जियों के दाम आसमान छूने लगते हैं। ऐसे में एक सीमित आय वाले मध्यमवर्गीय परिवार या रोजाना कमाने-खाने वाले मजदूर के लिए अपनी थाली के पोषण और स्वाद को बचाए रखना एक बड़ी चुनौती बन जाता है। इसी तरह दुपहिया वाहन, ऑटो या टैक्सी चलाकर परिवार का पेट पालने वाले चालकों के लिए यह समय किसी कड़ी परीक्षा से कम नहीं होता, क्योंकि ईंधन पर खर्च बढ़ने से उनकी रोज की कमाई का एक बड़ा हिस्सा तेल में ही जल जाता है और सवारी का किराया तुरंत बढ़ा पाना उनके बस में नहीं होता।

आर्थिक विश्लेषकों का भी स्पष्ट मानना है कि तेल की कीमतों में होने वाली मामूली वृद्धि भी देश की खुदरा महंगाई दर को सीधे ऊपर ले जाती है, जो महज कंपनियों के नफे-नुकसान का मामला नहीं, बल्कि सीधे तौर पर आम उपभोक्ता की क्रय शक्ति और उसके जीवन स्तर पर किया गया प्रहार है। इस कठिन चक्रव्यूह से पार पाने के लिए लाया जाए, जिससे पूरे देश में करों की विसंगतियां समाप्त होंगी, कीमतों में स्थिरता आएगी और अप्रत्याशित उछाल से काफी हद तक बचा जा सकेगा। नीतियों के साथ-साथ सामाजिक और व्यक्तिगत स्तर पर भी हमें अपनी आदतों को बदलना होगा। रोजमर्रा के सफर में हमें वाहनों को साझा करने की आदत डालनी होगी और जहां तक संभव हो, निजी गाड़ियों के बजाय मेट्रो, बसों या स्थानीय ट्रेनों का उपयोग करना होगा, जो न केवल हमारी जेब का बोझ हल्का करेगा, बल्कि देश के भारी-भरकम आयात बिल को भी कम करने में मदद करेगा। अब वह समय आ चुका है जब हमें

**विकासशील देशों में माल की आवाजाही का एक बहुत बड़ा हिस्सा सड़क मार्ग पर निर्भर है, इसलिए जैसे ही डीजल के दाम बढ़ते हैं, वैसे ही ट्रकों और भारी वाहनों का किराया अपने आप बढ़ जाता है। इसका सीधा परिणाम यह होता है कि तमाम अनिवार्य वस्तुओं की ढुलाई बेहद महंगी हो जाती है।**

तात्कालिक राहत और दूरगामी सोच, दोनों ही मोर्चों पर एक साथ कदम बढ़ाने होंगे, जहां शासन और समाज दोनों को मिलकर अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। प्रशासनिक स्तर पर देखें तो पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में केंद्र और राज्यों के करों यानी उत्पाद शुल्क और मूल्य संवर्धित कर की हिस्सेदारी काफी बड़ी होती है। संकट के इस दौर में सरकारों को लोक-कल्याणकारी कदम उठाते हुए टैक्स के बोझ को थोड़ा कम करना चाहिए, ताकि जनता को तुरंत राहत मिल सके। साथ ही देश में अरसे से यह मांग भी उठ रही है कि पेट्रो उत्पादों को भी वस्तु एवं सेवा कर के दायरे में बिजली से चलने वाले वाहनों और मिश्रित ईंधन तकनीकों को पूरी गंभीरता से अपनाना होगा। पेट्रोल में कृषि अपशिष्ट से तैयार इथेनॉल के मिश्रण को और अधिक विस्तार देना भी एक बेहतरीन विकल्प है, जिससे हमारे खेतों के कचरे का सही उपयोग होगा, किसानों की आमदनी बढ़ेगी और विदेशी कच्चे तेल पर हमारी निर्भरता भी कम होगी। प्रशासनिक ढांचे के अंतर्गत फिजूल खर्ची को रोक कर तर्कसंगत उपयोगिता प्रणाली को विकसित करना होगा तथा सरकारी संसाधनों की दुरुपयोग की अपनी मानसिकता को भी बदलना होगा।

# रणनीतिक प्रबंधन दूर करेगा संकट

व्यवस्था
जूही पाठक
स्वतंत्र पत्रकार

भारत वर्तमान में दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा कच्चा तेल उपभोक्ता और आयातक देश है। हमारी तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और औद्योगिक प्रगति पूरी तरह से ऊर्जा की निर्बाध आपूर्ति पर टिकी हुई है। आज की तारीख में भारत अपनी तेल आवश्यकताओं का लगभग पचासी प्रतिशत हिस्सा विदेशों से आयात करता है। यह भारी-भरकम आयात न केवल देश के राजकोषीय घाटे को प्रभावित करता है, बल्कि भारत की विदेश नीति और आर्थिक निर्णयों में भी बड़ी भूमिका निभाता है। ऐसे में इस बिन्दु पर विचार करना बेहद महत्वपूर्ण हो जाता है कि ईंधन व्यवस्था की दृष्टि से भारत के मौजूदा तेल स्रोत क्या हैं और आने वाले भविष्य में देश की ऊर्जा सुरक्षा को लेकर क्या संभावनाएं और चुनौतियां छिपी हैं।

भारत का घरेलू तेल उत्पादन मुख्य रूप से तीन प्रमुख हिस्सों में बंटा हुआ है, जिनमें तटीय तेल क्षेत्र, उथले अपतटीय क्षेत्र और गहरे तथा अति-गहरे अपतटीय तेल क्षेत्र शामिल हैं। तटीय यानी जमीन पर स्थित तेल स्रोतों में राजस्थान का बाड़मेर ब्लॉक सबसे महत्वपूर्ण है, जहां मंगला, भाग्यम और ऐश्वर्या जैसे तेल क्षेत्र देश के घरेलू कच्चे तेल के उत्पादन में बहुत बड़ा योगदान दे रहे हैं। इसके अलावा असम के डिगबोई, नाहरकटिया और मोरान-हुगरीजन जैसे पारंपरिक क्षेत्र आज भी देश को तेल की आपूर्ति कर रहे हैं, जबकि गुजरात का कैम्बे बेसिन और अंकलेश्वर भी प्रमुख ऑनशोर तेल स्रोत बने हुए हैं। उत्पादन का दूसरा हिस्सा उथले अपतटीय क्षेत्र हैं, जिनका सबसे बड़ा उदाहरण अरब सागर में स्थित मुंबई हाई है। यह बेसिन दशकों से देश के घरेलू उत्पादन की रीढ़ रहा है। तीसरा और सबसे आधुनिक हिस्सा गहरे तथा अति-गहरे अपतटीय तेल क्षेत्र हैं, जो मुख्य रूप से बंगाल की खाड़ी के कृष्णा-गोदावरी बेसिन में स्थित हैं। यदि हम आने वाले दस से बीस वर्षों की ईंधन व्यवस्था पर नजर डालें, तो भारत का तेल परिदृश्य एक बहुत बड़े परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। भविष्य की ऊर्जा सुरक्षा को लेकर भारत मुख्य रूप से चार रणनीतिक मोर्चों पर आगे बढ़ रहा है, जिसमें सबसे पहला मोर्चा गहरे और अति-गहरे समुद्र में नए भंडारों की खोज का है। भारत सरकार ने अंडमान-निकोबार बेसिन, महानदी बेसिन और गहरे अरब सागर के विशाल क्षेत्रों को पुराने कड़े नियमों से मुक्त कर दिया है ताकि इन अनछुए क्षेत्रों का दोहन किया जा सके। दूसरा महत्वपूर्ण मोर्चा सामरिक तेल भंडारों का विस्तार है, ताकि अंतरराष्ट्रीय भू-राजनीतिक उथल-पुथल, युद्ध या आपूर्ति श्रृंखला बाधित होने की स्थिति में देश की ईंधन व्यवस्था ठप न हो। वर्तमान में विशाखापत्तनम, मंगलौर और पादुर में रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार के रूप में लाखों टन कच्चा तेल आपातकाल के लिए सुरक्षित रखा गया है और भविष्य की योजना के तहत ओडिशा के चंडीखोल तथा पादुर के दूसरे चरण में इस क्षमता को दोगुना किया जा रहा है। रणनीतिक स्तर पर तीसरा बड़ा बदलाव आयात का विविधीकरण है, जिसके तहत भारत किसी एक क्षेत्र या संगठन पर अपनी निर्भरता को समाप्त कर रहा है। भारत ने अपनी कूटनीतिक रणनीति बदलते हुए रूस, अफ्रीकी देशों और लैटिन अमेरिकी देशों से तेल का आयात बढ़ाना शुरू किया है, जो भारत को अंतरराष्ट्रीय बाजार में बेहतर मोलतोल की शक्ति देता है और वैश्विक संकटों के प्रभाव से देश को सुरक्षित रखता है। भविष्य का चौथा और सबसे बड़ा कदम यह है कि भारत का तेल परिदृश्य केवल नए तेल कुओं को खोजने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि कच्चे तेल पर से अपनी निर्भरता को घटाने यानी ऊर्जा संरक्षण की दिशा में तेजी से आगे बढ़ेगा। इलेक्ट्रिक वाहनों का विस्तार, पेट्रोल में एथेनॉल ब्लेंडिंग, और नेशनल ग्रीन हाइड्रोजन मिशन जैसी नीतियां यह सुनिश्चित कर रही हैं कि भविष्य में परिवहन और उद्योगों के लिए कच्चे तेल की मांग को धीरे-धीरे कम किया जा सके। ईंधन व्यवस्था के दृष्टिकोण से भारत का भविष्य एक बेहद संतुलित रणनीति पर टिका है। एक तरफ जहां घरेलू स्तर पर गहरे समुद्र में नए कुओं की खोज और सामरिक तेल भंडारों को सुरक्षित करना देश की वर्तमान जरूरत है, वहीं दूसरी तरफ तेल पर निर्भरता हटाकर अक्षय ऊर्जा की ओर कदम बढ़ाना भारत का अंतिम लक्ष्य है। जब तक देश ऊर्जा के क्षेत्र में पूरी तरह आत्मनिर्भर नहीं हो जाता, तब तक कच्चे तेल के स्रोतों का रणनीतिक प्रबंधन ही भारत के विकास की रफ्तार को बनाए रखने की महत्वपूर्ण कुंजी है।

**भारत का घरेलू तेल उत्पादन मुख्य रूप से तीन प्रमुख हिस्सों में बंटा हुआ है, जिनमें तटीय तेल क्षेत्र, उथले अपतटीय क्षेत्र और गहरे तथा अति-गहरे अपतटीय तेल क्षेत्र शामिल हैं। तटीय यानी जमीन पर स्थित तेल स्रोतों में राजस्थान का बाड़मेर ब्लॉक सबसे महत्वपूर्ण है।**

बिलासपुर
रविवार 24 मई 2026
ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष अष्टमी
वर्ष : 26, अंक : 63
पृष्ठ : 12+8= 20 मूल्य : 5 .00***

मौसम
अधि. 44.3
न्यूून. 28.2

# हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

## तेल, गैस, पेट्रोल, सब्जी, कपड़ा मकान, एसी तक महंगे, आम आदमी के बजट पर चौतरफा हमला, कहीं राहत नहीं

# युद्ध की आग में झुलस गई जिंदगी रसोई से मकान तक हर चीज महंगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

अलग खबर

अमेरिका, इजरायल, ईरान युद्ध की आग में आम आदमी की जिंदगी भी झुलस गई है। खाने के तेल से लेकर एलपीजी गैस, पेट्रोल, डीजल, सब्जी, नाश्ता, खाना, कपड़ा, मकान, एसी तक सभी महंगे हो गए हैं। एक भी सामान ऐसा नहीं है जिसमें कोई राहत हो। जैसे-जैसे पेट्रोल डीजल के दाम बढ़ रहे हैं, आने वाले समय में महंगाई की मार और बढ़ने की आशंका है। परिवहन महंगा होने के कारण महंगाई और बढ़ेगी और आम आदमी की जिंदगी और कठिन हो जाएगी। सबसे बड़ा वार तो एलपीजी गैस, पेट्रोल ▶▶|शेष पेज 6 पर

### मकान बनाना महंगा

सीमेंट, सरिया, गिट्टी रेत के दाम में भारी इजाफा होने के कारण मकान बनाना भी महंगा हो गया है। पहले मकान बनाने में 12 से 13 सौ रुपए वर्ग फीट का खर्च आता था, लेकिन अब इसका खर्च 14 से 15 सौ रुपए वर्ग फीट हो गया है। उद्योगों को एलपीजी गैस न मिलने के कारण सरिया के दाम बढ़े हैं।

### एसी में 20 फीसदी का इजाफा

युद्ध के कारण कापर और अन्य कच्चे माल के दाम में इजाफा होने के कारण एसी के दाम में भी 20 फीसदी का इजाफा हो गया है। ऐसा होने से 40 हजार का एसी अब 48 हजार और 30 हजार का एसी 36 हजार रुपए हो गया है। एसी कारोबारी राजेश वासवानी के मुताबिक दाम बढ़ने के कारण गर्मी में इसकी बिक्री पर भी फर्क पड़ गया है।

### कपड़ा 20 फीसदी महंगा

कपड़ों पर भी युद्ध का असर पड़ा है। पंडरी कपड़ा बाजार के चंदर विदानी के मुताबिक हर तरह के कपड़ों के दाम में 20 से 25 फीसदी का इजाफा हो गया है। कच्चा माल बाहर से आता है, इसकी कमी के कारण दाम बढ़े हैं। दाम बढ़ने के कारण शादियों की खरीदारी पर भी असर पड़ा है। अब लोग कम कपड़े खरीद रहे हैं।

### इलेक्ट्रॉनिक्स-इलेक्ट्रिक आइटम भी महंगे

इलेक्ट्रॉनिक्स के साथ इलेक्ट्रिक आइटम भी महंगे हो गए हैं। फ्रिज, वाशिंग मशीन सहित कई आइटमों के दाम 5 से 10 फीसदी बढ़े हैं। कॉपर के महंगे होने के कारण बिजली के तारों के दाम में भी भारी उछाल आया है। इसके दाम 25 फीसदी तक बढ़ गए हैं। जो ढाई एमएम का कॉपर का तार पहले 20 से 25 रुपए मीटर मिलता था उसके दाम 25 से 30 रुपए हो गए हैं। चार एमएम के तार के दाम 50 से बढ़कर 60 रुपए मीटर हो गए हैं। पंखों और कूलर के दाम में भी 20 फीसदी तक का इजाफा हो गया है। कंप्यूटर में लगने वाले आइटमों के दाम तो छह गुना तक बढ़ गए हैं। मोबाइल के दाम में 50 फीसदी तक का इजाफा हुआ है।

### प्लास्टिक के सामान में भी महंगाई

प्लास्टिक का हर तरह का सामान महंगा हो गया है। सबसे अहम कच्चा माल प्लास्टिक दाना जो पहले 100 रुपए किलो मिलता था, उसके दाम 180 से 200 रुपए हो गए हैं। प्लास्टिक स्क्रैब जो पहले 70-80 रुपए किलो मिलता था, उसके दाम 120 से 130 रुपए हो गए हैं। ऐसे में प्लास्टिक पाउच सहित सभी तरह से प्लास्टिक के सामानों के दाम 20 से 50 फीसदी तक महंगे हो गए हैं। नमकीन सहित अन्य उत्पाद, दूध, दही सहित अन्य तरह से उत्पादों की पैकिंग में काम आने वाले पाउच के दाम सीधे 50 फीसदी तक बढ़ गए हैं।

### सब्जियों के दाम में भी आग

सब्जियों के दाम भी इस समय आसमान पर हैं। पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ने से परिवहन महंगा हुआ है। हालांकि गर्मियों में सब्जियों के दाम बढ़ते हैं। लेकिन महंगाई की मार ज्यादा पड़ रही है। टमाटर के दाम अब 40 से 50 रुपए हो गए हैं। मुनगा 100 से 120 रुपए, ढेस 100 रुपए किलो, फ्रेंच बींस के दाम सबसे ज्यादा 160 रुपए किलो है। भिंडी 40 से 50 रुपए, कोचाई 50 रुपए, भट्टा 40 रुपए, करेला 60 रुपए, कुंदरू 40 रुपए, पत्ता गोभी 30 रुपए, हरी मिर्च 80 रुपए, धनिया 100 रुपए किलो है। नींबू के दाम पांच से दस रुपए हैं। छोटा नींबू पांच और बड़ा दस रुपए बिक रहा है।

### नाश्ता, खाना महंगा

एलपीजी गैस और डीजल के कारण अपने राज्य में राजधानी रायपुर से लेकर पूरे प्रदेश में नाश्ता और खाना महंगा हो गया है। जो समोसा और कचौड़ी पहले 10 से 15 रुपए में मिलते थे, उसके दाम 15 से 20 रुपए हो गए हैं। इसी के साथ सांभर बड़ा 30 से 40 रुपए, दोसा 30 से 40 और 40 से 50 रुपए के साथ बड़े रेस्टोरेंट में दोसा 100 से 150 रुपए तक हो गया है। खाने की थाली भी महंगी हुई है। 120 वाली थाली 150 रुपए, 200 वाली 250 रुपए इसी तरह से होटलों के हिसाब से दाम बढ़े हैं। केटरिंग कारोबारी जसपाल सिंह होरा के मुताबिक शादियों में जो थाली पहले 400 रुपए की थी वह 500 और 800 वाली हजार रुपए और हजार वाली 12 सौ रुपए हो गई है।

### दूध, दही पनीर भी महंगा

दूध के दाम दो रुपए बढ़ने के बाद राजधानी रायपुर के साथ ही प्रदेश के जिन भी होटलों के साथ डेयरियों में दही और पनीर मिलता है, उन लोगों ने इसके दाम बढ़ा दिए हैं। दही के दाम बीस रुपए तक बढ़ गए हैं। इसी तरह से पनीर के दाम भी अलग-अलग दुकानों में अलग-अलग हैं। जहां पर पनीर के दाम 400 रुपए थे, वहां पर इसके दाम 440 रुपए और जहां पर 440 रुपए थे वहां 480 रुपए कर दिए गए हैं।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

पाठक सूचना
हरिभूमि
सुनहरा मौका
सुनिश्चित उपहार 2026
का मास्टर कूपन
कल के अंक में देखें।

## महंगाई की आग : पेट्रोल में 87 पैसे और डीजल में 91 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी

# पेट्रोल-डीजल के दाम फिर बढ़े 10 दिन में पांच रुपए हुआ महंगा

### सीएनजी की कीमत में 1 रुपए किलो का किया गया इजाफा

**देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में एक बार फिर बढ़ोतरी की गई है। 10 दिनों से भी कम समय में शनिवार को तीसरी बार बढ़ोतरी की गई। पेट्रोल 87 पैसे और डीजल 91 पैसे प्रति लीटर महंगा हुआ है। दिल्ली-एनसीआर में सीएनजी की कीमतें 1 रुपए किलो बढ़ गई हैं। नई कीमतें 23 मई से लागू हो गई हैं।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

खास खबर

ताजा बढ़ोतरी के बाद 10 दिनों के भीतर पेट्रोल एवं डीजल के दाम देशभर में लगभग पांच रुपए प्रति लीटर तक बढ़ चुके हैं। इसके साथ ही वाहन ईंधन के तौर पर इस्तेमाल होने वाले सीएनजी की कीमत में भी एक रुपये प्रति किलोग्राम की वृद्धि की गई है। हाल के दिनों में तीसरी बार हुई बढ़ोतरी के बाद सीएनजी के दाम कुल चार रुपये प्रति किलोग्राम तक बढ़ चुके हैं। पश्चिम एशिया संकट के बीच अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के साथ सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियां ईंधन के खुदरा दाम बढ़ा रही हैं। हालांकि इसके पहले लंबे समय पेट्रोल-डीजल के दाम नहीं बढ़े थे। पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में यह वृद्धि वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की ऊंची कीमतों, रिफाइनिंग मार्जिन में कमी और रुपये के कमजोर होने के कारण हुई है।

### 10 से 13 रुपए प्रति लीटर का घाटा

रेटिंग एजेंसी क्रिसिल के मुताबिक, पिछली बढ़ोतरी के बाद भी तेल विपणन कंपनियां पेट्रोल पर लगभग 10 रुपए प्रति लीटर और डीजल पर 13 रुपए प्रति लीटर का घाटा झेल रही थीं। बहरहाल, पेट्रोल और डीजल की कीमतें अब मई, 2022 के बाद से उच्चतम स्तर पर पहुंच गई हैं। मार्च 2024 में लोकसभा चुनाव से ठीक पहले पेट्रोल और डीजल की कीमतों में दो रुपये प्रति लीटर की कटौती की गई थी। आखिरी बार कीमतों में वृद्धि अप्रैल 2022 में हुई थी। ईंधन की कीमतों में यह बढ़ोतरी भारत के तेल आयात बिल को नियंत्रित करने और ईंधन की खपत को कम करने के लिए सरकार के व्यापक प्रयासों के बीच हुई है।

### देश में पेट्रोल-डीजल की किल्लत नहीं

देश की सबसे बड़ी पेट्रोलियम विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन ने देश में पेट्रोल एवं डीजल की समग्र किल्लत से इंकार किया है। आईओसी ने कहा कि कुछ पेट्रोल पंपों पर ईंधन की कमी होने से संबंधित खबरें 'बेहद स्थानीय' और अस्थायी प्रकृति की हैं, जो क्षेत्रीय मांग-आपूर्ति असंतुलन और बिक्री के प्रारूप में बदलाव का नतीजा हैं। कुछ पेट्रोल पंपों पर बढ़ी हुई मांग का कारण फसल कटाई के समय डीजल की खपत में मौसमी वृद्धि, अपेक्षाकृत अधिक कीमत वाले निजी पेट्रोल पंपों से ग्राहकों का सरकारी क्षेत्र के पंपों की तरफ स्थानांतरण के कारण संस्थागत खरीद में बढ़ोतरी है।

### खुदरा विक्रेताओं को नुकसान

इस बीच, सरकार का कहना है कि कीमतों में इस वृद्धि के बावजूद, खुदरा ईंधन विक्रेताओं को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने इस सप्ताह की शुरुआत में कहा था कि 15 मई की वृद्धि से नुकसान में एक चौथाई की कमी आई है और सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियां अब भी प्रतिदिन लगभग 750 करोड़ रुपए का नुकसान उठा रही हैं।

### सरकार पर विपक्ष का निशाना

कांग्रेस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, महंगाई मैन मोदी ने पेट्रोल-डीजल पर 9 दिन में 5 रुपए बढ़ा दिए। आज फिर पेट्रोल 94 पैसे और डीजल 95 पैसे महंगा कर दिया गया। मोदी को बस तेल कंपनियों के फायदे की चिंता है। एक तरफ जहां दुनियाभर की सरकारें अपनी जनता को राहत दे रही हैं, मोदी सरकार जनता को ही लूटने में लगी है। कभी तो जनता के भले के बारे में सोच लो, कब तक पूंजीपतियों का फायदा कराते रहोगे? पंजाब प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने ईंधन की कीमतों में वृद्धि को लेकर केंद्र सरकार की कड़ी आलोचना की और इसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की 'असली अर्थव्यवस्था' बताया।

## यूपीएससी आज, डिजिटल वॉच, मोबाइल, आईटी गैजेट्स बैन, 13 हजार होंगे शामिल

*रायपुर में 22, बिलासपुर में 14 सेंटर, पहली बार फेस ऑथेंटिकेशन से प्रवेश*

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सर्विस प्रारंभिक परीक्षा का आयोजन 24 मई को किया जाएगा। परीक्षा में 13 हजार 319 अभ्यर्थी शामिल होंगे। इसके लिए रायपुर में 22 और बिलासपुर में 14 सेंटर बनाए गए हैं। सुबह 9.30 से 11:30 बजे तथा दोपहर 2:30 से 4:30 बजे तक दो पाली में परीक्षा आयोजन किया जाएगा। परीक्षा केंद्र में प्रवेश फेस ऑथेंटिकेशन के बाद होगा, जहां डिजिटल वॉच, मोबाइल फोन, आईटी गैजेट्स बैन किया गया है। परीक्षा केंद्रों में परीक्षार्थियों को आधा घंटे पहले पहुंचने के निर्देश दिए गए हैं। रायपुर जिले में बनाए गए 22 परीक्षा केंद्रों में 8449 परीक्षार्थी शामिल होंगे। परीक्षा के दौरान किसी भी ▶▶|शेष पेज 6 पर

### एक साथ दो लोग नहीं जा सकेंगे वॉशरूम

परीक्षा के दौरान नकल रोकने के लिए बेहद सख्ती बरती जा रही है। परीक्षा दिलाने के दौरान एक साथ दो लोग वॉशरूम नहीं जा सकेंगे। इसके साथ ही परीक्षा के अंतिम तीस मिनट के दौरान इसे पूरी तरह प्रतिबंधित कर दिया जाएगा। परीक्षार्थियों को प्रवेश के समय ई-एडमिट कार्ड एवं वही फोटोयुक्त पहचान पत्र प्रस्तुत करना होगा, जो उनके परीक्षा फॉर्म में दर्ज है। मोबाइल पर ई-एडमिट कार्ड की तस्वीर दिखाने से परीक्षा केंद्र में एंट्री नहीं मिलेगी।

## खबर संक्षेप

### चड्ढा रास की याचिका समिति के अध्यक्ष

**नई दिल्ली।** हाल में आम आदमी पार्टी (आप) छोड़कर भाजपा में शामिल हुए राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा को राज्यसभा की याचिका समिति का नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

राज्यसभा के सभापति सी. पी. राधाकृष्णन ने याचिका समिति का पुनर्गठन करने के बाद सदन के 10 सदस्यों को इस समिति के लिए नामित किया। राघव चड्ढा को समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। राज्यसभा के सभापति ने 20 मई से प्रभावी समिति का पुनर्गठन किया है।

### क्रूजर कार और लॉरी की टक्कर, पांच की मौत

**कलबुर्गी।** कर्नाटक के कलबुर्गी जिले में एक क्रूजर वाहन और लॉरी के बीच हुई आमने-सामने की भीषण टक्कर में पांच लोगों की मौत हो गई। हादसे का शिकार हुए सभी पांचों मृतक आपस में रिश्तेदार थे। यह हादसा शुक्रवार देर रात कलबुर्गी जिले के चित्तापुर तालुक के लाडलापुर गांव के पास राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुआ। मृतकों की पहचान चित्तापुर तालुक के इंगलागी गांव निवासी तोलुसाब काशवार (27), हुसैन शाह (48), मैबूब अली (45), रसूल बी (42) और फातिमा अली (38) के रूप में हुई है।

### डंपर ने सो रहे परिवार को कुचला, चार की मौत

**बाराबंकी।** बाराबंकी जिले में फतेहपुर थाना क्षेत्र के झांसा गांव में

एक तेज रफ्तार डंपर ने एक परिवार को कुचल दिया जिससे चार लोगों की मौत हो गई तथा एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। मृतकों की पहचान नीरज (35) और उसके बच्चों-अनुराग (13), अंशू (छह) और अंशिका (10) के रूप में हुई है। शुक्रवार रात बिजली न होने के कारण परिवार के सदस्य घर के बाहर सड़क किनारे सो रहे थे। डंपर पहले सड़क किनारे एक पेड़ से टकराया और फिर उसने बाहर सो रहे परिवार को कुचल दिया।

## कई राज्यों में चढ़ा पारा, आईएमडी ने जारी किया अलर्ट

# देश के कई हिस्सों में भीषण गर्मी और लू, तेलंगाना में चली गई 16 की जान

*छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में हीटवेव, तापमान 44 डिग्री के हुआ पार*

**नई दिल्ली।** भारत के कई हिस्सों में शनिवार को भीषण गर्मी और लू का प्रकोप जारी रहा। कई क्षेत्रों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस से ऊपर चला गया। तेलंगाना में लू से 16 लोगों की मौत हो गई। आईएमडी ने झारखंड के तीन जिलों के लिए सोमवार को लू का अलर्ट जारी किया। इधर, छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में शनिवार को पारा 44.3 डिग्री दर्ज किया गया।

भीषण गर्मी का असर केवल इंसानों पर ही नहीं, बल्कि जानवरों और पक्षियों पर भी पड़ने लगा है। दिल्ली में पशु चिकित्सकों और पशु बचावकर्मियों ने बताया कि कबूतर थकान के कारण बेहोश होकर आसमान से गिर रहे हैं, निर्जलीकरण के कारण कई चील सड़क किनारे पडी. हुई दिखीं और लगातार गर्मी के कारण आवारा पशु पेट संबंधी ▶▶|शेष पेज 6 पर

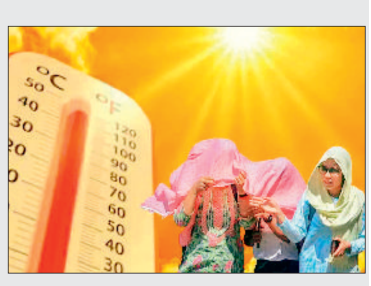

### लू की चपेट में राष्ट्रीय राजधानी

दिल्ली पिछले कई दिन से लू की चपेट में है, जहां कई इलाकों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया। चिकित्सकों के अनुसार, दिल्ली-एनसीआर के अस्पतालों में गर्मी से संबंधित बीमारियों वाले मरीजों की संख्या बढ़ रही है, जिनमें आंखों में जलन, निर्जलीकरण से होने वाला सिरदर्द और गर्मी से उत्पन्न तंत्रिका संबंधी समस्याएं शामिल हैं। पंजाब और हरियाणा में भी भीषण गर्मी जारी रही। राष्ट्रीय राजधानी में गर्मी का प्रभाव इंसानों से आगे बढ़कर जानवरों तक पहुंच गया है।

### हरियाणा, पंजाब का ऐसा हाल

हरियाणा के रोहतक में अधिकतम तापमान 44.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि पंजाब के बठिंडा में पारा 43.8 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। पंजाब के अन्य क्षेत्रों में अमृतसर में 40.5 डिग्री सेल्सियस और लुधियाना में 41.2 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। दोनों राज्यों की साझा राजधानी चंडीगढ़ में अधिकतम तापमान 40.6 डिग्री सेल्सियस रहा।

### 7 घंटे, 40 दमकल, डेढ़ सौ कर्मियों की टीम भी नहीं कर सकी आग को काबू

**रायगढ़।** शनिवार की दोपहर करीब 2 बजे छातामुड़ा बाईपास रोड स्थित एक कबाड़ दुकान में ऐसी आग लगी कि 7 घंटे, 40 दमकल और डेढ़ सौ कर्मचारियों की टीम साढ़े 9 लाख लीटर पानी डालने के बाद भी आग को काबू नहीं कर सके। हालात यह रहा कि देर रात तक आग धधकती रही और काला धुआं आसमान पर काली बदली की तरह छाया रहा। आग से उठ रहा काला धुआं पूरे शहर में छा गया था। आग इतनी भयावह थी कि कुछ ही मिनटों में कबाड़ दुकान के बाजू में स्थित प्लास्टिक गोदाम को भी अपनी चपेट में ले लिया। देखते ही देखते आग की लपटें ▶▶| शेष पेज 6 पर

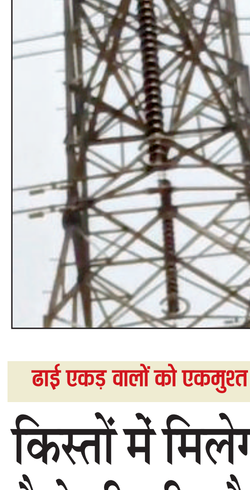

# दो पत्नियां, हरदम खटपट, मिल-जुलकर रहें इसलिए हाईटेंशन टावर पर चढ़ा युवक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंवरी(धमतरी)

भखारा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम भेंडरा में पिछले दो दिनों से चल रहा जानलेवा हाई-वोल्टेज ड्रामा आखिरकार खत्म हो गया है। हाईटेंशन टावर की 50 फीट ऊंची चोटी पर चढ़े 32 वर्षीय किसान यादराम साहू को पुलिस और प्रशासन ने भारी मशक्कत के बाद सुरक्षित नीचे ▶▶|शेष पेज 6 पर

वीडियो न बनाने की शर्त पर आया नीचे, 48 घंटे का हाई-वोल्टेज ड्रामा खत्म

### प्रेमिका से शादी की जिद में टावर पर चढ़ा

हाथरस। हाथरस जिले के सिकंदराराऊ कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में एक युवक कथित तौर पर 'प्रेमिका से शादी की मांग' को लेकर मोबाइल टावर पर चढ़ गया। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद पुलिस और परिजनों के समझाने पर वह नीचे उतर आया। जिले में एक माह में इस तरह की यह दूसरी घटना है।

## ढाई एकड़ वालों को एकमुश्त, पांच एकड़ वालों को दो किस्तों में सप्लाई

# किस्तों में मिलेगा यूरिया और डीएपी नैनो डीएपी और एनपीके पर फोकस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ सरकार ने खरीफ सीजन 2025-26 के लिए उर्वरक वितरण प्रणाली में एक बड़ा बदलाव लागू किया है। कृषि विभाग द्वारा जारी एक नए फॉर्मूले के अनुसार किसानों को सीमित मात्रा में खाद उपलब्ध कराई जाएगी। विकल्प के तौर पर जैविक खाद का प्रयोग करने की सलाह दी गई है। नई गाइड लाइन में कहा गया है कि यूरिया 80 प्रतिशत, डीएपी 60 प्रतिशत दिया जाएगा। शेष नैनो डीएपी और वैकल्पिक एनपीके उर्वरक इस्तेमाल किए जाएंगे। कृषि विभाग ने सहकारी क्षेत्र में उर्वरक वितरण को लेकर नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। रासायनिक उर्वरकों के संतुलित उपयोग और नैनो उर्वरकों को वैकल्पिक रूप से बढ़ावा देने पर जोर दिया ▶▶|शेष पेज 6 पर

### 'एक एकड़ में एक बोरी' फॉर्मूला का विरोध

किसान यूनियन ने प्रति एकड़ एक बोरी यूरिया और एक बोरी डीएपी देने की नीति का विरोध किया है। यूनियन का कहना है कि पिछले साल समय पर खाद नहीं मिलने से धान उत्पादन करीब 20 फीसदी तक प्रभावित हुआ था। यदि इस बार भी सीमित मात्रा में खाद दी गई, तो उत्पादन में और गिरावट आ सकती है।

AMITY UNIVERSITY CHHATTISGARH

B.Arch
Approved by CoA
AND
• Bachelor of Interior Design
Lateral Entry & PhD progs also offered

| Scholarships | 100% | 50% | 25% |
|---|---|---|---|
| UG Programmes | | | |
| 12th (agg.) | 93% | 88% | 70% |
| PG Programmes (Non-MBA) | | | |
| 12th (agg.) | 93% | 88% | - |
| Graduation (agg.) | 80% | 75% | - |

Above scholarships offered across all disciplines
To apply visit:
amity.edu/raipur
by: 29th May 2026
7303-396-666

Futuristic Design Pathways
• Hi-end design & materials lab and software platforms like GIS Tools, GeoMedia & GeoMedia Professional, BIM-Autodesk Revit, Civil 3D, AutoCAD, Map 3D, SketchUp Pro, ArcGIS, V-Ray, Lumion...
• Hands-on learning with 3D printing, model making & digital fabrication
• On-campus placements in top architecture designing firms and builders like L & T, Kapadia and Associate, Acelab, Stonex, Essentia Environments, CP Kukreja Architects, Space Matrix, Handyman & Associates, Rohit Mudaliar Architects...
• Ranked #1 in Chhattisgarh (Pvt) '26 by QS Southern Asia
• Ranked amongst top 2 in Chhattisgarh (Pvt & Deemed) '25- India's Best Universities by The Week-Hansa
• Optional Study Abroad Program in New York, Singapore, London or Dubai to study international design ethos and globally benchmarked sustainability standards, amongst other academic contours

Amity University Chhattisgarh, Manth (Kharora), Raipur | E: admissions@rpr.amity.edu

# जीवन की दिशा बदल देगा जापानी मेनीफेस्टेशन

जापानी संस्कृति अपनी विशिष्ट जीवनशैली और अनूठे दर्शन के लिए पूरी दुनिया में जानी जाती है। यहां पर मेनीफेस्टेशन को केवल इच्छा पूर्ति का साधन ही नहीं, बल्कि अनुशासन, कृतज्ञता और ब्रह्मांड के साथ तालमेल बिठाने की एक कला भी माना जाता है। इसमें कई ऐसी कारगर तकनीकें अपनाई जाती हैं, जो आपके जीवन को पूरी तरह सकारात्मक दिशा में मोड़ देती हैं। इनमें से कुछ तकनीकों के बारे में जानिए।

कवर स्टोरी
शिखर चंद जैन

एक मशहूर जापानी कहावत है- 'सात बार गिरो, आठ बार उठो।' इससे ही साबित होता है कि जापानी संस्कृति और जीवनशैली में कितनी सकारात्मकता शामिल है। जापानी जीवनशैली और दर्शन में जीवन की धारा बदलने के लिए मेनीफेस्टेशन के नायाब और बेहतरीन तरीके मौजूद हैं। जापानी मेनीफेस्टेशन को इच्छा पूर्ति का साधन मात्र नहीं माना जाता है। यह जीवन में संतुलन बनाने और तालमेल बिठाने की एक कला सिखाता है। जापानी मेनीफेस्टेशन तकनीकें हमें सिखाती हैं कि सपने देखना केवल पहला कदम है। उन सपनों को अनुशासन, कृतज्ञता और धैर्य के साथ सींचना ही असली कला है। कह सकते हैं कि मेनीफेस्टेशन का असली जादू, हार न मानने वाले जज्बे में छिपा होता है।

## क्या है जापानी मेनीफेस्टेशन

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में हर व्यक्ति अपने सपनों को साकार करना चाहता है। उसके लिए हर संभव प्रयास करता है। पश्चिमी देशों में 'लॉ ऑफ अट्रैक्शन' की चर्चा जोरों पर है। लेकिन इसके विपरीत पूर्व में, विशेषकर जापान में, इच्छा पूर्ति के लिए सदियों पुराने ऐसे तरीके मौजूद हैं, जो न केवल प्रभावी हैं बल्कि व्यक्ति के चरित्र निर्माण में भी मदद करते हैं। जापानी मेनीफेस्टेशन तकनीकें केवल सोचने पर नहीं, बल्कि हमारे प्रयास करने और सपने साकार होने के गहरे संतुलन पर आधारित होती हैं। यहां जापानी मेनीफेस्टेशन से जुड़ी कुछ पद्धतियों के बारे में बता रहे हैं।

## योशुकु करें सफलता का पूर्वाभास

यह एक प्राचीन जापानी तकनीक है, जिसे प्री सेलिब्रेशन के रूप में जाना जाता है। इसका मूल सिद्धांत यह है कि आप अपनी सफलता की खुशी पहले ही मना लें, ताकि उसे हकीकत में बदला जा सके। जापानी संस्कृति में यह माना जाता है कि 'भविष्य को वर्तमान में जीना' सफलता को आकर्षित करता है। यह उस भावना को पूरी तरह महसूस करने के बारे में है, जो आपको लक्ष्य प्राप्त करने के बाद होगी। इसमें कहा जाता है कि सबसे पहले स्पष्ट करें कि आप क्या हासिल करना चाहते हैं? इसके बाद इमेजिन करें कि वह सफलता आपको प्राप्त हो चुकी है। इसे रियल फील करने के लिए अपने दोस्तों या परिवार के सदस्यों और रिश्तेदारों के साथ एक छोटी-सी पार्टी करें, दूसरों की 'बधाई' स्वीकार करें। आंखें बंद करें और इमेजिन करें कि आप क्या पहन रहे हैं, कौन आपके पास है और आप कैसा महसूस कर रहे हैं? फिर ब्रह्मांड को 'धन्यवाद' कहें जैसे कि काम पहले ही पूरा हो चुका है। या फिर अपनी डायरी में आज की तारीख डालें और लिखें, 'आज मैंने अपना लक्ष्य प्राप्त कर लिया और मुझे बहुत खुशी हो रही है।' योशुकु दिमाग की प्रोग्रामिंग को प्रभावित करता है। यह आपके अवचेतन मन को सफलता के लिए ट्यून करता है। जब आप पहले ही 'जीत' महसूस करते हैं, तो असफलता का डर खत्म हो जाता है।

## अरिगातो व्यक्त करते रहें कृतज्ञता

जापानी संस्कृति में 'कृतज्ञता' को सबसे बड़ी ऊर्जा माना गया है। 'अरिगातो' यानी धन्यवाद शब्द में जापानी लोग जादू मानते हैं। इस दर्शन के तहत मेनीफेस्टेशन की खास एक तकनीक है-'पैसों को धन्यवाद देना'। जब आप पैसे खर्च करते हैं, तो मन ही मन उसे 'अरिगातो' कहें ताकि वह समाज में खुशी फैलाए। जब पैसे आएं, तब भी 'अरिगातो' कहें। यह सकारात्मक ऊर्जा का एक चक्र बनाता है, जो प्रचुरता को आकर्षित करता है। आप स्वयं को संपन्न मानकर ज्यादा आत्मविश्वास के साथ काम करते हैं।

## दारुमा गुड़िया संकल्प की दिलाए याद

**दारुमा गुड़िया** जापान की सबसे प्रसिद्ध मेनीफेस्टेशन तकनीकों में से एक है। यह लाल रंग की गोल गुड़िया होती है, जिसकी आंखें खाली यानी सफेद होती हैं। जब आप कोई बड़ा लक्ष्य निर्धारित करते हैं, तो दारुमा की बाईं आंख को काले रंग से भरते हुए अपनी इच्छा दोहराएं। अब इस गुड़िया को घर के किसी ऐसे कोने में रखें, जहां आपकी नजर बार-बार पड़े। जब वह लक्ष्य पूरा हो जाए, तब इसकी दूसरी (दाईं) आंख को काले रंग से भरें। यह तकनीक हमें लगातार हमारे संकल्प की याद दिलाती रहती है।

## कइजन हर दिन सीखें नई तकनीक

मेनीफेस्टेशन केवल कल्पना करना नहीं होता है। कइजन तकनीक कहती है कि हर दिन केवल 1 प्रतिशत सुधार करें। अगर आप अमीर बनना चाहते हैं, तो हर दिन धन प्रबंधन के बारे में एक छोटी-सी ही सही कोई उपयोगी बात या तरीका सीखें। यह निरंतरता आपके अवचेतन मन को विश्वास दिलाती है कि आप बदल रहे हैं, और यही विश्वास हकीकत को बदल देता है।

कहने का सार है कि जापानी जीवनशैली और संस्कृति, मेनीफेस्टेशन के जरिए जीवन की धारा सकारात्मक दिशा में मोड़ने के लिए प्रेरित करती है। *

## एमा ब्रह्मांड को अपनी इच्छा सौंपने की तकनीक

**एमा एक** तरह की प्रार्थना पट्टिकाएं होती हैं। जापानी मंदिरों (शिंतो मंदिरों) में लकड़ी की पट्टिकाएं लगी होती हैं, जिन्हें एमा कहा जाता है। लोग इन पर अपनी इच्छाएं लिखकर मंदिर में टांग देते हैं। यह आत्मसमर्पण की प्रक्रिया है। अपनी इच्छा को लिखकर ब्रह्मांड (या ईश्वर) को सौंप देना तनाव को खत्म करता है और आत्मविश्वास बढ़ाता है। जिससे मेनीफेस्टेशन की गति बढ़ जाती है।

---

इस बात में कोई दो राय नहीं है कि हमारी वर्तमान पहचान, हमारे अतीत पर टिकी होती है। यह इस बात पर निर्भर करती है कि हम अपनी स्मृतियों से कितना जुड़े हैं, उसे कितना मान देते हैं। आज तकनीक हमें अपने अतीत, रिश्तों और संवेदनाओं से निरंतर दूर कर रही है। ऐसे में स्मृतियों को संजोने का संकट खड़ा हो गया है।

# स्मृतियां ही संजोती हैं यादें-रिश्ते-विरासत

जीवनशैली / लोकमित्र गौतम

आज की तेज रफ्तार जिंदगी में जहां लोग भविष्य की दौड़ में लगातार आगे बढ़ रहे हैं, वहीं पीछे छूटती स्मृतियां हमें बार-बार यह याद दिलाती हैं कि बिना जड़ों के कोई भी वृक्ष लंबे समय तक हरा-भरा नहीं रह सकता। बचपन की शरारतें, बुजुर्गों की सीखें, संघर्षों की कहानियां, देश के इतिहास की गौरव गाथाएं और अपनों के साथ बिताए छोटे-छोटे पल, ये वो धरोहरें हैं, जो इंसान को अंदर से संपन्न बनाती हैं। वास्तव में स्मृतियां ही हर सभ्य समाज की सांस्कृतिक और भावनात्मक पूंजी होती हैं। जिस समाज की अपनी स्मृतियां जीवित रहती हैं, उसकी संवेदनाएं भी जीवित रहती हैं।

**तस्वीरों से नहीं रहा भावनात्मक जुड़ाव:** आज का डिजिटल युग स्मृतियों को एक अजीब से मोड़ पर ले आया है। हमारे हाथ में मौजूद मोबाइल फोन में एक ही समय पर लाखों तस्वीरें मौजूद होती हैं। जबकि पिछली सदी के श्याम-श्वेत जमाने में लोग कुछ फोटोज को हमेशा अपने सीने से लगाए रहते, उससे जुड़ी यादों के सहारे कभी हंस तो कभी रो लिया करते थे। एक दौर था, जब हमारे पास कई सारी तस्वीरें होना बहुत बड़ी खुशी देने वाली बात होती थी। लेकिन अब ऐसा नहीं है। अब शायद ही कोई व्यक्ति हो, जिसके मोबाइल में अपनी और अपनों की बेशुमार तस्वीरें न हों। लेकिन शायद ही उन तस्वीरों से कोई भावनात्मक जुड़ाव महसूस होता हो, जैसे पहले होता था। तस्वीरों को लेकर स्मृतियों का गायब होना या तस्वीरों को लेकर हमारे दिलोदिमाग में कोई खास पल, कोई खास मौका याद न आना, इस बात का सबूत है कि अब तस्वीरें हमारे जेहन में अपनी वैसी जगह नहीं बनातीं, जैसे पहले बनाया करती थीं।

**स्मृतियां बनाती हैं संवेदनशील:** स्मृतियां व्यक्ति को एक संवेदनशील नागरिक बनाने में भी महत्ती भूमिका निभाती हैं। बचपन के दिन, गांव की गलियां, मां के साथ जुड़ी अनगिनत स्मृतियां, दादा-दादी की कहानियां, शिक्षकों की सीखें और ऐतिहासिक घटनाओं के एहसास से बनी स्मृतियां वाकई यही सब चीजें होती हैं, जो हमें एक बेहद संवेदनशील मनुष्य बनाती हैं। जब कोई व्यक्ति अपनी स्मृतियों से कट जाता है, तो वह अपने मूल से अपने जीवन के सबसे गहन हिस्से से कट जाता है। इसलिए राष्ट्रीय स्मृति दिवस हमें अपनी जड़ों से और अपने मूल से जुड़ने की प्रेरणा देता है।

**स्मृतियों की सांस्कृतिक महत्ता:** जब हम अपनी उपलब्धियों और संघर्षों को याद करते हैं, तब हम केवल इतिहास से नहीं गुजर रहे होते हैं, बल्कि अपने वर्तमान को भी मजबूत बना रहे होते हैं। हमारे अपने देश भारत में तो स्मृतियों का और भी गहरा महत्व है, क्योंकि हमारी समृद्ध विरासत लिखित होने से ज्यादा मौखिक है। लोककथाएं, लोकगीत, रामायण, महाभारत की कथाएं, गांवों और खेड़ों की दास्तानें, हमारे यहां पीढ़ी दर पीढ़ी ये स्मृतियां अगली पीढ़ियों को मिलती रहती हैं। यही कारण है कि भारतीय समाज में स्मरण को आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व तक दिया गया है।

**प्रदान करती हैं भावनात्मक शक्ति:** आज के समय में स्मृतियों का एक और महत्व है, क्योंकि आज हम उन्हें मानसिक स्वास्थ्य की दृष्टि से भी देखते हैं। सकारात्मक यादें, हर इंसान को भावनात्मक शक्ति देती हैं। परिवार के साथ बिताए गए मधुर क्षण, मित्रों की संगति या किसी प्रेरणादायक घटना की स्मृति, हमारे कठिन समय का सहारा होती है, क्योंकि उसमें सामाजिक जुड़ाव और भावनात्मक संतुलन की मजबूती होती है। हालांकि हमें यह भी नहीं भूलना चाहिए कि स्मृतियों का संबंध केवल सुखद अनुभव और यादों से ही नहीं होता है। इतिहास की त्रासदियां भी इंसान के सामूहिक स्मृति का हिस्सा होती हैं। युद्ध, महामारी, विभाजन या प्राकृतिक आपदाएं, मुनष्य को न केवल गहरे तक झकझोरती हैं बल्कि लंबे समय के लिए एक टीस हो जाती हैं। फिर इन्हें याद रखना इसलिए जरूरी होता है ताकि हम भविष्य में ऐसी गलतियों को न दोहराएं।

**इसलिए जरूरी है अपनी स्मृतियों से जुड़ाव:** अपनी स्मृतियों से जुड़ाव बनाए रखना इस दृष्टि से नई पीढ़ी के लिए विशेष रूप से प्रभावी है, क्योंकि बच्चों और युवाओं में अपने परिवार और समाज के प्रति जो संवेदनशीलता और सामाजिक जुड़ाव का भाव आता है, वह इन स्मृतियों का ही नतीजा होता है। दादा-दादी की जीवन यात्राएं, पुराने संघर्षों की कहानियां और पारिवारिक परंपराएं, युवा पीढ़ी को जीवन के गहरे अर्थ समझाने में मदद करती हैं। लेकिन राष्ट्रीय स्मृति दिवस हमें यह भी सिखाता है कि आधुनिकता और परंपरा के बीच संतुलन बनाना भी बहुत जरूरी है। तकनीक का इस्तेमाल स्मृतियों को सहेजने के लिए तो किया जा सकता है, लेकिन अगर इसी तकनीक की चकाचौंध के गुलाम बने रहे, तो स्मृतियों को बनने का मौका नहीं मिलता।

**तकनीक का हो संतुलित इस्तेमाल:** आज की युवा पीढ़ी की सबसे बड़ी समस्या यह है कि वह अपने दिन का बहुत बड़ा समय, अपने मोबाइल फोन के साथ अकेले में गुजारते हैं। स्मृतियों पर यह बहुत बड़ा हमला है। जब हम अपने दिन का ज्यादातर खाली समय मोबाइल फोन को दे देंगे, तो भला हमारी याद रह जाने वाली स्मृतियां कब बनेंगी, किससे बनेंगी? इसलिए स्मृतियों के संबंध में तकनीक का अंधाधुंध इस्तेमाल थोड़ा फायदा लेकिन बहुत ज्यादा नुकसान भी देता है। क्योंकि भावनाओं का स्थान कभी तकनीक नहीं ले सकती। इसलिए हमें ध्यान रखना चाहिए कि तकनीक हमारे जीवन में इतनी अधिक हावी न हो जाए कि जो हमसे हमारी स्मृतियों को ही दूर करने लगे। *

---

दोहे / डॉ. शरद नारायण खरे

## दिन बरसाता आग

सूरज आतिश बन गया, तपे नगर सब गांव।
जीवों में अकुलाहटें, ढूंढ़ रहे सब छांव।।
लू चलती है गति लिए, बिलख रहा इंसान।
सब नदियों से छिन गई, अब बस सारी आन।।
चाबुक सड़कों पर चले, आतंकित हर एक।
दिनकर के तो आजकल, नहीं इरादे नेक।।
कूलर, पंखे हंस रहे, शीतलता का मान।
मटके ने इस पल 'शरद', पाया नवल विहान।।
किरणें ना किरणें लगें, बरस रही है आग।
बचना तुम चाहो अगर, तो लो बचकर भाग।।
कंबल अब बेकार हैं, बिरथा ऊनी वस्त्र।
किरणें हमले कर रहीं, बनकर नित ही शस्त्र।।
नीर सरीखा बह रहा, तन से बेहद स्वेद।
इस मौसम में हो रहा, हर इक जन को खेद।।
बिजली लगती है सुखद, जिससे झरती शीत।
हम तुम, सब ही कष्ट में, सुन लो मेरे मीत।।
सुबह हमें लगती भली, दिन बरसाता आग।
फिर जी-भर फुंफकारता, आतप का तो नाग।।
नीर गिरे आकाश से, देखे मानव राह।
पर अब इस पल जग रही, हर दिल से ही आह।।

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

## सामाजिक बदलाव की कहानियां

वरिष्ठ कथाकार कैलाश बनवासी का आठवां कथा संग्रह 'हवा बहुत तेज है' हाल में प्रकाशित होकर आया है। इसमें संकलित ग्यारह कहानियों में मध्य वर्गीय जीवनशैली के विभिन्न स्तरों में हाल के वर्षों में हुए बाहरी ही नहीं आंतरिक बदलावों की भी सूक्ष्म पड़ताल की गई है। शीर्षक कहानी 'हवा बहुत तेज है' के मुख्य पात्र जगन्नाथ बाबू अपने आस-पास के बदलावों, सामाजिक बहुरूपिएपन, नई पीढ़ी की सोच के बीच विस्मित नजर आते हैं तो अभूतपूर्व छल के समय में सामान्य सी ईमानदारी भी कितनी असामान्य लगती है, इसे 'एक पुराना आदमी' कहानी में प्रकट किया गया है। बाजारवाद के प्रभाव को 'दाग अच्छे हैं' कहानी में व्यक्त किया गया है। संग्रह की सभी कहानियां ठहरकर विचार करने को बाध्य करती हैं। *

**पुस्तक:** हवा बहुत तेज है (कहानी संग्रह), **लेखक:** कैलाश बनवासी,
**मूल्य:** 299 रुपए, **प्रकाशक:** राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

---

व्यंग्य / डॉ. मुकेश असीमित

## सड़क का दर्शनशास्त्र

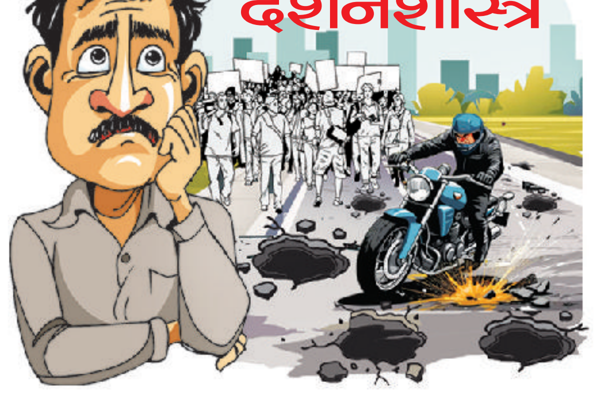

सड़क का भी एक दर्शन होता है, खासकर उस सड़क का, जो खुद सड़कछाप हो। वह सड़क जो कहीं टिककर नहीं रहती, हर मोहल्ले, हर मोड़, हर चुनावी वादे में आवारगी करती मिल जाती है। आजकल ऐसी सड़कें खूब चलन में हैं। चलन में इसलिए कि चलने लायक कम और दिखने लायक ज्यादा होती हैं।

सड़क साम्यवाद का जीवंत, धूल-धूसरित उदाहरण है। यहां गधे और घोड़े एक ही ताल में चलते हैं। कभी-कभी तो पहचान ही गड़बड़ा जाती है कि कौन-सा किस श्रेणी में है। पशु, पक्षी, मानव सबको सड़क समान भाव से अपनाती है। सड़क सबकी मां है। अब अगर मां की गोद में बैठकर कोई पूछे कि गधे-घोड़े का फर्क क्यों नहीं दिख रहा, तो इसमें मां का क्या दोष! सड़क तो बस बनी है आओ, चलो, दौड़ो, गिरो, रौंदो, जो लिखा लाए हो, वही होगा। आप सड़क पर हैं या सड़क पर लाए गए हैं, यह नियति का मामला है, सड़क का नहीं।

सड़क और संसद का रिश्ता भी बड़ा दार्शनिक है। आदमी कब सड़क से संसद पहुंच जाए और कब संसद से सड़क पर लौट आए, कहा नहीं जा सकता। जनता सड़क के रास्ते ही नेताओं को संसद का पता देती है और उसी रास्ते से वापसी का न्योता भी। इसलिए सड़क है तो संभावनाएं हैं धरने की, हड़ताल की, रैली की, जाम की और कभी-कभी नंगे नाच की भी। सड़क लोकतंत्र की खुली प्रयोगशाला है।

सड़क है तो गड्ढे हैं। गड्ढे हैं तो मरम्मत है। मरम्मत है तो बजट है। बजट है तो फाइलें हैं। फाइलें हैं तो अफसर का चूल्हा जलता है। सड़क सरकार का बहुउद्देशीय औजार है। शौचालय, पेशाबघर और कचरा निस्तारण की कई योजनाओं से बचा लेती है। लोग सड़क पर ही अभ्यास कर लेते हैं, और सड़क 'राइट एट योर डोरस्टेप' कचरा सेवा दे देती है बिना टेंडर, बिना उद्घाटन।

कोरोना के दिनों में जब सड़कें सूनी हुईं, तो उन्हें भी बुरा लगा। पर जल्दी ही फैक्ट्री मालिकों ने मजदूरों को निकाला और सड़कें फिर गुलजार हो गईं। मजदूरों के रेलों ने सड़कों को धन्य कर दिया, मां की गोद फिर भर गई।

सड़कें हैं तो एक्सीडेंट हैं। ट्रैफिक पुलिस का डंडा अभियान निरंतर है। चालान से जेबें भी फुल टॉस फूल रही हैं। सड़कें हैं तो फुटपाथ हैं, और फुटपाथ हैं तो उन पर सोते लोग। वरना नशे में धुत्त रईसों को कुचलने के लिए लोग मिलेंगे कहां? सड़कें ही तो हैं जो रील और सेल्फी प्रेमियों की कर्मभूमि हैं, जहां जोखिम जितना बड़ा, व्यू उतने ज्यादा।

सड़कें हैं तो सड़कछाप गुंडे भी हैं। राजनीति की प्रारंभिक पाठशाला यही है। रेहड़ियों से शुरू हुई हफ्तावसूली आगे चलकर बड़े घोटालों का पाठ्यक्रम बनती है। सड़क कैडर तैयार करती है, छुटभैये से गैंगस्टर तक।

आजकल सड़कों पर ध्यान कम है। ध्यान दें भी तो कैसे, सड़कें बड़ी बेवफा हैं। बनाई नहीं कि उखड़ने को तैयार। इतना भी सब्र नहीं कि एक चुनावी कार्यकाल पूरा हो जाए। मरम्मत का बजट पास होते-होते नेता बदल जाता है और क्रेडिट कोई और ले जाता है। समाधान सरल है हर नेता अपने नाम की सड़क बनवाए। चुनाव हार जाए तो सड़क उठाकर घर ले जाए।

सड़कें मां जैसी ही होती हैं। पान की पीक, कचरा, मल-मूत्र सब समेट लेती हैं, बिना शिकायत। अब प्रश्न उठता है मां तो सड़क है, बाप कौन? जब भी सड़क पर वाहन चालकों के बीच बहस या हाथापाई की नौबत आती है तो पहला सवाल यही पूछा जाता है, 'सड़क तेरे बाप की है क्या?' पर बाप का पता आज तक नहीं चला। मिलते ही इसकी सूचना दी जाएगी।

कभी-कभी सड़कें उधड़ती हैं ताकि शहर को ग्रामीण जीवन की झलक मिल सके कंक्रीट, धूल, मिट्टी, जमीन से जुड़े रहने का प्रशिक्षण। चिकनी सड़क पर खेलेंगे तो बच्चों की इम्युनिटी कैसे बनेगी?

सड़कें पतित-पावनी भी हैं, मोक्षदायिनी भी। प्राचीन योगियों की परंपरा आज सड़कें निभा रही हैं। कहीं दुर्गम, कहीं अदृश्य, कहीं कीचड़, कहीं खाई। हैं भी, नहीं भी-ब्रह्मस्वरूप। फाइलों में हैं, वादों में हैं, पर चलने में अकसर नहीं। न शुरुआत दिखती है, न अंत। कोई पूछे, 'यह सड़क कहां जाती है?' भाग्यशाली हैं वे जिनकी जाती है। यहां तो सालों से देख रहे हैं नजर ही नहीं आती।

सड़कें वही हैं जहां चाहो मोड़ लो, बिना शिकायत। और अगर सरकारी बजट की हों, तो नेता जी उन्हें अपने बंगले तक भी ले जा सकते हैं। सड़कछाप सड़क बस महसूस करने की चीज है। मानने की, जानने की नहीं। *

---

लघुकथा / डॉ. यशोधरा भटनागर

## गूंज

दरवाजा खुलते ही रात का अंधियारा मंगलू के साथ घर में घुस आया था। कच्चे-पक्के घर में चूल्हे के गहरे स्लेटी धुएं में लालटेन की रोशनी अपना प्रकाश फैलाने के लिए जूझ रही थी।

'छुटका.. ऐ छुटका! ऐ कमली..! कितै को मर गए रे सब कै सब?' लड़खड़ाते कदमों से घर में घुसते हुए मंगलू चीखते हुए बोला।

एक तीखी गंध पूरे घर में पसर गई।

आठ बरस का दीपू कमरे की कच्ची दीवार से चिपका सहमा हुआ उसे देख रहा था।

मंगलू ने जेब से आधी भरी बोतल निकाली और जोर से चिल्लाया, 'का देख रया है बे! दौड़ कै एक गिल्लास लाओ हमाए लाने।'

कुछ पल बाद दीपू स्टील का गिलास मंगलू के हाथ में थमाते हुए बोला, 'बापू, आज स्कूल में टीचर ने पूछो हतो कि हम बड़े होकर का बनेंहैं?'

मंगलू ने उसको चपतियाते हुए पूछा, 'तुमने का कहौ फिर?' दीपू थोड़ी देर चुप खड़ा रहा फिर अपनी पूरी हिम्मत बटोर कर बोला, 'बापू हमने कह दओ कि हम बड़े होकर तुमाओ जैसा नहीं बनहैं।'

'टन्न...!'

टन्न की यह जोरों की गूंज, घर की कच्ची दीवारों में समा गई।

दरअसल, मंगलू ने गिलास सामने रखे खाली कनस्तर पर दे मारा था।

मंगलू ने गुस्से से दीपू की ओर देखा, बेटे की आंखें आईने की तरह साफ थीं। इन आंखों में उसे खुद का विकृत चेहरा साफ नजर आ रहा था। *

# तीन लाख में एक को होने वाली हृदय की दुर्लभ बीमारी, पीड़ित 10 माह के बच्चे की सफल सर्जरी

## हृदय की जन्मजात बीमारी से पीड़ित था मासूम, दूध पीने के दौरान थक जाता था

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

तीन लाख में एक को होने वाली हृदय की दुर्लभ बीमारी से पीड़ित 10 माह के बच्चे की सफल सर्जरी कर एम्स के डाक्टरों ने जान बचा ली। जन्म के साथ हृदय संबंधी समस्या से पीड़ित यह बच्चा बेहद कमजोर था और मां का दूध पीने के दौरान थक जाता था। अत्यधिक शल्य जोखिम के कारण कई चिकित्सा केन्द्रों में उपचार से मना कर दिया गया था।

एम्स के चिकित्सकों ने बताया कि राजधानी में रहने वाले माता-पिता अपने मासूम बच्चे को लेकर ओपीडी में आए थे। चिकित्सकों की पूछताछ में बताया गया कि मासूम को हृदय संबंधी गंभीर बीमारी है। शहर के कई बड़े अस्पताल ने बच्चे के ऑपरेशन में जोखिम को देखते हुए इलाज से इनकार कर दिया था। यहां के डाक्टरों ने उसकी जांच की, तो पता चला कि उसे एनॉमलस लेफ्ट कोरोनरी आर्टरी फ्रॉम द पल्मोनरी आर्टरी नामक दुर्लभ बीमारी है।

इस बीमारी के इलाज के लिए सर्जरी आवश्यक थी। इसके लिए कार्डियोथोरेसिक एवं वैस्कुलर सर्जरी, कार्डियोलॉजी, कार्डियक एनेस्थीसिया, रेडियोलॉजी तथा पीडियाट्रिक्स विभागों के विशेषज्ञों की बहुविषयक टीम बनाकर सर्जरी की गई। चिकित्सकों के अनुसार बच्चे की हृदय कार्यक्षमता अत्यंत गंभीर रूप से प्रभावित थी, जिसकी वजह से ऑपरेशन के दौरान जोखिम काफी अधिक था। जटिल पेरीऑपरेटिव एवं एनेस्थीसिया प्रबंधन का नेतृत्व डा. सुब्रता सिंह और उनकी टीम ने किया। ऑपरेशन के बाद के पहले 24 घंटे अत्यंत महत्वपूर्ण रहे, जिनमें गहन बहुविषयक निगरानी एवं उपचार की आवश्यकता पड़ी।

### जटिल विकृतियों में से एक

एम्स के कार्डियोलॉजिस्ट डा. नायक के अनुसार एएलसीएपीए जन्मजात हृदय रोगों में सबसे दुर्लभ और जटिल विकृतियों में से एक है। विश्वभर में केवल कुछ विशेषीकृत केन्द्र ही ऐसे गंभीर रूप से बीमार शिशुओं का उपचार करने में सक्षम हैं। इस बीमारी के दौरान हृदय को पर्याप्त मात्रा ऑक्सीजन नहीं मिल पाती। इससे सांस लेने में कठिनाई, दूध पीते समय जल्दी थक जाना अथवा पसीना आना, कमजोरी जैसी समस्या होती है। इस बीमारी का समय पर पता न चले तो यह जानलेवा हो सकती है।

### 9 दिन बाद अस्पताल से छुट्टी

चिकित्सकों के अनुसार सफल शल्य चिकित्सा के बाद शिशु में उल्लेखनीय सुधार देखा गया। ऑपरेशन के दूसरे दिन उसे वेंटिलेटर से हटाया गया तथा नौवें पोस्ट-ऑपरेटिव दिन स्थिर स्थिति में अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। इस ऑपरेशन को एम्स निदेशक अशोक जिंदल ने मील का पत्थर बताया। उन्होंने कहा कि यह सर्जरी संस्थान की उन्नत बाल हृदय शल्य चिकित्सा एवं उच्च जोखिम वाले समग्र कार्डियक उपचार में बढ़ती विशेषज्ञता को दर्शाती है।

# आत्महत्या के मामले में छत्तीसगढ़ देश में टॉप फाइव में

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ में आत्महत्याओं का सिलसिला रुकने का नाम नहीं ले रहा है। आए दिन खुदकुशी की खबरें आ रही हैं। रोजाना खुद ही जान देने के मामले इतने बढ़े हैं कि छत्तीसगढ़ देश में आत्महत्या के मामलों में चौथे स्थान पर है यानी देश में टॉप फाइव के स्थान पर आ गया है। नेशनल क्राइम रिकार्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट 2023 के मुताबिक राज्य में 7,868 आत्महत्याएं दर्ज की गईं। आत्महत्या दर प्रति एक लाख आबादी पर 26 रही, जो राष्ट्रीय औसत 12.3 से दोगुने से भी अधिक है। एनसीआरबी के अनुसार आत्महत्या दर के मामले में छत्तीसगढ़ देश के राज्यों में चौथे स्थान पर रहा। इससे पहले सिक्किम, केरल और तेलंगाना जैसे राज्य हैं। आंकड़े बताते हैं कि 2022 में राज्य में 8,446 आत्महत्याएं दर्ज हुई थीं, जबकि 2023 में इसमें करीब 6.8 प्रतिशत की कमी आई।

**2022 में देश में तीसरे स्थान पर था छत्तीसगढ़-** एनसीआरबी की 2022 रिपोर्ट में छत्तीसगढ़ आत्महत्या दर के मामले में देश में तीसरे स्थान पर था। उस समय राज्य की आत्महत्या दर 28.2 दर्ज की गई थी, जबकि राष्ट्रीय औसत 12.4 था। 2022 में राज्य में कुल 8,446 लोगों ने आत्महत्या की थी, जो 2021 की तुलना में लगभग 7.9 प्रतिशत अधिक थी।

# 158 दिव्यांगों पर 5 करोड़ बकाया, किस्त पटाना बंद

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

दिव्यांगों को स्वरोजगार उपलब्ध कराने के लिए लाई गई दिव्यांगजन स्वावलंबन योजना का लाभ अब जरूरतमंदों को मिल नहीं पा रहा है। इसका कारण पूर्व में इस योजना के तहत जिन दिव्यांगजनों ने लोन लिया है, उनमें से लगभग 20 प्रतिशत हितग्राही लोन पटा पाए हैं, वहीं 80 प्रतिशत हितग्राहियों ने लोन की किस्त पटाना ही बंद कर दिया हैं, जिसके कारण रायपुर जिले में 158 हितग्राहियों पर 5 करोड़ रुपए से अधिक का लोन बकाया है। इस राशि की वसूली के लिए विभाग लगातार लोन लेने वाले हितग्राहियों को नोटिस जारी कर रहा है। इसके बाद भी कुछेक को छोड़कर अन्य हितग्राही बकाया लोन की किस्त का भुगतान नहीं कर रहे हैं, जिसके कारण अब जरूरतमंदों को भी लोन नहीं मिल पा रहा है। विभाग में ऐसे कई आवेदन डंप पड़े हुए हैं, जो लोन नहीं मिलने से स्वरोजगार भी स्थापित नहीं कर पा रहे हैं।

समाज कल्याण विभाग अंतर्गत संचालित दिव्यांगजन स्वावलंबन योजना के तहत दिव्यांजनों को स्वरोजगार उपलब्ध कराने के लिए अधिकतम 25 लाख रुपए तक लोन दिया जाता है। यह लोन काफी कम ब्याज दर पर उपलब्ध कराया जाता है, ताकि हितग्राहियों पर लोन और किस्त पटाने में आर्थिक रूप से ज्यादा बोझ न पड़े।प्रदेश में जब से यह योजना शुरू हुई है, तब से लेकर अब तक रायपुर जिले में इस योजना के तहत कुल 196 दिव्यांग हितग्राहियों को लोन दिया है। लोन की राशि अलग-अलग है, जो 50 हजार से लेकर 10 लाख के ऊपर है। लोन लेने के बाद शुरूआती महीनों में हितग्राहियों ने लोन की किस्त अदा करते रहे, लेकिन बाद में किस्त पटाना ही छोड़ दिए। इनमें कई हितग्राहियों ने कुल लोन का 25 प्रतिशत भी भुगतान नहीं किए हैं। हालांकि इनमें ज्यादातर हितग्राही कोविड कॉल से लोन की किस्त पटाना बंद कर दिए हैं।

### 5 करोड़ लोन बकाया

158 हितग्राहियों पर लगभग 5 करोड़ रुपए लोन बकाया है। नोटिस के बाद कई हितग्राहियों ने लोन पटाना शुरू किया है। रिकवरी के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। 49 हितग्राहियों के विरुद्ध आरआरसी भी जारी की है।

**- अरविंद गेडाम**
जिला अधिकारी, समाज कल्याण विभाग

### 49 प्रकरण में आरआरसी जारी

विभाग से मिले आकड़ों के अनुसार लोन नहीं पटाने वाले 158 हितग्राहियों में जिन पर लाखों रुपए लोन बकाया है। उनमें से 58 हितग्राहियों के विरुद्ध विभाग ने आरआरसी भी जारी किया है। इसके तहत विभाग ने संबंधित क्षेत्र के तहसील कार्यालय को पत्र लिखकर हितग्राहियों से लोन की रकम वसूली के लिए पत्र लिखा है। इसके तहत तहसील द्वारा अब इन बड़े लोन हितग्राहियों की संपत्ति कुर्क कर रिकवरी की जानी है, लेकिन अब तक यह कार्रवाई भी नहीं की गई है। इसके कारण लोन की रकम भी रिकवरी नहीं हो पाई है।

### रिकवरी नहीं होने से अब अधिकतम 50 हजार तक दी जा रही स्वीकृति

जिले में बकाया 5 करोड़ रुपए लोन की रकम रिकवरी नहीं होने के कारण अब समाज कल्याण विभाग ने स्वावलंबन योजना के तहत जरूरतमंद हितग्राहियों को दिए जाने वाले लोन में भारी कटौती कर दी है। सूत्रों के अनुसार अब अधिकतम 50 हजार रुपए तक ही लोन दिया जा रहा है। इससे अधिक लोन के लिए आवेदन लगाने वालों को या वापस लौटाया जा रहा हैं, या फिर उनके आवेदन डंप कर दिए जा रहे हैं। हालांकि विभाग के अधिकारी का कहना है कि अभी तक उनके पास लगभग 5-6 आवेदन ही आए हैं। इनमें भी 10 से 50 हजार रुपए तक लोन की मांग की गई है।

### अल्प बचत खाता खोलने विशेष अभियान

**जगदलपुर।** छत्तीसगढ़ डाक परिमण्डल के सभी डाकघरों में आगामी 25 और 26 मई को अल्प बचत खाता खोलने का एक विशेष अभियान चलाया जाएगा।

# आरटीई के तहत चयन के बाद भी 8 बच्चों को एडमिशन नहीं, कलेक्टर से शिकायत

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राजधानी रायपुर में आरटीई के तहत 8 बच्चों का चयन होने के बाद भी निजी स्कूल प्रबंधन द्वारा उन्हें प्रवेश देने से इनकार किया जा रहा है। यह मामला मुजगहन क्षेत्र में संचालित आरके सारडा विद्या आश्रम का है। जिला पंचायत रायपुर के उपाध्यक्ष संदीप यदु ने इस मामले में कलेक्टर गौरव सिंह से शिकायत करते हुए ज्ञापन भी सौंपा है।

### साढ़े पांच साल से कम उम्र बताकर प्रवेश देने से इनकार

आरटीई के तहत सारडा स्कूल में चालू शिक्षा सत्र में कक्षा पहली में 20 बच्चों का चयन लाटरी पद्धति से हुआ है। इनमें से 12 बच्चों को स्कूल में प्रवेश दे दिया गया है, लेकिन 8 बच्चों को प्रवेश देने से इनकार किया जा रहा है। इनकार की वजह बच्चों की कम आयु बताई जा रही है। इन सभी बच्चों की आयु साढ़े 5 साल के अंदर है, जबकि स्कूल के प्राचार्य का कहना है कि कम से कम बच्चे की उम्र साढ़े 5 साल होनी चाहिए। इधर कलेक्टर से की गई शिकायत के बाद इस मामले में अब आरटीई के नियम की जांच की जा रही है। इसके लिए क्षेत्र की नोडल अधिकारी ने जिला शिक्षा अधिकारी रायपुर को पत्र लिखकर इस मामले में मार्गदर्शन मांगा है।

JOIN THE INDIAN AIR FORCE

DISHA
INDIAN AIR FORCE

For Technical Branch aspirants: AE(L) & AE(M)

*An aspirant can join the Technical Branch of the Indian Air Force through any one of the following:*

ENTRY THROUGH AFCAT and/or GATE ENTRY SCHEME

NATIONALITY
Indian

GENDER
Men and Women

COMMISSION TYPE
Permanent Commission (PC) & Short Service Commission (SSC)

MARITAL STATUS
Unmarried

AGE LIMIT
20 to 26 years as on the date of commencement of training

AERONAUTICAL ENGINEER (ELECTRONICS) {AE(L)}

Candidates with Physics and Mathematics at 10+2 level and a minimum of four years graduation/integrated Post-Graduation qualification in Engineering/Technology from a recognised University OR cleared sections A and B examination of Associate Membership of Institution of Engineers (India) or Aeronautical Society of India or Graduate Membership Examination of the Institution of Electronics and Telecommunication Engineers by actual studies with disciplines including: Advanced Computer Application, Artificial Intelligence (AI) and Data Science, Artificial Intelligence and Machine Learning, Computer and Communication Engineering, Computer Science and Applied Mathematics, Computer Engineering, Computer Engineering (Software Engineering), Computer Engineering and Application, Computer Science and Design, Computer Networking, Computer Science and Engineering, Cyber Physical Systems, Computer Science, Computer Science and Engineering (Internet of Things and Cyber Security Including Block Chain Technology), Computer Science and Technology, Robotics and AI, Computer Science and Engineering (Internet of Things), Computer Science and Information Technology, Computer Science and Engg. (AI & Machine Learning), Computer Science and Engineering (Cyber Security), Computer Science and Systems Engineering, Computer Science and Engineering (Networks), Computer Science and Engineering (Data Science), Computer Science and Engineering (AI), Computer Technology, Electrical and Computer Engineering, Electronics and Computer Science, Electronics and Computer Engineering, Mathematics and Computing, Software Engineering, Information and Communication Technology, Information Engineering, Information Science and Engineering, Information Science and Technology, Information Technology, Information Technology and Engineering, Electrical and Electronics (Power System), Electrical and Electronics Engineering, Electrical Power Engineering, Electrical and Instrumentation Engineering, Electrical, Electronics and Power Engineering, Electrical and Mechanical Engineering, Electrical and Power Engineering, Electrical Engineering, Electrical Engineering (Electronics and Power), Electrical Engineering Industrial Control, Electrical Instrumentation and Control Engineering, Electrical, Electronics and Power, Electronics and Electrical Engineering, Electronics and Power Engineering, Electronic Engineering, Electronic Science and Engineering, Electronics, Electronics and Control Systems, Electronics Engineering (VLSI Design and Technology), Electronics Design Technology, Electronics Instrument and Control, Electronics Engineering, Electronics System Engineering, Electronics Technology, Optics and Optoelectronics, Power Electronics, Power Electronics Engineering, Radio Physics and Electronics, Advanced Communication and Information System, Advanced Electronics and Communication Engineering, Applied Electronics and Communications, Electronics and Communication (Communication System Engineering), Communication Engineering, Electronics and Communication Technology, Electronics and Communication Engineering, Electronics and Communication Engineering (Industry Integrated), Electronics and Tele-Communication Engineering, Electronics and Telecommunications Engineering, Electronics and Telecommunications Engineering, Electronics and Telecommunication, Electronics and Telecommunication Engineering, Electronics and Communication Engineering (Microwaves), Electronics Communication and Instrumentation Engineering, Electronics and Telematics Engineering, Telecommunication Engineering, Applied Electronics and Instrumentation Engineering, Automation and Robotics, Automation Engineering, Electronic Instrumentation and Control Engineering, Electronics and Instrumentation Engineering, Electronics Instrumentation and Control Engineering, Power Electronics and Instrumentation Engineering, Instrument Technology, Instrumentation, Instrumentation and Control Engineering, Instrumentation and Electronics, Instrumentation Engineering, Instrumentation Technology, Robotics and Automation.

AERONAUTICAL ENGINEER (MECHANICAL) {AE(M)}

Candidates with Physics and Mathematics at 10+2 level and a minimum of four years degree graduation/integrated Post-graduation qualification in Engineering/Technology from a recognised University or cleared sections A and B examination of Associate Membership of Institution of Engineers (India) or Aeronautical Society of India by actual studies from a recognised University with disciplines including: Aero Space Engineering, Airline Management, Aeronautical Engineering, Mechanical Engineering (Industry Integrated), Mechanical Engineering (Automobile), Mechanical Engineering (Welding Technology), Mechanical and Mechatronics Engineering, Mechanical Engineering (Manufacturing Engineering), Mechanical Engineering, Mechanical Engineering Design, Mechanical Engineering (Repair and Maintenance), Power Engineering, Industrial and Production Engineering, Machine Engineering, Manufacturing Engineering, Manufacturing Engineering and Automation, Manufacturing Engineering and Technology, Manufacturing Process and Automation Engineering, Industrial Production Engineering, Manufacturing Science and Engineering, Manufacturing Technology, Mechanical Engineering (Production), Precision Manufacturing, Production and Industrial Engineering, Production Engineering, Automobile Engineering, Automotive Technology, Mechanical Engineering Automobile, Industrial Engineering, Mechanical and Automation Engineering, Mechanical and Mechatronics Engineering (Additive Manufacturing), Mechanical and Smart Manufacturing, Mechatronics, Mechatronics Engineering, Material Science and Technology, Metallurgical and Materials Engineering, Metallurgy and Material Technology, Advanced Mechatronics and Industrial, Automation.

**For GATE Score Entry: Graduate in the above listed disciplines with a valid GATE score in specified disciplines only.**

| S No. | GATE SUBJECTS | |
|---|---|---|
| | AE (M) | AE (L) |
| 1 | Aerospace Engineering | Computer Science and Information Technology |
| 2 | Mechanical Engineering | Data Science and Artificial Intelligence |
| 3 | Production and Industrial Engineering | Electronics and Communication Engineering |
| 4 | Metallurgical Engineering | Electrical Engineering |
| 5 | Engineering Sciences *(Permitted only with optional subjects - Fluid Mechanics, Materials Science, Solid Mechanics, Thermodynamics and Energy Science)* | Instrumentation Engineering |

CBC 10801/13/0003/2627

ENTRY & BRANCHES
- **AFCAT Entry:** Flying/ Technical/ Weapon System/ Administration/ Logistics/ Accounts/ Education/ Meteorology
- **GATE Score Based Entry:** Technical (Valid GATE score is mandatory)
- **NCC Special Entry:** Flying (NCC Air Wing 'C' certificate is mandatory)

For **AFCAT Entry** registration and online exam are mandatory/ **NCC Special Entry** registration mandatory and no online exam/ **GATE Score Based Entry** for Technical Branch only and no online exam

**Aadhar Card** is mandatory for online registration

**Registrations** open from **20 May 2026 till 19 June 2026**

**For more details,** refer to Employment News dated **16 May 2026** and for detailed notification visit our website **careerairforce.gov.in** and **afcat.edcil.co.in**

FOR UPDATES, FOLLOW US ON

011-23013690 1800-112-448 careeriniaf@gmail.com
DISHA, Air Headquarters (Vayu Bhawan) Motilal Nehru Marg, New Delhi - 110106
www.careerairforce.gov.in

# प्रकट हुए बाबा बर्फानी, बना 7 फीट का शिवलिंग

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अमरनाथ में बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए हर साल लाखों श्रद्धालु पहुंचते हैं। अमरनाथ यात्रा शुरू होने से पहले शनिवार को बर्फ से बने शिवलिंग बाबा बर्फानी की पहली तस्वीर भी सामने आ गई है। मई 2026 के अंत में अमरनाथ गुफा में प्राकृतिक रूप से बर्फानी बाबा का दिव्य शिवलिंग लगभग 6–7 फीट की ऊंचाई के साथ पूर्ण आकार में प्रकट हो गया है। यात्रा शुरू होने से पहले ही सुरक्षाबलों और श्रद्धालुओं ने बाबा के दर्शन कर लिए हैं, जिससे भक्तों में जबरदस्त उत्साह है। श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड की ओर से जारी कार्यक्रम के अनुसार, अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से बालटाल-सोनमर्ग और पारंपरिक नुनवान-पहलगाम मार्ग से शुरू होगी। 57 दिन की यह यात्रा 28 अगस्त को रक्षा बंधन और सावन पूर्णिमा के दिन संपन्न होगी।

## अमरनाथ में जवानों ने किए पहले दर्शन, 3 जुलाई से शुरू होगी यात्रा

## 15 अप्रैल से शुरू हो चुके हैं एडवांस रजिस्ट्रेशन

### इस बार बाढ़ वाली जगह पर कैंप नहीं लगाए जाएंगे

इस साल सभी संवेदनशील हिस्सों और आपदा की आशंका वाले स्थानों को तीर्थयात्रियों के लिए 'नो-एंट्री जोन' घोषित किया गया है। बालटाल और नुनवान रास्तों के दोनों ट्रैक को चौड़ा किया गया है। पुलों को भी बेहतर बनाया गया है। बादल फटने और अचानक बाढ़ की घटनाओं को देखते हुए संवेदनशील जगहों पर कैंप नहीं लगाए जाएंगे।

### अमरनाथ यात्रा 2026 कब शुरू होगी?

इस पवित्र यात्रा के लिए एडवांस रजिस्ट्रेशन 15 अप्रैल से शुरू हो चुके हैं। श्रद्धालु अब यात्रा के लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरीकों से परमिट ले सकते हैं। इस साल अमरनाथ यात्रा के लिए अब तक 3.6 लाख से ज्यादा श्रद्धालु रजिस्ट्रेशन करा चुके हैं। यात्रा मार्ग पर कई जगह अब भी 10 से 12 फीट तक बर्फ जमी है। लेकिन सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) दोनों रास्तों पर तेजी से ट्रैक बहाल करने में जुटा है। अधिकारियों का दावा है कि 15 जून तक दोनों रास्ते पूरी तरह तैयार कर दिए जाएंगे।

## चारधाम यात्रा का एक महीना पूरा, 20 लाख श्रद्धालु पहुंचे

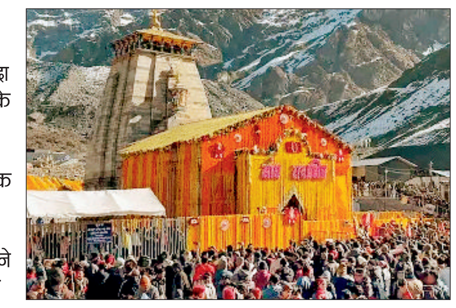

चारों धामों के कपाट खुलने को शनिवार को एक महीना पूरा हो चुका है। अब तक 20 लाख से ज्यादा श्रद्धालु चारों धामों के दर्शन कर चुके हैं। वहीं, यात्रा के लिए अब तक 40 लाख से अधिक लोग रजिस्ट्रेशन करा चुके हैं। 2025 के शुरुआती एक महीने में 28 लाख लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया था, जिसकी तुलना में इस बार रजिस्ट्रेशन कराने वालों की संख्या में लगभग 43% का उछाल आया है। उत्तराखंड पर्यटन विभाग के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, पिछले साल चारधाम यात्रा के पहले महीने में लगभग 17.17 लाख श्रद्धालु दर्शन के लिए आए थे। इसकी तुलना में इस बार अब तक लगभग 10.62% अधिक श्रद्धालु चारों धामों के दर्शन कर चुके हैं।

### 75 श्रद्धालुओं की हो चुकी है मौत

चारधाम यात्रा में बदलते मौसम और ऑक्सीजन की कमी के चलते यात्रा की शुरुआत (19 अप्रैल) से लेकर अब तक 75 श्रद्धालुओं की तबीयत बिगड़ने के कारण मौत हो चुकी है। इनमें सबसे ज्यादा 38 मौतें केदारनाथ धाम में दर्ज की गईं। इसके बाद बद्रीनाथ में 19, यमुनोत्री में 10 और गंगोत्री धाम में 8 तीर्थयात्रियों की जान गई है।

## राजस्व बोर्ड के आदेश पर 6 साल तक नहीं बांटा खेत तहसीलदार को फटकार

**बिलासपुर।** छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने राजस्व मंडल के आदेशों की अनदेखी करने और निचली अदालतों की निष्क्रियता पर बेहद कड़ा रुख अपनाया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि जब राज्य की सर्वोच्च राजस्व अदालत कोई आदेश जारी करती है, तो कनिष्ठ अधिकारियों का यह वैधानिक कर्तव्य है कि वे बिना किसी नए आवेदन का इंतजार किए उसका पालन करें। न्यायमूर्ति नरेंद्र कुमार व्यास की एकल पीठ ने मुंगेली जिले के जरहागांव के एक लंबित बंटवारा मामले में तहसीलदार की लापरवाही को प्रशासनिक मनमानी और लालफीताशाही करार देते हुए चार महीने के भीतर बंटवारे की प्रक्रिया पूरी करने का निर्देश दिया है। यह आदेश दूजाबाई द्वारा दायर रिट याचिका पर जारी किया गया। याचिकाकर्ता ने वर्ष 2012 में पैतृक भूमि के बंटवारे के लिए आवेदन किया था। मामले में राजस्व मंडल ने 14 दिसंबर 2020 को ही याचिकाकर्ता के पक्ष में बंटवारा करने का साफ आदेश जारी किया था, लेकिन इसके बावजूद तहसीलदार ने 6 साल तक कोई कार्यवाही नहीं की। शासन के इस तर्क पर कि पक्षकार ने नया आवेदन नहीं दिया था, कोर्ट ने तीखी नाराजगी जताई। हाईकोर्ट ने जरहागांव तहसीलदार को चार महीने के भीतर बंटवारा संपन्न करने का अल्टीमेटम दिया है। साथ ही आदेश की प्रति राजस्व सचिव और बिलासपुर कमिश्नर को भेजकर प्रदेश के सभी राजस्व अधिकारियों के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करने को कहा है ताकि भविष्य में ऐसी लेटलतीफी न हो।

## शांति समझौते पर बात किसी सिरे लगती नहीं आ रही नजर

# मिडिल ईस्ट में फिर जंग की आहट, ईरान पर नए हमले शुरू करने के मूड में ट्रंप

एजेंसी ▶▶| वाशिंगटन

ईरान के साथ शांति समझौते को लेकर अगर अंतिम समय की बातचीत किसी नतीजे पर नहीं पहुंचती है तो अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान के खिलाफ नए हमले शुरू करने पर 'गंभीरता से विचार कर सकते हैं'। अमेरिकी मीडिया संस्थान 'एक्सियोस' ने शुक्रवार को खबर में यह जानकारी दी।

खबर में कहा गया कि ट्रंप ने ईरान के साथ युद्ध पर चर्चा करने के लिए शुक्रवार सुबह राष्ट्रीय सुरक्षा टीम के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की। इस बीच, पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर ईरान की राजधानी तेहरान पहुंचे और कतर के एक प्रतिनिधिमंडल ने अंतिम समय में समझौता कराने के प्रयास में उनका साथ दिया। 'एक्सियोस' को दो अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रपति ट्रंप ने शुक्रवार सुबह ईरान के साथ युद्ध के संबंध में अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा टीम के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक बुलाई। राष्ट्रपति से सीधे बात करने वाले सूत्रों के अनुसार, ट्रंप वार्ता में अंतिम समय में कोई सफलता न मिलने की स्थिति में ईरान के खिलाफ नए हमले शुरू करने पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं।

## इधर ईरान ने भेजा नया प्रस्ताव, -होर्मुज खोलने की कही बात

### वार्ता में 'मामूली प्रगति'

शुक्रवार सुबह 'व्हाइट हाउस' (अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) में ट्रंप के साथ हुई बैठक में उपराष्ट्रपति जे डी वेंस, रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ, सीआईए (सेंट्रल इंटेलिजेंस एजेंसी) के निदेशक जॉन रैटक्लिफ, व्हाइट हाउस की चीफ ऑफ स्टाफ सूसी वाइल्स और अन्य अधिकारी उपस्थित थे। ट्रंप ने 'व्हाइट हाउस' में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, 'ईरान समझौता करना चाहता है। देखते हैं क्या होता है। लेकिन हमने उन्हें कड़ा झटका दिया है और हमारे पास कोई विकल्प नहीं था क्योंकि ईरान परमाणु हथियार नहीं रख सकता। वे इसे नहीं रख सकते।' अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने स्वीडन में पत्रकारों से कहा कि ईरान के साथ वार्ता में 'मामूली प्रगति' हुई है।

### 'हर दिन इधर-उधर भेजा जा रहा मसौदा

इधर, मुनीर की मुलाकात ईरान के 'इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर' के कमांडर और ईरानी निर्णय प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले जनरल अहमद वाहिदी से होने की उम्मीद है। 'एक्सियोस' की खबर में कहा गया कि राजनयिक प्रयासों से अवगत एक अमेरिकी अधिकारी ने वार्ता को बेहद 'चुनौतीपूर्ण' बताया और यह भी कहा कि मसौदा 'हर दिन इधर-उधर भेजा जा रहा है' लेकिन कोई खास प्रगति नहीं हो रही है।

### ईरान ने भेजा प्रस्ताव लेकिन शर्तें भी रखीं

तेहरान। ईरान ने अमेरिका के साथ युद्ध खत्म करने के लिए मध्यस्थों को नया प्रस्ताव सौंपा है। ईरान का यह प्रस्ताव ऐसे समय में सामने आया है, जब वॉइट हाउस से लगातार ईरान को धमकी दी जा रही है। रिपोर्टों में कहा गया है कि ट्रंप प्रशासन ईरान के खिलाफ फिर सैन्य कार्रवाई शुरू करने की तैयारी कर रहा है। एक वरिष्ठ ईरानी अधिकारी के हवाले से ड्रॉप न्यूज साइट ने बताया है कि तेहरान ने समझौते के ड्राफ्ट में कुछ शर्तें रखी हैं। इन शर्तों में होर्मुज जलडमरूमध्य को अस्थायी रूप से फिर से खोलना शामिल है, लेकिन यह बात पर तय करेगा कि पहले अमेरिका तेहरान की शर्तों को पूरा करना होगा। ये शर्तें हैं- अमेरिका ईरानी बंदरगाहों की नाकेबंदी खत्म करे। ईरान की अरबों डॉलर की जब्त संपत्तियों को जारी करे। ईरान को युद्ध में हुए नुकसान के लिए मुआवजे की व्यवस्था हो।

# चीन की कोयला खदान में गैस विस्फोट, 90 लोगों की मौत

200 से अधिक लोगों को बचाया गया

एजेंसी ▶▶| बीजिंग

उत्तरी चीन की एक कोयला खदान में गैस विस्फोट होने से 90 खनिकों की मौत हो गई, अब तक 201 खनिकों को बचाया गया है। बीजिंग के आधिकारिक समाचार पत्र 'चाइना डेली' ने जानकारी दी कि गैस विस्फोट शुक्रवार शाम लिउशेन्यु कोयला खदान में हुआ।

विस्फोट के बाद से बचाव अभियान जारी है। सरकारी समाचार पत्र 'चाइना डेली' की खबर के अनुसार, उत्तरी चीन के शानशी प्रांत के क्विनयुआन काउंटी में कोयला खदान में विस्फोट हुआ है। यह घटना उस समय हुई, जब खदान के अंदर कुल 247 मजदूर काम कर रहे थे। खदान के अंदर कार्बन मोनोऑक्साइड गैस का स्तर खतरनाक सीमा से ऊपर पहुंच गया था।

### सबसे बड़ा खनन हादसा

यह दुर्घटना पिछले दस वर्षों में चीन के सबसे घातक खनन हादसों में गिनी जा रही है। इससे पहले 2023 में उत्तरी चीन के इनर मंगोलियाा में एक ओपन-पिट कोयला खदान धंसने से 53 लोगों की मौत हुई थी। वहीं 2009 में हेइलोंगजियांग प्रांत की एक खदान में विस्फोट में 100 से ज्यादा लोगों की जान चली गई थी। 2000 के दशक की शुरुआत में गैस विस्फोट और बाढ़ जैसी घटनाओं में बड़ी संख्या में मजदूरों की मौत होती थी।

### हैरानी की बात

हैरानी की बात यह है कि हादसे के तुरंत बाद शिन्हुआ ने शुरुआती रिपोर्ट में सिर्फ आठ मौत की जानकारी दी थी और कहा था कि 200 से ज्यादा मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। बाद में अचानक मृतकों की संख्या बढ़ाकर बताई गई। सरकारी मीडिया ने यह साफ नहीं किया कि आंकड़ा इतनी तेजी से कैसे बढ़ा।

## भारत की मेजर को संयुक्त राष्ट्र का पुरस्कार

**संयुक्त राष्ट्र।** लेबनान में संयुक्त राष्ट्र मिशन में सेवारत भारतीय शांतिरक्षक, मेजर अभिलाषा बराक को विश्व संस्था द्वारा प्रतिष्ठित 'यूनाइटेड नेशंस मिलिट्री जेंडर एडवोकेट ऑफ द ईयर अवॉर्ड' के लिए नामित किया गया है। उन्हें संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में 29 मई को सम्मानित किया जाएगा। पश्चिम एशियाई देश में तैनाती के दौरान महिलाओं और लड़कियों के साथ किए गए संपर्क प्रयासों के लिए बराक को 2025 का 'यूनाइटेड नेशंस मिलिट्री जेंडर एडवोकेट ऑफ द ईयर अवॉर्ड' प्रदान किया जाएगा। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन ने शुक्रवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर यह जानकारी दी।

## राशिफल

**मेष** — परिवार में सुख-शान्ति रहेगी। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। खर्च अधिक रहेंगे। मन अशान्त रहेगा।

**वृष** — मानसिक शान्ति के लिए प्रयास करें। किसी मित्र के सहयोग से रोजगार के अवसर मिल सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। वाणी में सौम्यता रहेगी।

**मिथुन** — व्यवहारिकता में कमी आ सकती है। घर-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। खर्च बढ़ेंगे। माता को स्वास्थ्य विकार हो सकते है।

**कर्क** — आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। परिवार में सुख-शान्ति रहेगी। किसी राजनेता से भेंट हो सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान

**सिंह** — लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता रहेगी। बौद्धिक कार्यों से धन की प्राप्ति भी हो सकती है। सेहत का ध्यान रखें। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

**कन्या** — परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च अधिक रहेंगे। आय में वृद्धि भी होगी। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है।

**तुला** — पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। अध्ययन में रुचि बढ़ेगी। नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी।

**वृश्चिक** — व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें घर-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा।

**धनु** — शैक्षिक या बौद्धिक कार्यों में व्यस्त रहेंगे। कारोबार के लिए विदेश यात्रा पर जा सकते हैं। यात्रा लाभप्रद रहेगी। स्वभाव में चिड़चिड़ापन रहेगा।

**मकर** — मन प्रसन्न रहेगा। आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अनियोजित खर्च बढ़ेंगे। निराशा के भाव रहेंगे।

**कुंभ** — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। उच्चशिक्षा के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। खर्च अधिक रहेंगे। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है।

**मीन** — व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। परिवार में शान्ति एवं सद्भाव के लिए प्रयास करें। घर-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। उपहार में वस्त्र मिल सकते हैं।

*कई अहम मुद्दों पर हुई बातचीत*

# पीएम मोदी से मिले रूबियो अमेरिका आने का दिया न्योता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

भारत दौरे पर आए अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिले। इस दौरान कई अहम मुद्दों पर बातचीत हुई। मार्को रूबियो ने पीएम मोदी को व्हाइट हाउस आने का न्योता दिया। इस बैठक में विदेश मंत्री एस जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल सहित अन्य सीनियर अफसर भी मौजूद थे। मुलाकात के बाद पीएम मोदी ने एक्स पोस्ट में लिखा, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो का स्वागत करके मुझे खुशी हुई। हमने भारत-यूएस व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी में लगातार हो रही प्रगति और क्षेत्रीय तथा वैश्विक शांति और सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका वैश्विक भलाई के लिए मिलकर काम करते रहेंगे।

### इन मुद्दों पर हुई चर्चा

भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने एक्स पर मीटिंग की फोटो शेयर की। उन्होंने लिखा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बैठक के लिए मार्को रूबियो के साथ शामिल होकर बहुत अच्छा लगा। हमने सुरक्षा, व्यापार और महत्वपूर्ण तकनीकों के क्षेत्रों में अमेरिका-भारत सहयोग को और गहरा करने के तौर-तरीकों पर सार्थक चर्चा की - ये ऐसे क्षेत्र हैं जो हमारे दोनों राष्ट्रों को मजबूत करते हैं और एक स्वतंत्र व खुले इंडो-पैसिफिक को आगे बढ़ाते हैं। भारत और अमेरिका का एक अत्यंत महत्वपूर्ण साझेदार है!

*नक्सल प्रभावित इलाके में गुजारे तीन दशक*

# बस्तर में आदिवासियों की सेवा पति-पत्नी को मिलेगा पद्मश्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

छत्तीसगढ़ के सुदूर बस्तर क्षेत्र में तीन दशकों से अधिक समय से आदिवासी समुदायों को स्वास्थ्य सेवाएं और सामाजिक सहायता प्रदान कर रहे पति-पत्नी डॉ. रामचंद्र गोडबोले और सुनीता गोडबोले को 25 मई को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा पद्मश्री से सम्मानित किया जाएगा।

वर्ष 1990 में विवाह के तुरंत बाद गोडबोले दंपति बस्तर पहुंच गए और तब से उन्होंने अपना जीवन दुर्गम व नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में आदिवासी आबादी की सेवा में समर्पित कर दिया, जहां स्वास्थ्य सुविधाएं या तो सीमित थीं या न के बराबर थीं। दंपति को पहले भी सामाजिक सेवा के लिए कई सम्मान प्राप्त हो चुके हैं, जिनमें 2001 में पुणे के नाटू प्रतिष्ठान द्वारा दिया गया 'सेवा गौरव' पुरस्कार भी शामिल है।

### दूरदराज में लगाए स्वास्थ्य शिविर

महाराष्ट्र के सतारा जिले से बीएएमएस की डिग्री प्राप्त करने वाले डॉ. रामचंद्र गोडबोले ने पिछले 15 वर्षों में विशेषज्ञ चिकित्सकों की मदद से बस्तर के दूरदराज के वन क्षेत्रों में 100 से अधिक स्वास्थ्य शिविर लगाये और 9,000 से अधिक रोगियों की चिकित्सा जांच व उपचार किया। उनकी पत्नी पुणे से समाज कार्य में स्नातकोत्तर सुनीता गोडबोले ने आदिवासी महिलाओं और बच्चों के साथ निरंतर जमीनी स्तर पर जुड़कर चिकित्सा योजनाओं को और मजबूत किया। स्थानीय आदिवासी भाषाओं गोंडी और हल्बी में पारंगत दंपति ने पोषण, बालिका शिक्षा, महिला सशक्तिकरण और स्वास्थ्य जागरूकता के क्षेत्र में व्यापक कार्य किया है।

## शब्द पहेली - 6235

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ■ | 1 | | 2 | | 3 | ■ | 4 | | 5 | 6 |
| 7 | | ■ | | ■ | 8 | | | ■ | 9 | |
| | ■ | 10 | | | | ■ | 11 | 12 | ■ | |
| 13 | | | ■ | ■ | 14 | | ■ | 15 | 16 | |
| | ■ | | ■ | 17 | | ■ | 18 | ■ | | ■ |
| 19 | 20 | | 21 | | ■ | 22 | | 23 | | 24 |
| ■ | | ■ | | ■ | 25 | | ■ | | ■ | |
| 26 | | 27 | ■ | 28 | | ■ | ■ | 29 | | |
| | ■ | 30 | 31 | ■ | 32 | | 33 | | ■ | |
| 34 | 35 | ■ | 36 | | | ■ | | ■ | 37 | |
| 38 | | | | ■ | 39 | | | | | ■ |

**बाएँ से दाएँ**
1. महर्षि वेदव्यास द्वारा रचित महाकाव्य–5
4. आज्ञापत्र, पतंगा–4
7. शरीर, बदन–2
8. होशियार, हुनरमंद–3
9. नस, नाड़ी–2
10. तीर रखने का पात्र–4
11. गधा, गर्दभ–2
13. जो बंदी हो–3
14. पत्नी, भार्या–2
15. दृष्टि, निगाह–3
17. खैरात, दक्षिणा–2
19. अपने ही घर में कैद होना–5
22. भाग्यवाला–5
25. जी, इच्छा–2
26. तन, काया–3
28. दुनिया, संसार–2
29. वेतन–3
30. भीगा हुआ–2
32. सागौन, एक प्रकार की मूल्यवान लकड़ी–4
34. परिणाम, हल, फ्रूट–2
36. सचेग–3
37. राजकपूर, नरगिस की फिल्म–2
38. चाणक्य के समय मगध की राजधानी–4
39. निरस्त करना–2,3

**ऊपर से नीचे**
1. आमिर, मनीषा कोइराला की फिल्म–2
2. रवि, सूर्य–3
3. तमाशा देखनेवाले–5
4. परीक्षण, जांच–3
5. सप्ताह का दिन–2
6. जो नापसंद हो (उर्दू–4)
7. गोविंदा व खुशबू की फिल्म–2,3
10. भाग्य, किस्मत–4
12. क्रिकेट में बनते हैं–2
16. नसीरुद्दीन शाह की एक फिल्म –3
17. खुजली–2
18. रस्सी पर अपराधी को लटकाना–2
20. आवश्यक–3
21. कैदी, बंधक–2
22. इसाई साध्वी–2
23. बालकपन–4
24. असावधान–5
25. महासमुद्र–5
26. सज्जनता, भद्रता–4
27. अभिषेक की फिल्म–2
31. मुद्दा (उर्दू–3)
33. वाचन करनेवाला–3
35. उद्देश्य–2
37. आगमन, आने का भाव–2

**शब्द पहेली- 6234 का हल**

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| उ | थ | ल | पु | थ | ल | ■ | मा | न | व | ता |
| त | न | ■ | ल | ■ | ल | ब्बा | ई | ■ | श | र |
| रा | ■ | आ | क | र्ष | क | ■ | न | स | ■ | को |
| धि | क्का | र | ना | ■ | ■ | अ | ■ | च | प | ल |
| का | ■ | क्ष | ■ | भा | गी | दा | र | ■ | र | ■ |
| र | म | ण | यो | ग्य | ■ | व | ज | न | दा | र |
| ■ | ह | ■ | ग | फ | ल | त | ■ | म | ■ | ह |
| द | ल | ना | ■ | ल | ■ | ■ | य | की | न | न |
| श | ■ | का | व्य | ■ | त | न | म | न | ■ | स |
| ह | रा | ■ | स | ला | मी | ■ | रा | ■ | रा | ह |
| रा | ह | ज | न | ■ | ज | हा | ज | चा | ल | न |

## सूडोकु नवताल - 6245

★★★★★ कठिनतम

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 7 | | | | | | | 4 | |
| | | 5 | | 3 | | | 7 | |
| | | | | | 8 | | | 2 |
| | | | | | 1 | 9 | | |
| | 2 | | | | | | 8 | |
| | | 6 | 7 | | | | | |
| 1 | | | 4 | | | | | |
| | 9 | | | 2 | | 5 | | |
| | 8 | | | | | | | 1 |

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

**सूडोकु नवताल - 6244 का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 8 | 4 | 5 | 6 | 1 | 3 | 7 | 2 | 9 |
| 7 | 2 | 6 | 4 | 9 | 5 | 3 | 8 | 1 |
| 9 | 3 | 1 | 7 | 8 | 2 | 6 | 5 | 4 |
| 1 | 7 | 2 | 9 | 6 | 8 | 4 | 3 | 5 |
| 5 | 6 | 9 | 3 | 2 | 4 | 1 | 7 | 8 |
| 4 | 8 | 3 | 5 | 7 | 1 | 9 | 6 | 2 |
| 2 | 9 | 7 | 1 | 5 | 6 | 8 | 4 | 3 |
| 3 | 1 | 8 | 2 | 4 | 7 | 5 | 9 | 6 |
| 6 | 5 | 4 | 8 | 3 | 9 | 2 | 1 | 7 |

संजय के दीक्षित

## तरकश

### सिंगल पावर सेंटर!

अगले महीने दिल्ली में छत्तीसगढ़ समेत उन पांच राज्य सरकारों की समीक्षा शुरू होनी है, जहां नवंबर 2023 में विधानसभा चुनाव हुए थे। रिव्यू के बाद ही मंत्रिमंडल में सर्जरी का खाका तैयार किया जाएगा। वैसे खबर ये आ रही कि पार्टी नेतृत्व अब राज्यों में दो डिप्टी सीएम के कंसेप्ट खतम करने पर विचार कर रहा है। शीर्ष नेताओं के संज्ञान में ये बात है कि जिन राज्यों में दो-दो डिप्टी सीएम हैं, वहां पावर सेंटर तीन हिस्सों में बंट गया है। और शायद यही वजह है कि असम और पश्चिम बंगाल में बीजेपी ने डिप्टी सीएम नहीं बनाया। उससे पहले बिहार में इसलिए दो उप मुख्यमंत्री बनाए गए, क्योंकि वहां गठबंधन की सरकार है। वैसे सियासी पंडितों का मानना है, जिन राज्यों में डिप्टी सीएम हैं, वहां मुख्यमंत्री का ओरा प्रभावित हुआ है। कुछ महीने पहले की बात है...यूपी में योगी आदित्यनाथ जैसे हाई प्रोफाइल मुख्यमंत्री होने के बाद भी वहां डिप्टी सीएम मौर्य ने सरकार के कामकाज पर सार्वजनिक तौर पर बयानबाजी शुरू कर दी थी। कुल मिलाकर राज्यों के मुख्यमंत्री भी चाहेंगे कि कोई डिप्टी सीएम न रहे। ताकि सिंगल पावर सेंटर रहे। अब देखना है, छत्तीसगढ़ के संदर्भ में बीजेपी क्या फैसला लेती है...डिप्टी सीएम का कंसेप्ट यहां भी लागू है।

### हमाम में...हर-हर गंगे

छत्तीसगढ़ में एक महिला का मामला सामने आया है, उसके बाद नेताओं से लेकर नौकरशाहों तक की हालत खराब है। उधर फोटो देखकर लोग खूब आनंद प्राप्त कर रहे हैं...फेसबुक पर फोटो को जूम कर देखा जा रहा...कौन कितना करीब था। असल में, महिला को एनजीओ संचालिका से हाई प्रोफाइल बनाने में बड़े लोगों की बड़ी भूमिका रही। उसके एनजीओ को कॉरपोरेट से फंड दिलाने में कुछ आईएएस अधिकारियों ने लिमिट से बाहर जाकर मदद की। मांसल देह के भूखे नौकरशाहों और नेताओं ने ये भी देखने की कोशिश नहीं की...उसका बैकग्राउंड क्या है। अब बड़े लोगों को खौफ खाए जा रहा...अगर पर्दा उठ गया तो क्या होगा! जाहिर है, पिछले एक दशक में छत्तीसगढ़ में विषकन्याओं का प्रकोप तेजी से बढ़ा है। कोविड के बाद तो और ज्यादा। एनजीओ या बड़ी आईटी कंपनियों की रिप्रेजेंटेटिव की आड़ में ये विषकन्याएं अफसरों और नेताओं को अपने जाल में फंसा करोड़ों में खेल रही हैं। कलेक्टर, एसपी समेत कुछ अधिकारियों के बारे में इंटेलिजेंस एजेंसियों के पास पुख्ता सूचना है। कुछ कलेक्टरों ने तो गर्दा उड़ा दिया है। मध्यप्रदेश जैसे हनीट्रेप कांड छत्तीसगढ़ में हो जाए, इससे पहले सिस्टम को अलर्ट हो जाना चाहिए।

### सीएम के पास होम?

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा के बारे में चर्चाएं बड़ी गर्म हैं कि संगठन में उन्हें बड़ा ब्रेक मिलने वाला है। उनके करीबी नेता भी तस्दीक कर रहे कि नितिन नबीन की टीम में भाई साब का कुछ अच्छा हो सकता है। हालांकि, लोगों के बीच स्वाभाविक सवाल ये भी है कि डिप्टी सीएम का पद छोड़ विजय शर्मा दिल्ली क्यों जाएंगे? तो इसका जवाब इस रुप में दिया जा रहा कि छत्तीसगढ़ में रहकर वे मंत्री से ऊपर नहीं जा पाएंगे मगर दिल्ली से कभी भी वे बड़े पद पर आ सकते हैं। उनके पास उम्र भी काफी है। बहरहाल, विजय शर्मा अगर दिल्ली गए तो फिर गृह विभाग लगता है, मुख्यमंत्री के पास आ जाएगा। दरअसल, देश के अधिकांश राज्यों में मुख्यमंत्रियों ने गृह विभाग को अपने पास रखा है। यूपी, बिहार में तो पहले से रहा, अब मध्यप्रदेश और पश्चिम बंगाल भी इस सूची में शामिल हो गया है। सीएम के पास होम आने से होगा ये कि जीएडी और गृह दोनों मुख्यमंत्री के पास हो जाएंगे। वैसे पुलिस में राजपत्रित अधिकारी से लेकर ऑल इंडिया सर्विस याने आईपीएस के मैटर मुख्यमंत्री के अधीन होते हैं मगर उसमें गृह मंत्री का अनुमोदन अवश्य लगता है। गृह मंत्री की चीड़िया बिठाने के बाद ही नोटशीट मुख्यमंत्री के पास जाती है। यद्यपि, रमन सिंह और भूपेश बघेल के दौर में कई बार सरकार फैसला ले लेती थी, उसके बाद गृह मंत्री से अनुमोदन लिया जाता था। कई बार तो पोस्टिंग आदेश निकलने के बाद गृह मंत्रियों को अफसरों के ट्रांसफर का पता चलता था। लेकिन, विजय शर्मा काफी तेज-तर्रार गृह मंत्री हैं। हालांकि, तेज तो बीजेपी सरकार के फर्स्ट होम मिनिस्टर बृजमोहन अग्रवाल भी थे। मगर डेढ़ साल के भीतर उनकी गृह से विदाई हो गई थी। खैर, विजय शर्मा इतने मजबूत हो गए हैं कि कम-से-कम इस टर्म में उनका विभाग बदलना संभव नहीं। उनका विभाग उसी केस में चेंज होगा, अगर वे दिल्ली जाएं।

### नए पीसीसीएफ

छत्तीसगढ़ में नए हेड ऑफ फॉरेस्ट की नियुक्ति का काउंट डाउन प्रारंभ हो गया है। श्रीनिवास राव 31 मई को वन विभाग के शीर्ष पद से रिटायर होंगे। उनकी जगह कौन लेगा, इसको लेकर लोगों में काफी जिज्ञासा है। विदित है पीसीसीएफ अरुण पाण्डेय हेड ऑफ फॉरेस्ट के प्रबल दावेदार हैं। अरुण के बाद ओपी यादव भी हैं। मगर श्रीनिवास राव के एक्सटेंशन की अटकलों को भी लोग हल्के में नहीं ले रहे। जाहिर है, श्रीनिवास राव की क्षमता और पहुंच पर प्रश्नचिन्ह खड़ा नहीं किया जा सकता। उधर, अरुण पाण्डेय भी कमजोर नहीं हैं। अरुण इस समय पीसीसीएफ वाइल्डलाइफ के साथ-साथ बजट और पईसा-कौड़ी वाला विभाग डेवलपमेंट संभाल रहे हैं। देश के किसी भी राज्य में अब तक किसी पीसीसीएफ को इतना बड़ा पोर्टफोलियो नहीं मिला है। इससे अंदाज लगाया जा सकता है कि सरकार में अरुण पाण्डेय का कैसा प्रभाव है। बहरहाल, 30 और 31 मई को सरकारी अवकाश है। लिहाजा, जो भी होना होगा 29 मई को दोपहर तक सरकार को ऐलान करना होगा। सरकार अगर किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंची तो हो सकता है वन विभाग में प्रभारी मुखिया की नियुक्ति हो जाए...जिसकी संभावना काफी क्षीण है।

### दो और पुलिस कमिश्नर?

रायपुर के बाद बिलासपुर और दुर्ग में भी पुलिस कमिश्नरेट बनेगा। गृह मंत्री विजय शर्मा ने इसका ऐलान किया है। यद्यपि इस तरह के नीतिगत फैसले सरकार लेती है और घोषणा भी उसी स्तर पर होती हैं। मगर हो सकता है, गृह मंत्री जी की उपर में बात हो गई होगी। अलबत्ता, प्रश्न यह है कि क्या रायपुर कंप्लीट कमिश्नरेट बन पाया? गृह मंत्री के पुराने बंगले में कमिश्नर बैठ रहे। कमिश्नरेट को एक पैसे का फंड नहीं मिला। आसपास के जिलों से उधार में फोर्स आई है। बिलासपुर और दुर्ग में पुलिस कमिश्नरेट बन जाए, इससे अच्छी बात कुछ हो नहीं सकती...ये वक्त की जरूरत भी है। मगर इससे पहले सेटअप और इंफ्रास्ट्रक्चर जुटाने का प्रयास करना चाहिए। वरना, कहीं से ईंट, कहीं का रोड़ा वाला पुलिस कमिश्नरेट बनाने से वो रिजल्ट नहीं मिलेगा, जो दीगर राज्यों में दिखता है। सिस्टम को पहले तय करना होगा कि पुलिस और सुरक्षा उसकी प्राथमिकता में किस स्थान पर है।

### चेयरमैन के फैसले, जी का जंजाल

राजस्व बोर्ड के चेयरमैन रहे राधाकृष्णन द्वारा अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर लिए गए फैसले बोर्ड को अब भारी पड़ रहा है। उनके करीब तीन दर्जन आदेशों को बिलासपुर हाई कोर्ट ने फिर से रिव्यू कि लिए रेवेन्यू बोर्ड को भेज दिया है। बता दें, आईएएस राधाकृष्णन ने चेयरमैन रहते निरंकुश होकर ऐसे आदेश पारित करने लगे थे कि जिलों के कलेक्टरों में हाहाकार मच गया था। सीएम रमन सिंह तक जब शिकायत पहुंची तो उन्होंने राधाकृष्णन को हटाकर वहां डीएस मिश्रा को बिठाया। राधाकृष्णन ने जमीनों और जमीनों की रजिस्ट्री के मामलों में बड़े औद्योगिक समूहों को उपकृत करते हुए सरकार को करोड़ों का नुकसान पहुंचाया।

### क्योंकि, वे आईएएस थे

चर्चा चूकि पूर्व आईएएस राधाकृष्णन की तो फिर पुराना प्रसंग स्मरण हो आया। राधाकृष्णन जब माध्यमिक शिक्षा मंडल के चेयरमैन थे, तो उन्होंने बोर्ड के एकाउंट में रखे साढ़े आठ करोड़ अपने पर्सनल एकाउंट में ट्रांसफर करा लिया था। कायदे से किसी भी वित्तीय लेन देन पर चेयरमैन और सिकेट्री दोनों के हस्ताक्षर होने चाहिए। मगर उस समय के सिकेट्री आईएफएस अनिल राय अवकाश पर थे, उस दौरान राधाकृष्णन ने बैंक मैनेजर पर दबाव डाल बच्चों की फीस का पैसा डकार गए। बाद में इसकी जांच भी हुई। बाद में आए चेयरमैन केडीपी राव ने कार्रवाई करने जीएडी को लेटर लिखा। इस पर विभागीय जांच हुई। मगर जांच के बाद फाइल दबा दी गई। क्यों? इसलिए कि वे आईएएस अफसर थे। करीब 15 साल पहले का ये वाकया है। उस समय का साढ़े आठ करोड़ आज 25 करोड़ के बराबर हो गया होगा। फिर ब्याज की बात करें तो रकम और भी ज्यादा। मगर वाह रे सिस्टम...किसी ऑफिस का के कर्मचारी से अगर घोखे में कोई फायनेंसियल चूक हो जाए तो ब्याज समेत उसकी रिकवरी निकाल दी जाती है, पेंशन रुक जाती है। मगर राधाकृष्णन सरकारी खजाने से करोड़ों की डकैती कर चले गए...और पेंशन वगैरह सब ले रहे हैं...कोई कार्रवाई नहीं हुई। क्योंकि, वे आईएएस अफसर थे। और कार्रवाई करने वाले भी आईएएस। फिर भाई के खिलाफ भाई एक्शन कैसे लेगा। इसलिए पी. जॉय उम्मेन, सुनिल कुमार, विवेक ढांड, अजय सिंह, आरपी मंडल और अमिताभ जैन जैसे मुख्य सचिवों ने आंखें बंद कर ली।

### एसपी ट्रांसफर जून में?

पुलिस अधीक्षकों के ट्रांसफर अब शायद 10 जून के बाद ही होंगे। वो इसलिए कि मई और जून का प्रथम सप्ताह नक्सल दृष्टि से काफी संवेदनशील माना जाता है। बस्तर से भले ही नक्सलियों का खात्मा हो गया मगर फोर्स अभी भी चौकस है। सतर्क इसलिए कि सरकार के दावे पर सवाल खड़े करने कभी भी कोई घटना को अंजाम दिया जा सकता है। इसलिए, जून फर्स्ट वीक के बाद ही एसपी के तबादले होंगे। अब प्रश्न उठेगा एसपी के तबादले से बस्तर से क्या संबंध? असल में, बस्तर के कई एसपी लंबे समय से वहां पोस्टेड हैं। उनमें से अधिकांश को मैदानी एरिया में लाकर उन्हें अच्छे जिले का इनाम दिया जाएगा। सिर्फ एसपी ही नहीं, एसडीओपी, सीएसपी और एडिशनल एसपी भी लंबे समय से वहां पोस्टिंग काट रहे हैं। सरकार उन्हें भी अब वहां से शिफ्ट करेगी। लिहाजा, पुलिस में बड़े स्तर पर तबादले अगले महीने होंगे।

### तीन झंडी, चार नेता और...

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस हफ्ते छत्तीसगढ़ दौरे में डॉयल 112 की 400 गाड़ियों को हरी झंडी दिखा जिलों में रवाना किया। 400 गाड़ियां...याने बड़ा इवेंट। गृह या पुलिस विभाग की चूक कि झंडी दिखाने वाले नेता थे चार, मगर झंडी थी तीन। अमित शाह के सामने जब ट्रे में झंडी आई तो उन्होंने एक उठा लिया। सीएम विष्णुदेव साय ने एक झंडी उठाकर अमित शाह के पीछे खड़े गृह मंत्री विजय शर्मा को दे दिया। अब झंडी बची एक और नेता दो। सीएम और विधानसभा अध्यक्ष डॉ0 रमन सिंह। इस सिचएशन से सीएम थोड़ा ठिठके...तब तक अमित शाह विजय शर्मा की तरफ पीछे मुड़े और झंडी रमन सिंह को देने इशारा किया। विजय ने आज्ञाकारी शिष्य की तरह तुरंत झंडी रमन सिंह के हाथ में सौंप दी। पांच से सात सेकेंड के इस पूरे एपिसोड में अमित शाह का गजब का शार्पनेस दिखा। पलक झपकते ही माजरा समझ उन्होंने सिचुएशन को हैंडिल कर लिया। इस पांच सेकेंड के दृश्य में सबसे टचिंग था...अमित शाह द्वारा रमन सिंह को दिया गया सम्मान।

### सीएम बनने की शुभकामनाएं

पीसीसी अध्यक्ष पद को लेकर छत्तीसगढ़ के कांग्रेस नेताओं में खींचतान कम होने का नाम नहीं ले रही है। हाल की बात है, टीएस सिंहदेव ने अध्यक्ष बनने की इच्छा प्रगट की तो पीसीसी चीफ दीपक बैज का गुबार सामने आ गया। दीपक बोले, बाबा बड़े नेता हैं, तमिलनाडु, त्रिपुरा के प्रभारी रह चुके हैं, इतने बड़े नेता को केंद्र की राजनीति में जाना चाहिए। इसके बाद ठहाके लगाते हुए बाबा का मोबाइल पर किसी से बातचीत करते एक वीडियो वायरल हुआ, उसमें वे कहते सुनाई दे रहे...हमने तो दीपक भाई को खूब आगे बढ़ने, मुख्यमंत्री बनने की शुभकामनाएं दे दी है। अब दीपक बैज को सीएम बनने की शुभकामनाएं भूपेश बघेल को कैसी लगी होगी, ये नहीं पता। मगर ये सही है कि कांग्रेस के सियासत में नए समीकरण बन रहे हैं...शतरंज के बिसात पर नए दांव चले जा रहे हैं। पीसीसी चीफ दीपक बैज और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल आज जिला युवक कांग्रेस अध्यक्षों का इंटरव्यू लेने वाले हैं तो चरणदास महंत और टीएस सिंहदेव इससे अलग कोरबा में मछुआरा सम्मेलन में शिरकत करेंगे। उधर, अध्यक्ष पद के युवा दावेदार उमेश पटेल और देवेंद्र यादव के खिलाफ पार्टी नेतृत्व को चिठ्ठी-पत्तरी भेजने का काम भी प्रारंभ हो गया है। क्योंकि, देवेंद्र ने सूबे में दौरे तेज कर दिए हैं। जाहिर है, आने वाले समय में कांग्रेस की गुटीय लड़ाई और तेज होगी। वो इसलिए कि इन सभी नेताओं की दिल्ली में गहरी पैठ है और ये सभी चाहेंगे कि सामने वाले को मौका न मिले।

### अंत में दो सवाल आपसे?

1. क्या ये सही है कि मुख्यमंत्री को छोड़ सारे मंत्रियों का पहले इस्तीफा लिया जाएगा, उसके बाद मंत्रिमंडल का पुनर्गठन होगा?
2. किस आईएएस अधिकारी के खिलाफ मुख्य सचिव ने 15 करोड़ रुपए के घोटाले में जांच का आदेश दिया है?

# छत्तीसगढ़ में 3.94 करोड़ लीटर पेट्रोल 8.09 करोड़ लीटर डीजल का स्टॉक

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ में पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है और आम उपभोक्ताओं को घबराकर अतिरिक्त खरीदी या संग्रहण करने की आवश्यकता नहीं है। प्रदेश में ईंधन की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है तथा किसानों और आवश्यक सेवाओं को प्राथमिकता देते हुए नियमित सप्लाई सुनिश्चित की जा रही है।

■ सरकार ने कहा जमा करने की जरूरत नहीं

प्रदेश में वर्तमान समय में 3 करोड़ 94 लाख 7 हजार 700 लीटर पेट्रोल तथा 8 करोड़ 8 लाख 83 हजार लीटर डीजल का स्टॉक उपलब्ध है। राज्य में पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति के लिए कुल 2516 पेट्रोल पंप संचालित हो रहे हैं। खाद्य विभाग के अनुसार रबी फसल की कटाई और खरीफ सीजन की तैयारी के कारण डीजल की मांग में वृद्धि को देखते हुए ऑयल कंपनियों के लखौली और मंदिर हसौद (रायपुर) तथा गोपालपुर (कोरबा) स्थित डिपो से जिलों को लगातार आवश्यकतानुसार आपूर्ति की जा रही है।

**रोज जारी है आपूर्ति**

गौरतलब है कि 22 मई 2026 को ही प्रदेश को 21 लाख 83 हजार लीटर पेट्रोल और एक करोड़ 29 लाख 75 हजार लीटर डीजल प्राप्त हुआ है। इसके साथ ही प्रतिदिन नियमित रूप से पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति जारी है।

### पंपों को डिपो से तुरंत मिलेगा स्टॉक

खाद्य सचिव ने राज्य में ईंधन की उपलब्धता और वितरण व्यवस्था की समीक्षा के लिए 20 मई 2026 को सभी ऑयल कंपनियों के अधिकारियों के साथ बैठक भी की थी। बैठक में निर्देश दिए गए कि जिन पेट्रोल पंपों में स्टॉक खत्म होने की स्थिति बन रही हो, वहां डिपो से तत्काल आपूर्ति सुनिश्चित की जाए ताकि किसी भी क्षेत्र में उपभोक्ताओं को परेशानी न हो।

### अफवाह और भ्रम से बचें

राज्य शासन ने 22 मई 2026 से प्रदेश के सभी पेट्रोल और डीजल पंपों पर ड्रम और जरीकेन में पेट्रोल-डीजल देने पर प्रतिबंध लगा दिया है। हालांकि किसानों तथा कलेक्टर द्वारा चिन्हित अत्यावश्यक सेवाओं को इस प्रतिबंध से छूट दी गई है। राज्य शासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी तरह की अफवाह या भ्रम में आकर पैनिक खरीदी अथवा इसका संग्रहण न करें। जरूरत के अनुसार सभी उपभोक्ताओं को पेट्रोल और डीजल की सुगम उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए राज्य स्तर पर सभी आवश्यक व्यवस्था की गई हैं।

# भारतीय व्यापार महोत्सव के लिए कैट और आईटीपीओ के बीच एमओयू

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

कैट और इंडिया ट्रेड प्रमोशन आर्गेनाइजेशन के बीच भारतीय व्यापार महोत्सव 2026 के आयोजन को लेकर एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए हैं। यह महोत्सव नई दिल्ली के भारत मंडपम में 12 से 15 अगस्त तक आयोजित किया जाएगा। इसमें भारत के उद्योग जगत की शक्ति और क्षमता का भव्य प्रदर्शन होगा। कैट के राष्ट्रीय वाइस चेयरमैन एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड भारत सरकार के सदस्य अमर पारवानी, छत्तीसगढ़ इकाई के चेयरमैन विक्रम सिंहदेव, अध्यक्ष परमानंद जैन ने संयुक्त रूप से बताया कि देश के व्यापार एवं उद्योग जगत के इतिहास में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स एवं इंडिया ट्रेड प्रमोशन ऑर्गेनाइजेशनके बीच "भारतीय व्यापार महोत्सव 2026 के आयोजन के लिए एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। कैट द्वारा लगातार दिए जा रहे स्वदेशी एवं भारतीय उत्पादों को बढ़ावा देने के आह्वान के अनुरूप इस महोत्सव की थीम मेड इन इंडिया, मेड फॉर इंडिया, मेड फॉर द वर्ल्ड रखी गई है। महोत्सव देशभर के व्यापारियों, उद्योगों,एमएसएमईउस, स्टार्टअप्स, निर्यातकों, कारीगरों, महिला एवं युवा उद्यमियों को एक साझा राष्ट्रीय एवं वैश्विक मंच प्रदान करेगा। इस अवसर पर कैट राष्ट्रीय वाईस चेयरमैन अमर पारवानी ने कहा कि यह भारतीय व्यापारिक समुदाय के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है। पहली बार देश का सबसे बड़ा व्यापारिक संगठन कैट एवं भारत सरकार का प्रमुख व्यापार संवर्धन संगठन आईटीपीओ इतने बड़े स्तर पर एक साथ आकर भारतीय व्यापार एवं उद्योग को वैश्विक मंच प्रदान करने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय व्यापार महोत्सव 2026 केवल एक प्रदर्शनी नहीं, बल्कि भारत की आर्थिक शक्ति, उद्यमिता, नवाचार एवं आत्मनिर्भर भारत के विजन का विराट प्रदर्शन होगा।

# सरकारी विभागों के बिजली कनेक्शन प्रीपैड कराने की योजना खटाई में

**रायपुर।** प्रदेश के सरकारी विभागों के कनेक्शन नए सत्र से अप्रैल से प्रीपैड करने की योजना थी, लेकिन यह योजना खटाई में पड़ गई है। नए सत्र के दो माह समाप्त होने वाले हैं, लेकिन अब तक न तो प्रीपैड के हिसाब से सॉफ्टवेयर बना है और न ही रीचार्ज कूपन तय हुए हैं। पहले चरण में ब्लाक स्तर के सभी सरकारी विभागों के करीब 45 हजार कनेक्शनों को प्रीपैड करने की योजना बनी है। इनको तीन माह का रीचार्ज करना है, किसी भी सरकारी विभाग ने अब तक रीचार्ज भी नहीं कराया है, क्योंकि कूपन ही तय नहीं हो सके हैं। प्रदेशभर में पुराने मीटरों को बदलकर स्मार्ट मीटर लगाने का काम तेजी से चल रहा है। 1.72 लाख सरकारी विभागों में स्मार्ट मीटर लगाए जाने हैं।

### विभागों पर बड़ा बकाया

सरकारी विभागों पर बकाया लगातार बढ़ते जा रहा है। अगस्त 2024 में बकाया 1988 करोड़ था जो बढ़ते-बढ़ते मार्च 2025 में 2444.91 करोड़ हो गया था। अब यह बकाया करीब तीन हजार करोड़ से ज्यादा का हो गया है। इसमें सबसे बड़ा बकाया नगरीय निकायों पर दो हजार करोड़ से ज्यादा का है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग पर 600 करोड़ से ज्यादा है। इसी के साथ अन्य विभागों पर एक करोड़ से लेकर सौ करोड़ तक का बकाया है। यह बकाया मार्च तक 35 सौ करोड़ से ज्यादा का हो गया था। लेकिन इसी के साथ हजार करोड़ से ज्यादा का बकाया मिलने पर इस समय करीब ढाई हजार करोड़ का ही बकाया बचा है, ऐसा पॉवर कंपनी के अधिकारियों का कहना है।

# सरकारी वाहनों के ईंधन की बचत करने अब हर फाइल ई-ऑफिस पर

**रायपुर।** वन मंत्री ने कार्यालय के दैनिक प्रशासनिक कार्यों, फाइल संचालन एवं पत्राचार को पूर्णतः ई-ऑफिस प्रणाली से संचालित करने का निर्णय लिया है। पहले जहां विभागों से प्राप्त होने वाली फाइलें अनुमोदन के लिए ई-ऑफिस प्रणाली के माध्यम से मंत्री कार्यालय तक पहले से ही पहुंच रही थीं, वहीं अब मंत्री कार्यालय से जारी होने वाली फाइलें, आदेश एवं डाक प्रेषण की प्रक्रिया भी ई-ऑफिस के माध्यम से भेजी जा रही है। मंत्री कार्यालय का सम्पूर्ण पत्राचार अब डिजिटल माध्यम से संचालित किया जा रहा है। वन मंत्री ने कहा कि इस व्यवस्था का उद्देश्य केवल प्रशासनिक सुविधा बढ़ाना नहीं, बल्कि ईंधन की बचत, अनावश्यक परिवहन में कमी तथा हरित कार्यालय संस्कृति को बढ़ावा देना भी है। फाइलों एवं दस्तावेजों के भौतिक परिवहन में कमी आने से सरकारी वाहनों के उपयोग और विभागीय आवागमन में कमी आएगी।

**कार्यालय, जिला शिक्षा अधिकारी जिला-रायपुर (छ.ग.)**
website- www.deoraipur.com,
Email :- Deoraipurict@gmail.com, rmsaraipur@gmail.com
Phone No-0771-4002693

**स्वामी आत्मानंद विद्यालय में संविदा भर्ती दावा/आपत्ति की सूचना**

पत्र क्र./सेजेस/संविदा नियुक्ति/2026/715 रायपुर, दिनांक : 22/05/2026

स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम उत्कृष्ट विद्यालय, योजना अंतर्गत रायपुर जिले के विद्यालयों हेतु संविदा भर्ती विज्ञापन क्रमांक/ शिक्षा/ सेजेस/ संविदा भर्ती/2026/648 रायपुर दिनांक 19.02.2026 के अनुक्रम में विभिन्न शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक पदों हेतु दिनांक 20.03.2026 तक ऑनलाईन गूगल फॉर्म के माध्यम से आवेदन आमंत्रित किए गये थे। सभी आवेदनों का विज्ञापन में अंकित नियम एवं शर्तों के अनुसार परीक्षण किया गया तथा पात्र/अपात्र अभ्यर्थी की सूची तैयार की गई है। जिसे जिले की वेबसाईट https://raipur.gov.in/ में देखा जा सकता है। इस संबंध में दावा/आपत्ति दिनांक 26/05/2026 से दिनांक 08/06/2026 तक संलग्न निर्धारित प्रारूप में सीधे स्पीड पोस्ट / पंजीकृत डाक द्वारा कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी, रायपुर टैगोर चौक पेंशन बाड़ा, रायपुर पिन कोड-492001 के पते पर त्रुटि सुधार हेतु दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। साधारण या प्रत्यक्ष में जमा डाक से प्राप्त पत्र दावा आपत्ति अमान्य किया जावेगा।

इस अवधि पश्चात दावा / आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा। दावा/ आपत्ति में आवेदन प्रस्तुत करते समय सुसंगत दस्तावेज ही मान्य है। समस्त शैक्षणिक एवं अन्य दस्तावेज/प्रमाण पत्र आवेदन के अंतिम तिथि के पूर्व का होना अनिवार्य है, इस तिथि के पश्चात जारी प्रमाण पत्र/ अंकसूची मान्य नहीं किये जावेगें। दावा/ आपत्ति निराकरण उपरांत विज्ञापन के शर्तो एवं नियम के अधीन 01 पद के विरूद्ध 10 पात्र अभ्यर्थियों को दस्तावेज सत्यापन के लिए आमंत्रित किया जावेगा। जिसकी तिथि एवं स्थान की सूचना पृथक से जारी की जावेगी। अद्यतन जानकारी के लिए जिले के वेबसाईट https://raipur.gov.in/ का नियमित अवलोकन करते रहे।

संलग्न - निर्धारित प्रारूप।

जिला शिक्षा अधिकारी
जिला रायपुर (छ.ग.)

जी. 262700955/2

**कार्यालय नगर पालिका परिषद् बलरामपुर, जिला बलरामपुर-रामानुजगंज (छ.ग.)**
cmobalrampur123@gmail.com

क्रमांक/619/लो.नि.वि./न.पा./2026 बलरामपुर, दिनांक 19/05/2026

**// पंचम ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना //**

एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अन्तर्गत सक्षम क्षेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्यों हेतु ई निविदा ऑन लाईन आंमत्रित की जाती है। निविदा के संबंध मे विस्तृत विवरण छत्तीसगढ़ शासन के ई प्रोक्यूरमेंट पोर्टल https:/eproc.cgstate.gov.in मे देखा एवं डाउनलोड किया जा सकता है।

| क्रमांक | कार्य का नाम | सिस्टम टेण्डर नम्बर | अनुमानित लागत राशि (लाख में) | अमानत राशि (रूपये में) | निविदा डालने की ऑनलाईन अंतिम तिथि |
|---|---|---|---|---|---|
| 01 | Revamping of Material recovering Facility (MRF) including Instalation and construction of compost Plant in Municipal Areas Balrampur (5th call) | 191307 | 41.84 | 31000.00 | 30/05/2026 समय-5:00 PM |

टीप :- निविदा संबंधित समस्त जानकारी विभागीय वेवसाईट :- www.cguad.gov.in एवं कार्यलयीन समय में कार्यालय के सूचना पटल पर अवलोकन किया जा सकता है।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद् बलरामपुर,
जिला बलरामपुर-रामानुजगंज (छ.ग.)

**कार्यालय नगर पंचायत अंबागढ़ चौकी**
**जिला-मोहला-मानपुर-अं.चौकी (छ.ग.)**

**// ई-प्रोक्योरमेंट प्रथम निविदा सूचना //**

क्रं. / 496 / ई-टेण्डर / लो.नि.वि. / 2026-27 अं. चौकी, दिनांक 21/05/2026

नगर पंचायत अंबागढ़ चौकी के द्वारा एकीकृत पंजीयन प्रणाली के तहत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्न कार्य हेतु ऑनलाइन (Online) के माध्यम से निविदा आमंत्रित की जाती है।

| क्र. | सिस्टम टेण्डर नं. | कार्य का नाम | लागत राशि लाख रूपये में | निविदा ऑन लाईन भरने की अंतिम तिथि |
|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| 1 | 191396 | Design, Construction, Testing, Commissioning of All The Components of Interception and Diversion Based Sewage Treatment Plant (STP) Work Including 05 Years of Operation and Maintenance of The Entire System in NAGAR PANCHAYAT, AMBAGARH CHOWKI under SBM 2.0 | 265.76 | 11/06/2026 |

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा से संबंधित सामान्य शर्ते, धरोहर राशि विस्तृत निविदा, विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय, नगर पंचायत अंबागढ़ चौकी के (लोक कर्म शाखा) एवं वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in से प्राप्त की जा सकती है। उक्त निविदा में किसी भी प्रकार का संशोधन, शुद्धिकरण एवं अमेडमेन्ट हेतु पृथक से विज्ञापन जारी नही किया जावेगा। वेबसाईट में ही प्रकाशित किया जावेगा।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पंचायत अं.चौकी

**कार्यालय नगर पंचायत मारो, जिला- बेमेतरा (छ.ग.)**

क्रमांक / 180 / लो.नि.वि./ न.पं./2026-27 **ई-प्रोक्योरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना** मारो, दिनांक 22/05/2026

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ई-टेण्डर निविदा आमंत्रित की जाती हैः-

| क्रं. | सिस्टम निविदा क्रमांक | कार्य का नाम | प्राक्कलन राशि (लाख में) | रिमार्क |
|---|---|---|---|---|
| 1 | 191395 | वार्ड क्रं. 07 में शॉपिंग कॉम्पलेक्स निर्माण कार्य। (बस स्टैण्ड के सामने) | 99.96 | तृतीय निविदा |
| 2 | 191408 | वार्ड क्रं. 01 से 07 तक मेन रोड में ट्यूबलरपोल स्ट्रीट लाईट स्थापना कार्य। | 37.46 | द्वितीय निविदा |
| 3 | 191416 | वार्ड क्र. 08 से 15 तक मेन रोड में ट्यूबलरपोल स्ट्रीट लाईट स्थापना कार्य। | 37.87 | द्वितीय निविदा |

उपरोक्तानुसार ऑनलाईन द्वारा तृतीय निविदा (191395) दिनांक 20/05/2026 समय 17:30 बजे से एवं द्वितीय निविदा (191408) एवं (191416 ) दिनांक 20/05/2026 समय 21:00 बजे से आमंत्रित की जाती है। निविदा के संबंध में विस्तृत विवरण छ०ग० शासन के ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल http//eproc.cgstate.gov.in व विभागीय वेबसाईट uad.cg.gov.in में देखा एवं डाउनलोड किया जा सकता है। निविदा आमंत्रण से संबंधित किसी भी प्रकार की संशोधन सूचना विभाग की वेबसाईट में प्रसारित की जायेगी, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत मारो, जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

**कार्यालय नगर पालिक निगम, बिलासपुर (छ.ग.)**
जोन क्रमांक-06 तोरवा सामुदायिक भवन
E-mail - zone06bmc@gmail.com Website - www.bmcbilaspur.com

क्रमांक 2806/न.पा.नि./राजस्व-06/2026-27 **स्वामित्व नामांतरण आम - सूचना** बिलासपुर दिनांक 21/05/2026

**हक हस्तांतरण एवं कर निर्धारण के खातों में नाम परिवर्तन संबंधी सूचना**

कर संपत्तिकर विभाग नगर पालिक निगम बिलासपुर द्वारा विज्ञापन सन् 2024-25 हक हस्तांतरण एवं कर निराकरण के खातों में नाम परिवर्तन के संबंध में जोन कार्यालय -06 सामुदायिक भवन तोरवा में आवेदन प्राप्त हुये है। यदि किसी व्यक्ति या संस्था को किसी प्रकार की आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो इस सूचना प्रकाशन तिथि से 15 दिवस के भीतर जोन क्र. 06 सामुदायिक भवन तोरवा नगर निगम कार्यालय बिलासपुर (छ.ग.) के कार्यालय में आपत्ति आवेदन प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित अवधि समाप्ति के पश्चात आपके द्वारा प्रस्तुत आपत्ति पर विचार नही किया जायेगा।

| क्र. | वार्ड क्र. | प्रकरण क्र. वा. दिनांक | जिनके नाम पर दर्ज है | जिनके नाम पर दर्ज करना है | संलग्न दस्तावेज |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 42 | 16382/09 10-04-26 | जीवन ज्योति सोनवानी पति अनिल सोनवानी | आर.संगीता सोनवानी पति राधे कुमार सोनवानी | रजिस्ट्री पत्र, शपथ पत्र, बी-1, पी-2, संपत्तिकर रसीद |
| 2 | 45 | 16382/10 13-04-26 | दीपक कुमार बजाज पिता मुरली मनोहर बजाज | सलानाविन/एस.डी.वी. एस. एन. मूर्ति, 2. एस. पद्मा पति एस.डी. वी. एन. मूर्ति | रजिस्ट्री पत्र, शपथ पत्र, डाईवर्सन पत्र, बी-1, पी-2 |
| 3 | 41 | 16382/11 13-04-26 | जी. भारती / जी. गंगा राजू | राजू प्रसाद गुप्ता / रामचंद्र गुप्ता | रजिस्ट्री पत्र, शपथ पत्र, डाईवर्सन पत्र, बी-1, पी-2 |
| 4 | 39 | 16382/12 13-04-26 | दिनेश चौकसे / रामदयाल चौकसे | नीलम मिठानी पति धीरज लाल मिठानी | रजिस्ट्री पत्र, शपथ पत्र, डाईवर्सन पत्र, बी-1, पी-2 |
| 5 | 44 | 16382/13 20-04-26 | फगुवा यादव पिता बोधिराम यादव | 1. प्रभा यादव पति शत्रुहन यादव 2. हेमंत, अमन, हेमलता, पूजा, पिता शत्रुहन | राजस्व आदेश, बी-1, पी-2, संपत्तिकर रसीद, शपथ पत्र |
| 6 | 44 | 16382/14 20-04-26 | फगुवा यादव पिता बोधिराम यादव | अर्जुन, संतोषी, सरोजनी पिता बेदवा, संकुद पति बेदवा | राजस्व आदेश, बी-1, पी-2, संपत्तिकर रसीद, शपथ पत्र, |
| 7 | 44 | 16382/15 20-04-26 | फगुवा यादव पिता बोधिराम यादव | पूनम, रानू, मीना पिता नंद | राजस्व आदेश, बी-1, पी-2, संपत्तिकर रसीद, शपथ पत्र |
| 8 | 44 | 16382/16 20-04-26 | राजलक्ष्मी नायडू पिता ए. एम. पी. राव 2. गौरी सिंह पति सुरेश सिंह | उजाला कुमार/विकास चंद सिंह | रजिस्ट्री पत्र, शपथ पत्र, डाईवर्सन पत्र, बी-1, पी-2 |
| 9 | 39 | 16382/17 20-04-26 | विजयलक्ष्मी कमलापुरी/ के. एस. पी. राव | बलवंत सिंह/स्व. बुधेश्वर सिंह | रजिस्ट्री पत्र, शपथ पत्र, डाईवर्सन पत्र, बी-1, पी-2 |
| 10 | 44 | 16382/18 21-04-26 | श्री यल्लापु रवि पिता वाई. सूर्या राव | नितिन कुमार सक्सेना / शांति स्वरूप सक्सेना | रजिस्ट्री पत्र, शपथ पत्र, डाईवर्सन पत्र, बी-1, पी-2 |
| 11 | 45 | 16382/19 22-04-26 | जय मेवलानी पिता विष्णु लाल मेवलानी | उमेश कुमार मटानी / स्व. मेहरामल मटानी | रजिस्ट्री पत्र, शपथ पत्र, डाईवर्सन पत्र, बी-1, पी-2 |
| 12 | 38 | 16382/20 23-04-26 | ऋतु छाबड़ा पति मनीष छाबड़ा | किशनी लाल छाबड़ा / स्व. प्रीतम छाबडा | रजिस्ट्री पत्र, शपथ पत्र, डाईवर्सन पत्र, बी-1, पी-2 |
| 13 | 39 | 16382/21 24-04-26 | सरवती पाण्डेय पति बी. पी. पाण्डेय | शुभम् पाण्डेय पिता स्व. चंद प्रकाश पाण्डेय | राजस्व आदेश, बी-1, पी-2, संपत्तिकर रसीद, शपथ पत्र |
| 14 | 39 | 16382/22 24-04-26 | हेमंत कुमार जोशी पिता चन्द्रदत्त जोशी | संकुशल मंडल पिता अजित मंडल 2. आशालता मंडल पति संकुशल | रजिस्ट्री पत्र, शपथ पत्र, डाईवर्सन पत्र, बी-1, पी-2 |
| 15 | 38 | 16382/23 04-05-26 | बेदुला सुब्रमणियम पिता स्व. वी. आर. नारायण | अरविंद कुमार / श्री सुरेश चंद्र कुमार | रजिस्ट्री पत्र, शपथ पत्र, डाईवर्सन पत्र, बी-1, पी-2 |
| 16 | 41 | 16382/24 06-05-26 | उमा बाई / जनक लाल | भवानी बाई साहू/ फतेराम | रजिस्ट्री पत्र, शपथ पत्र, डाईवर्सन पत्र, बी-1, पी-2 |
| 17 | 45 | 16382/25 06-05-26 | हिमा गुप्ता / स्व. अजय कुमार गुप्ता | प्रिया कुमारी पति आलोक कुमार तिवारी | रजिस्ट्री पत्र, शपथ पत्र, बी-1, पी-2 |
| 18 | 39 | 16382/26 11-05-26 | अनुप कुमार सेन गुप्ता / स्व. अजित कुमार सेनगुप्ता | पंकज मानिकपुरी पिता स्व. जवाहर दास मानिकपुरी | रजिस्ट्री पत्र, शपथ पत्र, डाईवर्सन पत्र, बी-1, पी-2 |
| 19 | 39 | 16382/27 14-05-26 | अनुप कुमार सेन गुप्ता / स्व. अजित कुमार सेनगुप्ता | शीतला मानिकपुरी/स्व. जवाहर दास मानिकपुरी | रजिस्ट्री पत्र, शपथ पत्र, डाईवर्सन पत्र, बी-1, पी-2 |
| 20 | 39 | 16382/28 14-05-26 | सुबोधनी बाई अग्रवाल / स्व. विपिन बिहारी अग्रवाल | मदनलाल अग्रवाल/स्व. विपिन बिहारी अग्रवाल | शपथ पत्र,, बी-1, पी-2, संपत्तिकर रसीद, मृत्यु प्रमाण पत्र |
| 21 | 45 | 16382/29 14-05-26 | ममता रानी मानिक पति स्व. आर. पी. मानिक | चंद्रकांत मानिक / आर. पी. मानिक | रजिस्ट्री पत्र, शपथ पत्र, डाईवर्सन पत्र, बी-1, पी-2 |
| 22 | 45 | 16382/30 14-05-26 | शशिकांत चौधरी पिता दामोदर राव चौधरी | राम कुमार पटेल/दीनदयाल पटेल | रजिस्ट्री पत्र, शपथ पत्र, बी-1, पी-2, |
| 23 | 46 | 16382/31 15-05-26 | दीप आशा पति प्रकाश कुमार, हेमलता पानीग्रह- संतोष कुमार | नागेश कुमार रत्नाकर / शिव कुमार रत्नाकर | रजिस्ट्री पत्र, शपथ पत्र, बी-1, पी-2, संपत्तिकर रसीद, डाईवर्सन |
| 24 | 42 | 16382/32 18-05-26 | सती पनागर पति मन्नू पनागर | नईमुर्रहमान पिता एम रहमान | रजिस्ट्री पत्र, शपथ पत्र, बी-1, पी-2, संपत्तिकर रसीद, डाईवर्सन |
| 25 | 39 | 16382/33 18-05-26 | प्रदीप कुमार जेठवा पिता चुन्नी लाल | पंकज मानिकपुरी पिता जवाहर दास मानिकपुरी | रजिस्ट्री पत्र, शपथ पत्र, बी-1, पी-2, संपत्तिकर रसीद, डाईवर्सन |
| 26 | 45 | 16382/34 20-05-26 | ममता कुमार रॉव पिता जी व्ही. चलपट रॉव | कार्तिक कुमार पिता विक्रम कुमार साह | रजिस्ट्री पत्र, शपथ पत्र, बी-1, पी-2, संपत्तिकर रसीद, डाईवर्सन |
| 27 | 40 | 16382/35 20-05-26 | तिलारी देवी शर्मा पति कामेश्वर प्रसाद शर्मा | डॉ. उमेशचंद्र शर्मा पिता कामेश्वर शर्मा | न्यायलय आदेश, शपथ पत्र, बी-1, पी-2, |

वृक्षारोपण कार्य महान, एक वृक्ष सौ पुत्र समान

जोन कमिश्नर, जोन क्र.06 तोरवा न.पा.नि. बिलासपुर (छ.ग.)

## प्रथम पृष्ठ का शेष

### जंगल में जल... वन...

सौर ऊर्जा से संचालित बोर से सौसर में पानी भर रहे हैं। गर्मी के दिनों में वन्यजीव शाम पांच बजे के बाद पानी की तलाश में निकलते हैं, रात नौ बजे तक सौसर में वन्यजीव पानी पीने के लिए आते हैं। इसके बाद तड़के पांच बजे से सात बजे के बीच वन्यजीव पानी की तलाश में निकलते हैं। सौसर में पानी की कमी होने पर पानी की व्यवस्था की जाती है। पानी की व्यवस्था करने वन विभाग अपने खुद के टैंकर के अलावा किराए से टैंकर लेकर वन्यजीवों के लिए पानी की व्यवस्था करते हैं।

### यूएसटीआर से एटीआर ....

सारंगढ़-बिलाईगढ़ वनमंडल के हैं। इसी तरह से सौसर में कोरिया वनमंडल के साथ उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व में सौर ऊर्जा से संचालित बोरवेल से तालाब तथा सौसर में पानी भरने के फोटो है। कोरिया वनमंडल में टैंकर के माध्यम से सौसर में पानी भरा जा रहा है।

### बिलासपुर-कोरबा में दिन ....

ना हो सके। इसके लिए आमादोब, चिरई डबरा, छपरवा सहित अन्य स्थानों पर सासर में दिन में तीन से चार बार पानी भरा जा रहा है। इससे वन्य प्राणी भी शहर और गांव की ओर रुख नहीं कर रहे हैं। कोरबा के पसरखेत रेंज सहित अन्य क्षेत्रों में जलकुंड बनाए गए हैं। आम लोगों की पहुंच से दूर घने जंगल में यहां वन्य प्राणी प्यास बुझाते दिखते हैं।

### रायपुर में अवैध ....

दुर्ग, कांकेर सहित अन्य जिलों में खनिज विभाग की टीम ने अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर कार्रवाई करते हुए चेन माउंटेन मशीनों के साथ हाईवा गाड़ियों को जब्ती बनाया है। इस कार्रवाई से अब रेत माफिया में भी हड़कंप मचा हुआ है। इस कार्रवाई के डर से कई जिलों के खदानों में रेत का अवैध उत्खनन भी बंद हो गए हैं। 0 **धमतरी और बालोद से पहुंच रही रेत**-राजनांदगांव जिले में लगातार हो रही कार्रवाई के चलते ज्यादातर रेत बालोद और धमतरी जिले से पहुंच रही है। यहां रातभर अवैध रेत की वाहनें चलती है। जिसका क्रम सुबह लगभग 6 बजे तक जारी रहता है। वहीं शहर में पहुंची 600 फीट अवैध रेत को माफियाओं द्वारा 19 हजार से 21 हजार रुपए तक में बेचा जा रहा है । **बिलासपुर सरगुजा संभाग में खनिज अमले की ताबड़तोड़ कार्रवाई**- खनिज विभाग की ताबड़तोड़ कार्रवाई ने रेत माफिया की कमर तोड़ दी है। खनिज विभाग ने दो पोकलेन मशीन व एक जेसीबी सहित 23 वाहनों की जब्ती की है। जब्त किए गए सारे वाहन थाने के सुपुर्द किए गए हैं। खनिज , पुलिस, राजस्व विभाग एवं जिला स्तर पर गठित टास्क फोर्स की संयुक्त टीम के द्वारा पिछले एक सप्ताह से लगातार कार्रवाई की जा रही है। कार्रवाई के अंतर्गत ग्राम महमंद (सीपत क्षेत्र) में खनिज परिवहन कर रहे वाहनों की जांच के दौरान बिना वैध अभिवहन पास के रेत परिवहन करते पाए जाने पर दो हाईवा को जब्त किया गया। इनमें से एक वाहन को जांच चौकी लावर लाया गया, जबकि दूसरे वाहन का चालक वाहन को सड़क के बीच छोड़कर चाबी लेकर फरार हो गया। खनिज विभाग द्वारा 20 मई तक चकरभाठा, बोदरी, सकरी, बेलगहना, रतनखण्डी, करहीकछार, सलका, पोड़ी, महमंद, लालखदान, मंगला, मस्तूरी, चौरभट्ठी एवं लखराम सहित विभिन्न क्षेत्रों में जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान बिना वैध दस्तावेज के खनिज परिवहन करते पाए जाने पर अवैध रेत परिवहन के 14 प्रकरण दर्ज किए गए। कार्रवाई के तहत 12 हाईवा, 7 ट्रैक्टर और 1 माजदा वाहन जब्त कर थाना सकरी, चकरभाठा, कोटा, सरकण्डा तथा जांच चौकी लावर में सुरक्षित रखा गया है। ग्राम सोढ़खुर्द एवं करहीकछार से 2 पोकलेन मशीनें तथा मुरूम के अवैध उत्खनन में संलिप्त एक जेसीबी मशीन को चौरमट्टी क्षेत्र से जब्त किया गया है। **कार्रवाई अभी लगातार जारी रहेगी**- रेत के अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण को लेकर पिछले पंद्रह दिनों से विभाग के द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसके अंतर्गत अब तक एक जेसीबी, एक चेन माऊंटेन, दो पोकलेन व 20 हाईवा सहित कुल 26 वाहनों की जब्ती की है। शासन के निर्देशानुसार इस तरह की कार्रवाई अभी लगातार जारी रहेगी। किशोर कुमार गोलघाटे, उपसंचालक खनिज विभाग, रायगढ़ में सख्त कार्रवाई, **17 वाहन , मशीनें जब्त**- रायगढ़ में बीते सप्ताह भर में अवैध खनन और परिवहन करने वाले करीब 17 वाहनों को जब्त किया गया है। इन वाहनों के मालिकों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। जब्त वाहनों में 6 हाइवा, 2 ट्रेलर, 5 ट्रेक्टर, 1 ट्रेक्टर लोडर, 2 जेसीबी और 1 चैन माउंटेन मशीन शामिल है। जिले के 15 रेत घाटों की नीलामी तो हुई है, लेकिन पर्यावरणीय स्वीकृति नहीं मिलने के कारण अब तक वैध तरीके से चालू नहीं हो सका है। ऐसे हालात में इन रेत घाटों से अवैधानिक तरीके से रेत निकाली भी जा रही है। हालांकि इन घाटों से रेत खनन रोकने रात को माइनिंग अधिकारी टीम के साथ पहरा दे रहे हैं। इसी कड़ी में अवैध रेत खनन और परिवहन के खिलाफ बीते एक सप्ताह में ताबड़तोड़ कार्रवाई की गई है। इस कार्रवाई के दौरान अवैध खनन और परिवहन में लगे करीब 17 वाहनों को जब्त किया गया है। इन वाहनों में रेत और चूना पत्थर लोड़ था। सहायक खनि अधिकारी आशीष गड़पाले और जिला खनिज जांच दल द्वारा अभियान चलाकर अवैध खनिज कारोबार में संलिप्त व्यक्तियों और वाहनों पर कार्रवाई की गई। खनिज जांच दल द्वारा ग्राम छिरभौना विजय कुमार यादव के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 1 जेसीबी एवं 3 ट्रेक्टर जब्त किया गया हैं। वहीं चन्द्रशेखरपुर, में रितेश गुप्ता के खिलाफ कार्रवाई कर 1 चैन माउंटेन मशीन, 1 जेसीबी और 2 हाइवा जब्त किया गया। इसी तरह लेबड़ा में चेतक पटेल के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 1 ट्रेक्टर लोडर एवं 2 हाइवा जब्त किया। इसके अतिरिक्त अवैध परिवहन के मामलों में चूना पत्थर खुदाई के 4 प्रकरण एवं रेत के दो प्रकरणों में हाइवा एवं ट्रेक्टरों पर भी कार्रवाई की गई है।ग्राम लेबड़ा में दबिश देकर अवैध रेत उत्खनन में लगी एक चैन माउंटेड मशीन पोकलेन को जब्त कर सील किया गया। वहीं ग्राम रानीगुड़ा में कार्रवाई करते हुए एक जेसीबी और तीन ट्रैक्टर जब्त किया गया है। **अवैध खनन, परिवहन पर कार्रवाई जारी**- बीते सप्ताह भर में अवैध रेत खनन और चूना पत्थर परिवहन के खिलाफ अभियान चलाकर कार्रवाई की गई है। इस दौरान अवैध खनन और परिवहन करने वाले करीब 17 वाहन जब्त किया गया है, वाहन मालिकों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। रमाकांत सोनी, माइनिंग अधिकारी, रायगढ़, **कोरबा में दो मामलों में - डेढ़ लाख जुर्माना**- कोरबा। कोरबा में भी खनिज विभाग लगातार कार्रवाई कर रहा है।ग्राम कछार और धनरास में अवैध रुप से मिट्टी का उत्खन्न किया जा रहा था। उस दौरान भी दबिश देकर मशीन को जब्त किया गया है। पिछले 1 से 22 मई तक खनिज विभाग की टीम ने अवैध विभाग के दो प्रकरण दर्ज कर डेढ़ लाख रुपए अर्थदंड किया है। खनिज विभाग की टीम ने अवैध परिवहन के कुल 16 प्रकरण दर्ज किए गए हैं और जिस पर कुल 8 लाख 50 हजार 321 रुपए बतौर अर्थदंड वसूला किया गया है। खनिज उपसंचालक प्रमोद कुमार नायक ने जानकारी देते हुए बताया कि शहर सहित आउटर में रेत की किसी तरह की समस्या ना हो इसके लिए खनिज विभाग लगातार प्रयास कर रहा है और अधिक से अधिक रेत घाट खोलने का प्रयास कर रहा है। मौजूदा स्थिति में जिले में कुल 18 रेत घाट संचालित हो रहे हैं। जिसमें भैंसामुड़ा, कुदमुरा-1, गितारी, चारपारा, बगदरा, बैरा, चिचोली, कछार, कटबीतला, जिल्गा, गेवरा, चुईया, घमोटा, दुल्लापुर, धवईंपुर, तरदा, भिलाईखुर्द, जोगीपाली, सिर्री शामिल हैं। लगातार हो रही है कार्रवाई। 1 मई से अब तक जिले में रेत और मिट्टी के अवैध उत्खनन के दो मामले दर्ज किए गए हैं। जिनसे 1 लाख 60 हजार 500 रुपए अर्थदंड आरोपित किया गया है। जबकि अवैध परिवहन के कुल 16 प्रकरण दर्ज किए गए हैं जिनसे 8 लाख 50 हजार 321 रुपए अर्थदंड की राशि वसूल की गई है। खनिज विभाग की टीम लगातार अवैध रेत खनन व परिवहन करने वालों के खिलाफ कार्यवाही कर रही है। प्रमोद कुमार नायक, खनिज विभाग कोरबा, **जांजगीर में दो दर्जन से अधिक वाहन-जप्त,जेसीबी व चैन माउंटेन सील**- जांजगीर चांपा जिले में सप्ताह भर में संयुक्त टीम ने दो दर्जन से अधिक गाड़ियों को पकड़ा है और जेसीबी व चैन माउंटेन भी सील की गई है। शनिवार 23 में को जांच के दौरान केवा-पिपर्दा मध्य हसदेव नदी से रेत अवैध खनन में संलिप्त 1 जेसीबी मशीन को जब्त किया गया। इसके साथ ही बिर्रा एवं केवा (नवापारा), हाथनेवरा क्षेत्र का जांच किया गया। जांच के दौरान रेत अवैध परिवहन में संलिप्त 07 वाहनों जिसमें वाहन 3 हाईवा और 04 ट्रैक्टर को जब्त किया गया। जब्त वाहनों में से 06 को पुलिस लाइन खोखरा एवं 1 ट्रैक्टर को पुलिस थाना बिर्रा में सुरक्षार्थ रखा गया है। सरगुजा के तीन जिलों में कार्रवाई, **28 वाहन, एक पोकलेन जब्त-5 स्थानों पर भंडारित रेत जब्त**- संभाग के सरगुजा जिले में 3 ट्रैक्टर पकड़े गए जबकि 5 स्थानों पर अवैध रूप से भंडारित किए गए रेत को भी जब्त किया गया है। वहीं सूरजपुर जिले में 8 ट्रैक्टर रेत अवैध परिवहन करते हुए पकड़ा गया है। अवैध रेत उत्खनन और परिवहन के खिलाफ सबसे अधिक कार्रवाई बलरामपुर जिले में हुई है। यहां 17 वाहनों को रेत के अवैध परिवहन मामले में जब्त किया गया। इसके साथ बीती सनावल थाना क्षेत्र के पचावल स्थित पांगन नदी में एक पोकलेन मशीन को अवैध उत्खनन के मामले में सील किया गया है। इन कार्रवाई से रेत उत्खनन और परिवहन करने वालों में हड़कंप मच हुआ है। **चल रही है कार्रवाई**- जिले में अवैध रेत उत्खनन और परिवहन के खिलाफ कार्रवाई चल रही है। हाल ही में 5 स्थानों पर अवैध रेत के भंडारण समेत 3 ट्रैक्टर रेत जब्त किया है। जिले में तीन घाटों से ही रेत निकालने की अनुमति है शेष की प्रक्रिया चल रही है। अनिल कुमार साहू, जिला खनिज अधिकारी, सरगुजा

### धमतरी में लगातार ....

उत्खनन और परिवहन बदस्तूर जारी है। खनिज विभाग के अनुसार जिले में 14 वैध खदान है। इनमें दर्री, सोनेवारा, अरौद, लीलर, परेवाडीह, गाड़ाहीह, नारी, परखंदा, मंदरौद, दोनर, गिरौद, बुड़ेनी, चंद्रसूर, गिरौद खदान शामिल है।

### सरकार किराए पर ....

ने 'गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस' के माध्यम से एक बड़ा ग्लोबल टेंडर (वैश्विक निविदा) जारी किया है। इस पूरे सौदे की अनुमानित लागत 105 करोड़ रुपये आंकी गई है। **आसमान में चलता-फिरता 'वीआईपी दफ्तर'**- नया हेलीकाप्टर पूरी तरह वातानुकूलित और विश्वस्तरीय वीआईपी सुख-सुविधाओं से लैस होगा।

### 'वेट लीज' मॉडल पर 3 ....

जिम्मेदारी उसे उपलब्ध कराने वाली निजी कंपनी की होगी। सरकार ने इस अनुबंध की अवधि 3 वर्ष तय की है, जिसके तहत महीने में कम से कम 20 दिन की उड़ान सुनिश्चित किया गया है।

### 3 जून को ....

करोड़ रुपये होना अनिवार्य है। साथ ही कंपनी को एविएशन सेक्टर में समान वीआईपी सेवाएं देने का कम से कम 5 साल का अनुभव होना चाहिए। इच्छुक कंपनियां 03 जून, 2026 को दोपहर 2:00 बजे तक अपनी बोलियां जमा कर सकती हैं, जिसके ठीक आधे घंटे बाद तकनीकी बोलियां खोल दी जाएंगी।

### युद्ध की आग में ...

और डीजल पर हुआ है। युद्ध के कारण इसकी किल्लत से परेशानी बढ़ी है। सबसे पहले रसोई गैस की किल्लत ने आम आदमी को परेशान किया। कमर्शियल गैस के साथ पांच किलो के छोटे सिलेंडर के दाम बढ़े। उसकी वजह से बाहर की थाली महंगी हो गई। चाय-नाश्ता महंगा हो गया।

### यूपीएससी आज ...

तरह की अप्रिय घटना ना हो, इसके लिए प्रत्येक परीक्षा केंद्र में पांच पुलिस कर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है।

### देश के कई ...

विषाक्तता से जूझ रहे हैं। तेलंगाना के राजस्व मंत्री पी. श्रीनिवास रेड्डी ने बताया कि राज्य में लू की स्थिति के कारण सात जिलों में 16 लोगों की मौत हो चुकी है।

### 7 घंटे, 40 दमकल...

हीरो होण्डा शोरूम तक भी पहुंच गई। इस घटना की वजह से पूरे इलाके में अफरा-तफरी की स्थिति निर्मित हो गई। आसमान में उठते काले धुएं का गुब्बार कई किलोमीटर दूर से दिखाई दे रहे थे। जूट मिल पुलिस और दमकल वाहन पहुंचे, लेकिन आग पर काबू पाना मुश्किल हो रहा था। समाचार लिखे जाने तक आग पर काबू पाने के लिए करीब 40 से अधिक दमकल वाहन मौके पर पहुंच कर कोशिश कर रहे हैं, लेकिन आग की लौ इतनी तेज है कि भीतर जाने की हिम्मत कोई नहीं जुटा पा रहा है।

### दो पत्नियां, हरदम...

उतार लिया है। युवक के नीचे आते ही प्रशासन और ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है। शुरुआत में इस कदम के पीछे सिर्फ नशा और मानसिक तनाव बताया जा रहा था, लेकिन रेस्क्यू के दौरान युवक के टावर पर चढ़ने की असली और हैरान कर देने वाली वजह सामने आई। टावर पर चढ़ा युवक यादराम साहू पेशे से किसान है। उसकी दो पत्नियां है, जिनकी आपस में बिल्कुल नहीं बनती। इसी वजह से घर में लगातार पारिवारिक कलह चल रही थी। **अनोखी डिमांड** : युवक की मांग थी कि उसकी दोनों पत्नियां आपसी विवाद छोड़कर उसके साथ एक ही घर में रहें। इसी मांग को लेकर वह शनिवार सुबह अपने ट्रैक्टर से टावर तक पहुंचा और अत्यधिक शराब के नशे में 50 फीट ऊपर जा बैठा।

### किस्तों में मिलेगा ...

गया है। यह कहा गया है कि खरीफ 2025 में किसानों को वितरित यूरिया की 80 प्रतिशत और डीएपी की 60 प्रतिशत मात्रा ही खरीफ 2026 में दी जाएगी। यूरिया की शेष 20 प्रतिशत मात्रा पारंपरिक यूरिया उपलब्ध होने पर वितरित की जाएगी, अन्यथा नैनो यूरिया के रूप में दी जाएगी। वहीं डीएपी की शेष 40 प्रतिशत मात्रा अन्य वैकल्पिक एनपीके उर्वरकों अथवा नैनो डीएपी के माध्यम से उपलब्ध कराई जाएगी। विभाग ने यह भी साफ किया है कि किसी भी परिस्थिति में किसानों को नैनो उर्वरक लेने के लिए बाध्य नहीं किया जाएगा। नैनो यूरिया और नैनो डीएपी का उपयोग पूरी तरह वैकल्पिक रहेगा।

Skin Care
डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं
• लेजर हेयर रिमूवल • कैमिकल पीलिंग
• हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी
• कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

Sai Care Hospital
श्री सांई केयर हॉस्पिटल
डॉक्टर से सेकंड ओपिनियन, बिना किसी फीस हर सामेवार शाम।
फ्री ओपीडी सेवा महीने के प्रत्येक सोमवार समय: शाम 5 बजे से 7 बजे तक
उपलब्ध सेवायें
कैंसर केयर, डायबिटिक केयर, पाईल्स केयर
डायबिटीज (मधुमेह) उपचार · लिवर व किडनी रोग
पाइल्स (बवासीर) का ऑपरेशन · थाइरॉयड सर्जरी
हाई ब्लड प्रेशर (उच्च रक्तचाप) · ब्रेस्ट लंप / ट्यूमर सर्जरी
आयुष्मान कार्ड द्वारा निःशुल्क ईलाज सुविधा उपलब्ध
शिव मंदिर के पास, अवंती विहार, तेलीबांधा, रायपुर (छ.ग.) | बुक अपॉइंटमेंट : 0771-4020089, 9630067422

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
» प्रसूति » नवजात » शिशु रोग
» बांझपन » सोनोग्राफी » आयुष्मान कार्ड
» बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन » अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

JHAIGO झाईगो 5+1 Cream
तो फिर क्या..
बस इस बार झाईगो क्रीम उपयोग कर देखें।
चेहरे को दागों से मुक्त कर सुंदरता बढ़ाये...
क्या आपके... चेहरे पर झाईयां है? आंखो पर काले घेरे हैं?
चेहरे पर मुहाँसे के काले निशान है? या जले या चोट के निशान है?

वैदेही तुलसी कफ सीरप
नई एवं पुरानी खांसी, एलर्जी खांसी, श्वास, निमोनिया, कुकुरखांसी, टान्सिल, ब्रानकाटिस, सर्दी आदि में तेज असर कारक
2 वर्ष से बड़े बच्चों के लिए हानिरहित कफ सिरप
HMS देखकर खरीदें एक बार उपयोग कर देखें 94060-21769

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

## आवश्यकता है

**आवश्यकता है-** सोशल मिडिया, विडियो एडिटिंग, मार्केटिंग, टेलीकॉलिंग के लिए ग्राफिक डिजाईनर एवं कंटेंट क्रियेटर लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है सम्पर्क इविन्सपब पब्लिशिंग, कोनी बिलासपुर 6260711728, 9907575798 (40943)

**आवश्यकता है-** घर की गाड़ी चलाने के लिए अनुभवी नशामुक्त ड्राइवर एवं चौकीदार (परिवार के साथ) की आवश्यकता है रहने के लिए रूम मिलेगा सम्पर्क करें- 7583808008 (40948)

**आवश्यकता है-** सुरक्षा गार्ड चाहिए (1) कोनी में 8घंटे ड्यूटी वेतन 10000 (2) सरकंडा में 8घंटे ड्यूटी वेतन 10000 (3) सिरगिट्टी में 12घंटे ड्यूटी वेतन 11000 सम्पर्क करें एस.एस. सिक्यूरिटी बिलासपुर 7974691463 (40942)

**आवश्यकता है-** डिस्ट्रीब्यूटर के यहां सेल्स, मार्केटिंग, डिलीवरी ब्वॉय, आफिस ब्वॉय आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 99811 37187 (40934)

**आवश्यकता है-** टिफिन सेन्टर में घर जैसा खाना, नाश्ता बनाने हेतु कुक चाहिए। महिला, पुरुष (जो नशामुक्त हो) पता- पद्मावती नाश्ता और टिफिन सेन्टर दिल्ली आईएएस अकादमी के पास मंगला बिलासपुर 9755655055 (40944)

**आवश्यकता है-** बच्चों को देखने के लिए, कार्यवाहक महिला की आवश्यकता है उम्र 18 से 30 साल, वेतन 20000, रहना और खाना फ्री, बैंगलोर के लिए। सम्पर्क करें- शंकर नगर बिलासपुर 7276622438 (40945)

**आवश्यकता है-** Zee Guard सोलर इंडस्ट्रीज को Sales Manager Salary 20-25000, Operation Manager Salary- 20-25000 Solar Installer Salary 15000 से 17000 Solar Helper Salary 12000 Counselor Salary 15000-17000 की। सम्पर्क करें- 8085045559 (40918)

**आवश्यकता है-** फैक्ट्री में लोडिंग, अनलोडिंग हेतु हमाल की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- श्री शारदा इण्डस्ट्रीज, इण्डस्ट्रीयल एरिया,, तिफरा बिलासपुर 7869919759 (40903)

**Vacancy-** CA Office, Bilaspur Requires Account Executives & Office Assistants (2 Posts). Knowledge of English, Tally Prime, Billing & MS Office. Freshers/ Experienced may apply. Salary negotiable. Whats App Resume/ Call 77729 50008 (40947)

**आवश्यकता है-** रेडिमेड शोरूम में मेन्स वियर, लेडिस वियर, साड़ी के लिये अनुभवी सेल्समैन युवक/ युवती की आवश्यकता है। आकर्षक वेतन सम्पर्क करें- नेशनल होजयरी NX सदर बाजार बिलासपुर (40946)

**आवश्यकता है-**बिलासा ट्रांसपोर्ट को Bolero PicUp, छोटा हाथी एवं Scorpio चलाने वाले कुशल ड्राइवर की आवश्यकता है। वेतन 10000 से 15000 तक (PF, Medical, भत्ता अलग से) सम्पर्क करें- 80850 45559 (40936)

**आवश्यकता है-** घर में रहकर घरेलू खाना बनाने के लिए अनुभवी पुरुष कुक (व्यक्ति) की आवश्यकता है सम्पर्क करें-9827195555 (40927)

**आवश्यकता है-**चश्मा शोरूम में काम करने हेतु सेल्समेन चाहिए वेतन 8000 से 15000 योग्यतानुसार आधार कार्ड सहित सम्पर्क करें- गुरुनानक चश्मा राजीव प्लाजा जिला चिकित्सालय के सामने पुराना बस स्टैण्ड बिलासपुर (40928)

**आवश्यकता है-**रात (नाइट ड्यूटी) में काम करने के लिए वेटर की आवश्यकता है ग्रामीण को प्राथमिकता+ रहने की सुविधा। आधार कार्ड सहित सम्पर्क करें- किरण लॉज गांधी चौक बिलासपुर (40911)

**आवश्यकता है-** मेडिकल कालेज एवं यूनिवर्सिटी रायपुर में सिक्यूरिटी हेड, सुपरवाइजर सिक्युरिटी गार्ड की आवश्यकता है सेवानिवृत्त सैनिक, अर्धसैनिक बल के कर्मचारियों को प्राथमिकता (वेतन सिक्युरिटी हेड- 35000 से 50000, सुपरवाइजर, सिक्युरिटी गार्ड- 15000) पता- एक्समैन सिक्यूरिटी सर्विस वैशाली टॉवर हेमू नगर बिलासपुर 6263900911, 9754713125 (40929)

**आवश्यकता है-**बिल्डिंग मटेरियल की मार्केटिंग, फील्ड कार्य हेतु अनुभवी सेल्समैन की आवश्यकता है एमबीए पास व्यक्ति को प्राथमिकता, वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- अजय फ्रेब्रिकेशन तेलीपारा मेन रोड बिलासपुर 9826152996 7722890905 (40917)

**आवश्यकता है-** होटल में कार्य हेतु कम्प्यूटर ऑपरेटर चाहिए। (सुबह 8बजे से शाम 8बजे) वेतन 11000 से 18000 सम्पर्क- होटल रॉयल रामा पुराना बस स्टैण्ड के पास टेलीफोन एक्सचेंज रोड बिलासपुर 9893392495 (40930)

**आवश्यकता है-** एम्बियंस इंफ्रा ग्रुप बिलासपुर को आवश्यकता है सेल्स मैनेजर- 2पद अनुभव- न्यूनतम 05 साल (रियल एस्टेट का) वेतन- योग्यता अनुसार कार्य क्षेत्र- सम्पूर्ण बिलासपुर सम्पर्क करे- एम्बियंस बिजनेस पार्क, सीएमडी चौक बिलासपुर (छ.ग.) 7049810000 (40924)

**आवश्यकता है-** प्रतिष्ठित पेट्रोल पम्प हेतु अनुभवी मैनेजर, अकाउंटेंट एवं डेटा एंट्री ऑपरेटर की आवश्यकता है प्रत्येक एक पद, वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- करतार फ्यूल्स, लिंगियाडीह, बिलासपुर 7999835047, 9981500689 (40916)

**आवश्यकता है-** कानूनी पुस्तकों की मार्केटिंग एवं दुकान में कार्य हेतु लड़के लड़कियां चाहिए टाइपिस्ट को प्राथमिकता वेतन 6000 से 10000+ कमीशन पता- आदर्श लॉ हाउस डीपी कॉलेज के सामने बिलासपुर 98270 s79947 (40932)

**आवश्यकता है-** दुकान में कार्य करने के लिये लड़कियों की आवश्यकता है रिसेप्शनिस्ट- 2, सेल्सगर्ल- 2 वेतन- योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- गणेश चौक नेहरू नगर बिलासपुर 87708 32241 (40915)

**आवश्यकता है-** ड्राइवर की आवश्यकता है। दोपहर 2बजे से रात 12बजे तक सैलरी 12000 सम्पर्क करें- होटल रॉयल रामा पुराना बस स्टैण्ड के पास टेलीफोन एक्सचेंज रोड बिलासपुर 9893392495 (40931)

**आवश्यकता है-** Shyam Enterprises में काम करने के लिए लड़के/ लड़कियों की आवश्यकता है। समय सुबह 10 बजे से शाम 7बजे तक वेतन काम के अनुसार दिया जाएगा सम्पर्क करें- 9074741377 (40937)

**आवश्यकता है-**स्किल सेन्टर हेतु ट्रेनर चाहिए इलेक्ट्रीशियन, सोलर इंस्टॉलर, टेलरिंग, टैक्सी ड्राइवर, सेल्स एग्जीक्यूटिव बायोमेडिकल इक्यूपमेंट मेंटेनेंस संगीतकार, गीतकार एवं कहानीकार अनुभवी योग्यता आईटीआई/ डिप्लोमा /बीई/ बीटेक/ एमबीए अनुभवी कम्यूनिकेशन स्किल्स और कम्प्यूटर का बुनियादी ज्ञान सम्पर्क करें- वैदिक महाविद्यालय सीपत बिलासपुर 8349566067 ईमेल- vaidiccollege@gmail.com बायोडाटा वाट्सअप या ईमेल करें। (40923)

**आवश्यकता है-** अनुभवी कार ड्राइवर की जरूरत है जो सभी कार चलाने में सक्षम हो, (मैन्युअल, ऑटोमेटिक) शाकाहारी को प्राथमिकता मासिक पेमेन्ट योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- बिलासपुर 93019 22223 (40910)

**आवश्यकता है-** बिस्कुट पैकिंग, चॉकलेट पैकिंग, कार्टून पैकिंग हेतु रहकर काम करने वाले हेल्पर लड़को की आवश्यकता वीडियों कॉलिंग से भी कार्य देख सकते हैं। रूम बिजली की सुविधा फ्री, बंजारी मंदिर के पास, रावांभाटा, रायपुर, 7828735534 (080)

**आवश्यकता है-** सिक्योरिटी एजेन्सी में कार्य हेतु इच्छुक व्यक्ति, जो शोरूम में गाड़ियों की एंट्री कार्य कर सके तथा डे/ नाइट में काम करने हेतु। अनुभवी को प्राथमिकता। सम्पर्क करें- 9981630084, 9425534940 (40938)

**आवश्यकता है-**पेन्ट्स दुकान में सेल्सगर्ल या सेल्समेन की आवश्यकता है (कम्प्यूटर चलाना आता हो) पेन्ट्स से रिलेटेड जानकारी वाले को प्राथमिकता दी जाएगी सम्पर्क करें- 9589541123 (40909)

**आवश्यकता है-**संस्कार वीणा इंग्लिश मीडियम स्कूल, उसलापुर मार्केट सामने, बिलासपुर में योग्य शिक्षकों की। Graduate/ PG, B.Ed. अभ्यर्थी 12वीं मार्कशीट, बायोडाटा फोटो, WhatsApp करें। इंटरव्यूः सुबह 9-11 बजे। सम्पर्क करें- 9098546135 (40912)

**आवश्यकता है-**सुरक्षागार्ड 45, सुपरवाइजर 9 फील्ड अधिकारी 5, कंप्यूटर ऑपरेटर 2 वेतन योग्यता अनुसार मेस सुविधा आवास भोजन फ्री सम्पर्क करें- अलर्ट एसजीएस प्राइवेट लिमिटेड, कार्यालय-6 जे.शुक्ला कॉम्प्लेक्स पचपेड़ी नाका रायपुर 77460 00016, 7747000016, 77470 00019, 7746000019 (015)

**आवश्यकता है-** फील्ड सर्वे कार्य, घर कार्य एवं वाहन चालक के लिए 10वीं, 12वीं एवं ITI पास मेहनती लड़कों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- राजकिशोर नगर, बिलासपुर 9301508840 (40908)

**आवश्यकता है-** ऑटो पार्ट्स दुकान में काम करने के लिए लड़कियों की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- गोल बाजार बिलासपुर 9691061066 (40919)

**आवश्यकता है-** रियल स्टेट कम्पनी में कार्य करने हेतु युवक, युवतियो,गृहिणियो की तत्काल आवसकता है फ्रेशर एवं अनुभवी को प्राथमिकता शानदार इंसेंटिव सम्पर्क करें- 9302652734, 79873 74690 (40913)

क्या आपको अपनी लाडली के लिए अच्छा वर चाहिए...
तो हमसे जुड़िए... या आपको तलाश है... एक अच्छी बहू की...
हरिभूमि वैवाहिकी

वधु चाहिए
बंगाली कायस्थ विधुर पुरुष उम्र 54 वर्ष के लिए एक तलाकशुदा, विधवा महिला की आवश्यकता है हिंदी भाषी एवं सभी वर्ग की, जाति बंधन नहीं
-: संपर्क करें :-
9300512198
7024352318

वधु चाहिए
सोनी वधु चाहिए
वर का विवरण
आयु - 37वर्ष
ऊँचाई - 5'-5"
शिक्षा - 8वीं
व्यवसाय - goldsmith
जाति - soni (sonar)
वैवाहिक स्थिति– अविवाहित वर हेतु अपेक्षा संस्कारी एवं परिवारिक वधु चाहिए। जाति बंधन नही
सम्पर्क सूत्र- 7000468577
8103373219, 8319146219

**आवश्यकता है-** होटल नटराज में कार्य हेतु अनुभवी हाउस कीपिंग स्टॉफ की आवश्यकता है ड्यूटी टाइम 1 से रात 10बजे तक वेतन 9000/- सम्पर्क करें- होटल नटराज लिंक रोड बिलासपुर 9977861508 (40902)

**आवश्यकता है-**थोक स्टेशनरी दुकान में मेहनती लड़कों- लड़कियों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- राधेश्याम स्टेशनरी सरजू बगीचा रोड तेलीपारा बिलासपुर (40884)

**आवश्यकता है-** खेत में परिवार सहित रहकर कार्य करने देखने वाला चाहिए मुंशी, ट्रैक्टर चालक संपर्क करे - 9167339097 (195)

## बेचना है

**बेचना है-**पोल्ट्री फार्म बेचना है बिलासपुर से 15km खजूरी नवागांव में नदी किनारे लम्बाई 140× चौड़ाई 30 बना शेड, बेचना है। 29 डिसमिल डायवर्टेड प्लॉट बेचना है। सम्पर्क करें- 9399918185, 7869102234 (40904)

**बेचना है-**मेन रोड सैदा ग्राम पंचायत भवन के पास दुकान सहित रसोई, 4 कमरे, 5 लैटबाथ, 2 बड़ा हाल, आंगन वाला सर्वसुविधायुक्त मकान बेचना है शीघ्र संपर्क करें 8817785277 (40922)

**बेचना है-** रायपुर रोड में हाई कोर्ट, बिलासपुर के पास स्थित गीतांजली इरा कॉलोनी में 1500 वर्गफीट का डायवर्टेड प्लॉट बेचना है सम्पर्क करें- 9827410085 (40925)

**बेचना है-** बिलासपुर मंगला हाउसिंग बोर्ड में गार्डन फेसिंग 2BHK मकान कीमत 25 लाख रुपए में अतिशीघ्र बेचना है खरीददार सम्पर्क करें- 7898855268 (कृपया ब्रोकर सम्पर्क ना करें) (40894)

**बेचना है-**हर्षफिनिक्स सिटी पूर्ण विकसित कालोनी वार्ड-49, बीआर यादव नगर बिजौर बिलासपुर विभिन्न साइज लेआउट प्लाट, 2/3/4BHK डुप्लेक्स बंगलो, 2/3BHK अफॉर्डेबल फ्लैट, टाउनकंट्री रेरा रजिस्टर्ड। सम्पर्क- एस.के. बिल्डर्स & डेवलपर्स 88394 55596, 7697644444 (40711)

**बेचना है-** मकान बेचना है प्लाट एरिया 1500 फुट जिसमें भूतल में 1000 फिट, प्रथम तल 1000 फिट बना हुआ स्थान-चौधरी मोहल्ला, गांधी चौक के पास, बिलासपुर सम्पर्क करें- 9893462667, 70479 07241 (40914)

**बेचना है-**बिलासपुर सिरगिट्टी में गोविन्द नगर में 3225 वर्गफीट का पूर्व मुखी प्लॉट और व्यापार विहार में एक कमर्शियल प्लॉट शीघ्र बेचना है इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें संपर्क 9630083740 , 9770676030 (40920)

## किराया

**किराया-**बिलासपुर में जरहाभाठा मन्दिर चौक के पास स्थित फर्स्ट फ्लोर में 2BHK के दो फ्लैट किराए के लिए उपलब्ध हैं छोटी फैमिली को प्राथमिकता सम्पर्क करें- 9827151913 (40935)

**किराया-** सीपत रोड अशोक नगर चौक में मुख्य मार्ग में इलाहाबादी होटल के सामने पतंजलि चिकित्सालय के ऊपर दुकान/ आफिस कार्य हेतु किराये से देना है द्वितीय तल 12×30 की दो दुकाने, प्रथम तल 36×30 का सम्पर्क करें- 6232701261 (40900)

**कि रा या - कि रा ए दा र उपलब्ध कराते हैं। क्या आप बिलासपुर शहर में अपना मकान, फ्लैट, बंग्लो किराए पर देने के लिए अच्छे किराएदार तलाश रहे हैं? मकान मालिक अतिशीघ्र हमसे सम्पर्क करें- 94079 01690 (40941)**

**किराया-** इंडिपेंडेंट हाउस किराए से देना है 4000 वर्गफुट- ऑफिस, शोरूम, बैंक, प्ले स्कूल, नर्सरी, वेयर हाउस इत्यादि हेतु पता- ग्रीन पार्क कालोनी, जरहाभाठा, एसबीआर कॉलेज के सामने, बिलासपुर 9827156056, 8839115569 (40905)

**किराया-** मेडिकल कॉम्प्लेक्स तेलीपारा में 10×25 की दुकान एवं चार कमरे सहित 550 वर्गफुट किराए पर देना है गोडाउन, कोचिंग क्लास मेडिकल एजेन्सी के लिए उपयुक्त। सम्पर्क करें- 74895 44379, 9981890379 (40939)

Advertisement Booking Time 10.30 AM to 4.00 PM

Medicare Specialists
सोरायसिस एवं चमड़ी रोग
प्रायः सदियों से लोग जानते हैं कि जब कोई रोग किसी भी उपाय से ठीक नहीं होता वो केवल आयुर्वेद के द्वारा ही जड़मूल से ठीक होता है लेकिन कुछ लोगों के मति मारे जाने के कारण अपने को संकट में डाल लेते हैं।
इसे नजर अंदाज कर क्षणिक इलाज से रोग को दबा कर अपने जीवन को संकट में मत डालिए क्योंकि यह जिद्दी व लाईलाज बीमारी है यह दवा से दबकर बार-बार फिर उभरता है। क्योंकि इसका जड़ चमड़ी में नहीं कहीं और है। क्या आपको किसी भी प्रकार का लाईलाज चमड़ी रोग है सोरायसिस सिर एवं शरीर से तांबे रंग के छिलके, खुजली, रुसी, जोड़ों में दर्द, सुजन अंगुलियों का टेढ़ा होना नाखुनों का सड़ना पुराना एक्जिमा रोग है। क्या आप किसी प्रकार के यौन समस्या यौन कमजोरी व यौन रोग से परेशान है जैसे : शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, पेशाब से धातु जाना, उत्तेजना की कमी, मधुमेह जन्य नपुंसकता इत्यादि। ये गुप्त रोगों के नीम हकीमों से बचकर रहे तो इनकी झुठी बातें एवं निराशा से बच सकते हैं।
वायरो रिसर्च एन्ड स्किन केयर क्लिनिक आई.एस.ओ. सर्टिफाईड
सुविख्यात चिकित्सक
डॉ. एच. सी. अग्रवाल (एम.डी.)
डॉ. वी.के. अग्रवाल बी.ए.एम.एस. (यौन समस्या)
निशांत अग्रवाल (फार्मा सांईटिस्ट)
रेल्वे स्टेशन रोड, स्वरूप टॉकीज के सामने बजाज गोल्ड फाइनेंस के पीछे, दुर्ग
94255-55659, 93039-48500
96177-89223, 93032-42200
गुरुवार अवकाश, मिलने का समय : शाम 4 से 8

## फायनेंस

**फायनेंस -** विजया फाइनेन्स द्वारा सभी प्रकार लोन उपलब्ध बिजनेस, पर्सनल, कृषि, महिला समूह, मकान, दुकान, लघु उद्योग, पर्सनल लोन, आधार कार्ड, पैन कार्ड प्रति उपलब्ध 2% ब्याज, 30% छूट सम्पर्क- 9981421206, 9437550462 (4346)

अब आप पायेंगे अपना एक सच्चा हमसफर
हरिभूमि वैवाहिकी (प्रति रविवार)
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश में आपका वैवाहिकी विज्ञापन प्रकाशित किया जायेगा।

## सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

## आईपीएल पाइंट टेबल

| टीम | मैच | जीते | हारे | अंक |
|---|---|---|---|---|
| बेंगलुरु | 14 | 9 | 5 | 18 |
| गुजरात | 14 | 9 | 5 | 18 |
| हैदराबाद | 14 | 9 | 5 | 18 |
| राजस्थान | 13 | 7 | 6 | 14 |
| पंजाब | 13 | 6 | 6 | 13 |
| कोलकाता | 13 | 6 | 6 | 13 |
| चेन्नई | 14 | 6 | 8 | 12 |
| दिल्ली | 13 | 6 | 7 | 12 |
| मुंबई | 13 | 4 | 9 | 8 |
| लखनऊ | 13 | 4 | 9 | 8 |

ऑरेंज कैप | पर्पल कैप

सांई सुदर्शन
638 रन
गुजरात

भुवनेश्वर कुमार
24 विकेट
बेंगलुरु

## खबर संक्षेप

### सौडल ओपन : संधू ने बनाई कट में जगह, शर्मा चूके

**एंटवर्प।** भारतीय गोल्फर युवराज संधू (70-68) ने बेल्जियम के एंटवर्प के पास रिंकवेन इंटरनेशनल गोल्फ क्लब में चल रहे सौडाल ओपन में कट हासिल किया लेकिन शुभंकर शर्मा (70-72) चूक गए। डीपी वर्ल्ड टूर पर पहली बार खेल रहे संधू ने पहले दिन तीन बोगी के मुकाबले चार बर्डी लगाईं थी और तब वह संयुक्त 72वें स्थान पर थे। उन्होंने दूसरे दौर में अच्छा प्रदर्शन किया तथा दो बोगी के मुकाबले पांच बर्डी के साथ 68 का स्कोर बनाया, जिससे वह संयुक्त 51वें स्थान पर पहुंच गए हैं। डीपीडब्ल्यूटी में छह बार कट से चूकने के बाद संधू ने टर्किश एयरलाइंस ओपन और एस्ट्रेला डाम कैटालुन्या चैंपियनशिप में भी कट में जगह बनाई थी। दक्षिण अफ्रीका के ज़ैंडर लोम्बार्ड और फ्रांस के टॉम वैलियंट दूसरे दौर के बाद संयुक्त बढ़त पर हैं।

### तलवार ने किया कट हासिल शीर्ष 20 में बरकरार

**ओडेंसे।** भारतीय गोल्फर सप्तक तलवार ने अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखते हुए होटल प्लानर टूर के डेनिश चैलेंज ओपन में 67-70 का स्कोर बनाकर आसानी से कट हासिल कर लिया। घरेलू डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई टूर पर एक प्रतियोगिता जीतने वाले तलवार ने पहले दौर में एक बोगी के मुकाबले छह बर्डी लगाईं थी। उन्होंने दूसरे दौर में फ्रंट नाइन पर एक बोगी के मुकाबले छह बर्डी लगाकर अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा।

रहाणे और अक्षर की टीमों में टक्कर, मैच शाम 7.30 बजे से

# केकेआर और दिल्ली को प्लेऑफ की आस, आज कांटे का मुकाबला

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और दिल्ली कैपिटल्स रविवार को इंडियन प्रीमियर लीग की मौजूदा सत्र के अंतिम लीग मैच में जब आमने-सामने होंगे तो उन्हें प्लेऑफ की अपनी धुंधली उम्मीद बरकरार रखने के लिए हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी।

मौजूदा स्थिति के अनुसार छठे स्थान पर काबिज केकेआर और आठवें स्थान पर चल रही दिल्ली की टीम अगर मगर के समीकरणों से अभी भी प्लेऑफ का अंतिम स्थान हासिल करने की दौड़ में हैं, लेकिन यह भी हो सकता है कि रविवार को मुकाबला शुरू होने से पहले ही यह मैच महज औपचारिकता बन जाए।

### पंजाब पर टिकी दिल्ली की उम्मीद

प्लेऑफ में जगह बनाने की दौड़ में फिलहाल सबसे आगे चल रही पंजाब किंग्स शनिवार को लखनऊ सुपर जायंट्स से भिड़ेगी। अगर पंजाब किंग्स जीत जाती है तो उसके 15 अंक हो जाएंगे। इससे दिल्ली की प्लेऑफ की उम्मीदें पूरी तरह खत्म हो जाएंगी, क्योंकि उसकी टीम अधिकतम 14 अंक ही हासिल कर सकती है। केकेआर के अभी 13 अंक हैं और उसकी टीम दिल्ली पर जीत हासिल करके 15 अंक तक पहुंच सकती है, लेकिन पंजाब के नेट रन-रेट में काफी आगे है।

### कोलकाता ने जीते छह मैच

लेकिन केकेआर ने शानदार वापसी करते हुए अपने आखिरी सात मैचों में से छह जीतकर खिताब की दौड़ में बने रहने की उम्मीद जगाई। केकेआर की टीम इस मैच में अपने शीर्ष रन-स्कोरर अंगकृष रघुवंशी के बिना खेलेगी, जिन्होंने इस सत्र में पांच अर्धशतकों के साथ 422 रन बनाए हैं। इसके अलावा केकेआर परिस्थितियों के अनुसार अपने स्टार स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को अंतिम एकादश में रखने का फैसला करेगा। चक्रवर्ती चोटिल होने के बावजूद खेल रहे हैं।

### दिल्ली कैपिटल्स ने गंवाए महत्वपूर्ण मौके

दिल्ली कैपिटल्स ने इस सत्र में कुछ महत्वपूर्ण मौके गंवाए, जिसका उसे खामियाजा भुगतना पड़ा है। उसकी बल्लेबाजी काफी हद तक केएल राहुल पर निर्भर रही है, जिन्होंने 13 पारियों में 171 से अधिक के स्ट्राइक रेट से 533 रन बनाए हैं, जिनमें एक शतक और चार अर्धशतक शामिल हैं। डेविड मिलर की वापसी से उसके मध्य क्रम में कुछ स्थिरता आई है, लेकिन दिल्ली की गेंदबाजी में निरंतरता की कमी रही है। उसके कप्तान अक्षर पटेल और साथी स्पिनर कुलदीप यादव कोई खास प्रभाव नहीं डाल पाए हैं। अक्षर ने 32.30 के औसत से 10 विकेट लिए हैं, जबकि कुलदीप 50.28 के औसत से 7 विकेट ही ले पाए हैं। मैच का समय : शाम 7.30 बजे।

मैच : आज दोपहर 3.30 बजे से

# प्लेऑफ पर आरआर की नजर जीत भरी विदाई चाहेगी एमआई

एजेंसी ▶▶| मुंबई

राजस्थान रॉयल्स की टीम मुंबई इंडियंस के खिलाफ रविवार को होने वाले लीग चरण के अपने अंतिम मैच में जीत हासिल करके इंडियन प्रीमियर लीग के प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए अपनी तरफ से कोई कसर नहीं छोड़ेगी। मुंबई इंडियंस पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुका है और वह जीत के साथ विदाई लेने के लिए प्रतिबद्ध होगा लेकिन राजस्थान रॉयल्स के लिए यह मुकाबला बेहद महत्वपूर्ण है, जिसमें जीत पर वह प्लेऑफ में पहुंचने वाली अंतिम टीम बन जाएगी।

### दोनों टीमों की फिटनेस की परीक्षा

इस मैच में संभावित रूप से गर्म और उमस भरे रविवार की दोपहर में दोनों टीमों की सहनशक्ति और फिटनेस की परीक्षा होगी। रॉयल्स फिलहाल 14 अंकों के साथ चौथे स्थान पर है। उसे मुंबई इंडियंस के खिलाफ जीत हासिल करनी होगी, जिससे उसके 16 अंक हो जाएंगे। इससे वह प्लेऑफ के अंतिम स्थान के दो अन्य दावेदार पंजाब किंग्स और कोलकाता नाइट राइडर्स दोनों पर कम से कम एक अंक की बढ़त हासिल कर लेगा। लेकिन अगर रॉयल्स की टीम रविवार को हार जाती है, तो उसे प्ले-ऑफ में पहुंचने के लिए यह उम्मीद करनी होगी कि पंजाब और नाइट राइडर्स दोनों को भी अपने अंतिम मैचों में हार का सामना करना पड़े। रॉयल्स ने अपने पिछले पांच मुकाबलों में जीत से ज्यादा हार का सामना किया है लेकिन वे मुंबई के खिलाफ जीत के लिए जीजान लगा देंगे। उसके खिलाड़ी यहां की परिस्थितियों से अच्छी तरह अवगत हैं।

### एमआई के लिए जायसवाल बड़ा खतरा

मुंबई इंडियंस के लिए वैभव सूर्यवंशी की ताबड़तोड़ बल्लेबाजी से कहीं ज्यादा बड़ा खतरा यशस्वी जायसवाल हैं। स्थानीय खिलाड़ी जायसवाल ने गुवाहाटी में जसप्रीत बुमराह की अगुवाई वाले गेंदबाजी आक्रमण के खिलाफ जमकर बल्लेबाजी करते हुए 32 गेंदों में 77 रन बनाए थे। जायसवाल उस मैदान पर वापसी कर रहे हैं, जहां उन्होंने तीन साल पहले आईपीएल में अपना पहला शतक लगाया था।

# टी-20 वर्ल्ड कप के लिए इंग्लैंड रवाना हुई महिला टीम, स्क्वाड में शामिल 15 खिलाड़ी

एजेंसी ▶▶| मुंबई

भारतीय महिला क्रिकेट टीम अगले महीने से इंग्लैंड की मेजबानी में शुरू होने जा रहे आईसीसी महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 में हिस्सा लेने के लिए रवाना हो चुकी है। कप्तान हरमनप्रीत कौर की अगुवाई में विमेन इन ब्लू को मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया, जहां से वे इतिहास रचने के इरादे से इंग्लैंड के लिए उड़ान भर चुकी हैं। यह महिला टी20 विश्व कप का दूसरा ऐसा सीजन है, जिसमें 12 टीमें हिस्सा ले रही हैं, जिन्हें 6-6 के दो ग्रुपों में बांटा गया है। इस टूर्नामेंट का आगाज 12 जून से होगा, जहां उद्घाटन मुकाबले में मेजबान इंग्लैंड का सामना श्रीलंका से एजबेस्टन के मैदान पर होगा। भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत 14 जून को चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ महामुकाबले से करेगी।

### टूर्नामेंट का आगाज 12 जून से

# अय्यर के शतक से पंजाब जीता प्लेऑफ की उम्मीदें कायम

**लखनऊ।** शनिवार को पंजाब किंग्स ने लखनऊ सुपर जायंट्स को 7 विकेट से हराकर प्लेऑफ की उम्मीदें की कायम रखीं। इकाना स्टेडियम में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए लखनऊ ने 20 ओवर में 6 विकेट पर 196 रन बनाए। जवाब में पंजाब ने 18 ओवर में 3 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया।

कप्तान श्रेयस अय्यर ने छक्का लगाकर शतक पूरा किया और टीम को जीत भी दिलाई। उन्होंने 51 बॉल पर नाबाद 101 रन बनाए। अय्यर का यह पहला IPL शतक रहा। वहीं प्रभसिमरन सिंह ने 69 रन की तेज पारी खेलकर पंजाब को मजबूत शुरुआत दिलाई। लखनऊ के लिए मोहम्मद शमी ने 2 विकेट लिए, जबकि अर्जुन तेंदुलकर को 1 सफलता मिली। इस जीत के साथ पंजाब के 15 पॉइंट्स हो गए हैं।

### इंग्लिस ने 72 रन की पारी खेली-

लखनऊ के लिए जोश इंग्लिस ने सबसे ज्यादा 72 रन की पारी खेली, जबकि आयुष बडोनी ने 18 गेंदों में 43 रन बनाए। आखिर में अब्दुल समद ने नाबाद 37 रन की पारी खेलकर टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। पंजाब की ओर से मार्को यानसन और युजवेंद्र चहल ने 2-2 विकेट किए, जबकि अजमतुल्लाह ओमरजई और शशांक सिंह को 1-1 सफलता मिली।

फुटबॉल

# हालैंड का करिश्माई खेल, 28 साल बाद नॉर्वे वर्ल्ड कप में

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

'जर्सी नंबर-9' एर्लिंग हालैंड मुख्य रूप से स्ट्राइकर की भूमिका में खेलते हैं, जिनकी गति, ताकत और गोल करने की क्षमता उन्हें एक खतरनाक खिलाड़ी बनाती है। हवा में हेडर के जरिए गोल करने में भी माहिर हैं। एर्लिंग हालैंड अपनी शानदार गोल स्कोरिंग, ताकत और तेजी से फीफा वर्ल्ड कप 2026 में नॉर्वे के सबसे बड़े मैच विनर साबित हो सकते हैं। क्वालीफायर में उन्होंने 16 गोल दागे, जिससे नॉर्वे 28 साल बाद वर्ल्ड कप में पहुंचा है। वर्ल्ड कप में भी फैंस को उनसे शानदार प्रदर्शन की आस होगी। नॉर्वे के फुटबॉलर एर्लिंग ब्रूट हालैंड को 'गोल-मशीन' कहा जाता है।

### जन्मस्थान इंग्लैंड पर खेलते है नार्वे के लिए

एर्लिंग का जन्म इंग्लैंड में हुआ था। ऐसे में वह इंग्लैंड की तरफ से भी खेलने का विकल्प चुन सकते थे, लेकिन क्लब और नेशनल लेवल पर पिता के नक्शेकदम पर चलते हुए 'नॉर्वे' को चुना। इसकी एक वजह यह भी थी कि एर्लिंग ने अधिकांश युवावस्था स्कैंडिनेवियाई देशों में बिताई। हालैंड ने क्रिस्टियानो रोनाल्डो और लियोनेल मेस्सी जैसे दिग्गजों का अपना आदर्श बताया है, लेकिन जिनका सबसे ज्यादा बार जिक्र किया, वो 'ज्लाटन इब्राहिमोविच' हैं।

### हालैंड लगातार 5 चैंपियंस लीग गोल करने वाले खिलाड़ी

हालैंड लगातार 5 चैंपियंस लीग मुकाबलों में गोल करने वाले युवा खिलाड़ी रहे हैं। वह चैंपियंस लीग में 30 गोल का आंकड़ा पार करने वाले सबसे युवा खिलाड़ी भी हैं। अंडर-20 वर्ल्ड कप में होंडुरास के खिलाफ एक ही मैच में युवा हालैंड ने 9 गोल दागे। ग्रुप स्टेज से बाहर होने के बावजूद उन्होंने 'गोल्डन बूट' अपने नाम किया था। पेशेवर और राष्ट्रीय टीम की तरफ से खेलते हुए 370वें मैच में हालैंड ने '300 गोल' के आंकड़े को छुआ, जबकि यहां तक पहुंचने में किलियन एम्बाप्पे को 409 मैच, लियोनेल मेस्सी को 418 मैच और क्रिस्टियानो रोनाल्डो को 554 मैच लगे थे।

### प्रणवी ने बनाया दो अंडर का स्कोर, शीर्ष 10 में शामिल

**रबात।** लेडीज यूरोपियन टूर में अपना पहला खिताब जीतने की कवायद में लगी भारतीय गोल्फर प्रणवी उर्स ने लल्ला मेरियम कप में दूसरे दौर में दो अंडर का स्कोर बनाकर शीर्ष 10 में अपनी जगह बरकरार रखी। पहले दौर के बाद दूसरे स्थान पर रहीं प्रणवी अब 36 होल के बाद पांच अंडर (70-71) के कुल स्कोर के साथ आठवें स्थान पर हैं। वह शीर्ष पर चल रही केल्सी बेनेट से 8 शॉट पीछे हैं। बेनेट ने अपना स्कोर 13 अंडर (68-65) कर लिया है। इस प्रतियोगिता में कट हासिल करने वाली अन्य भारतीय खिलाड़ी दीक्षा डागर ने दूसरे दौर में तीन अंडर 70 का स्कोर बनाया और वह संयुक्त 28वें स्थान पर हैं।

दिल्ली हाईकोर्ट ने दिया स्टार पहलवान के पक्ष में फैसला

# विनेश को मिली ट्रायल्स में भाग लेने की अनुमति

एजेंसी ▶▶| दुबई

भारत की स्टार महिला पहलवान विनेश फोगाट को बड़ी राहत मिली है। भारतीय कुश्ती महासंघ (भारतीय कुश्ती महासंघ) ने एशियन गेम्स के ट्रायल्स के लिए ऐसा नियम बनाया था, जिससे विनेश फोगाट का इसमें भाग लेना मुश्किल नजर आ रहा था। लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और अब दिल्ली हाईकोर्ट ने उनके पक्ष में फैसला सुनाते हुए उन्हें ट्रायल्स में भाग लेने की अनुमति दे दी है।

### भारतीय कुश्ती महासंघ ने किया था नया क्राइटेरिया जारी

6 मई को भारतीय कुश्ती महासंघ ने एशियन गेम्स ट्रायल्स के लिए एक नया क्राइटेरिया जारी किया था। इसमें कहा गया था कि केवल वही खिलाड़ी ट्रायल्स में हिस्सा ले सकेंगे, जिन्होंने 2025 सीनियर नेशनल कुश्ती चैंपियनशिप में मेडल जीता हो, 2026 सीनियर फेडरेशन कप में मेडल जीता हो, 2026 अंडर-20 नेशनल चैंपियनशिप में मेडल जीता हो। विनेश फोगाट ने 2024 पेरिस ओलंपिक में महज 100 ग्राम अधिक वजन के कारण अपना पक्का सिल्वर मेडल गंवा दिया था।

जिनेवा ओपन

# भांबरी-वीनस बने उपविजेता

**जिनेवा।** भारत के युकी भांबरी और न्यूजीलैंड के उनके जोड़ीदार माइकल वीनस को जिनेवा ओपन के एटीपी 250 युगल फाइनल में कड़े मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। तीसरी वरीयता प्राप्त भारत-न्यूजीलैंड की जोड़ी को मोनाको के रोमैं अरनोडो और ऑस्ट्रेलिया के मार्क पोलमैन्स ने 6-3, 6-7 (7), 10-7 से हराकर खिताब अपने नाम किया। भांबरी और वीनस ने लगभग दो घंटे तक चले इस रोमांचक मुकाबले में पहला सेट अपने नाम किया, लेकिन प्रतिद्वंद्वी जोड़ी ने दूसरा सेट जीतकर मैच को निर्णायक सुपर टाई-ब्रेकर तक पहुंचा दिया।

टाई-ब्रेकर में अरनोडो और पोलमैन्स ने शानदार खेल दिखाया। उन्होंने शुरुआत में बढ़त हासिल की और अहम मौकों पर संयम बनाए रखते हुए जीत दर्ज की। भांबरी और वीनस ने इससे पहले सेमीफाइनल में चेक गणराज्य की पेट्र रिक्ल और एडम पावलासेक की जोड़ी को 7-5, 6-3 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया था।

**कार्यालय, नगर पालिक निगम, कोरबा (छत्तीसगढ़)**

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

क्र. 506 निर्माण/2026 दिनांक 13.05.2026

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु (Online) आनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :-

| क्र. | कार्य का विवरण | अनुमानित लागत (रू. लाख में) | निविदा डालने की अंतिम तिथि |
|---|---|---|---|
| 1 | सी.एण्ड.डी. प्लांट हेतु एप्रोच रोड, शेड निर्माण एवं अन्य विकास कार्य (14वें वित्त मद) (प्रथम निविदा) | 30.68 | 03.06.2026 (T.No. 190872) |

उपरोक्त कार्यों की निविदा की जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है, साथ ही निगम के वेब साईट www.korbamunicipal.in पर भी देखी जा सकती है।

।। स्वच्छ भारत निर्माण में योगदान दें।।

कार्यपालन अभियंता
नगर पालिक निगम कोरबा (छत्तीसगढ़)

**दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे**

सिगनलिंग कार्य हेतु निविदा सूचना

ई-निविदा संख्या: 103-एसएनटी-परियोजना- निविदा-2025, दिनांक: 18.05.2026.

**कार्य का नाम:** बिलासपुर मंडल के अंतर्गत झारसुगुड़ा–बिलासपुर–रायपुर तथा बिलासपुर–अनूपपुर खंडों हेतु बिलासपुर कंट्रोल कार्यालय में ट्रेन मैनेजमेंट सिस्टम (TMS) की व्यवस्था एवं चांपा– बिलासपुर–भाटापारा तथा बिलासपुर–करगी रोड खंडों हेतु बिलासपुर ई.आई. में ट्रेन मैनेजमेंट सिस्टम (TMS) की व्यवस्था। **निविदा मूल्य:** ₹ 12,65,20,809.06 (₹ बारह करोड़ पैंसठ लाख बीस हजार आठ सौ नौ एवं छह पैसे मात्र)। **बिड सिक्युरिटी (अमानत राशि):** ₹ 25,30,400.00 (₹ पच्चीस लाख तीस हजार चार सौ मात्र)।

**निविदा बंद होने की तिथि: 10.06.2026 को 16:30** बजे तक।

विस्तृत जानकारी/निविदा दस्तावेज का विक्रय, पात्रता का मापदंड तथा अन्य विस्तृत विवरण, ई–निविदा दस्तावेज जो हमारी वेबसाइट **http:// www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है, उससे देख सकते है।

*उप मुख्य संकेत एवं दूरसंचार इंजी./ (परि.)बिलासपुर*
*सीपीआर/10/136*
South East Central Railway @secrail

**दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे**

**दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के निजी साइडिंग कार्यों के लिए परामर्शदाताओ के पंजीकरण के लिये आवेदन आमंत्रित करने की सूचना।**

1. दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्राइवेट साइडिंग के रख-रखाव तथा निर्माण व सर्वे कार्यों के लिये परामर्शदाताओं के पंजीकरण हेतु इच्छुक पार्टियों/परामर्शदाताओं/कन्सल्टिंग फर्म से निर्धारित दस्तावेज संख्या- द.पू.म.रे/एचक्यू इंजी/एफ.एफ.ई-01 वर्ष 2026 के साथ, **दिनांक 02.07.2026 समय 16.00 बजे तक** आवेदन पत्र आंमत्रित किए जाते हैं। **2.** यह दस्तावेज दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की वेबसाइट: **(http://www.secr.indianrailways.gov.in)** पर **दिनांक 18.05.2026** से डाउनलोड हेतु उपलब्ध रहेगा। **3.** एफएफई दस्तावेज, दस्तावेज **शुल्क रू 1000/- रुपये (एक हजार रुपये केवल) के डिमांड ड्राफ्ट जो कि प्रधान वित सलाहकार द.पू.म.रेलवे बिलासपुर** के पक्ष में देय किसी राष्ट्रीयकृत बैंक द्वारा जारी हो, के साथ जमा किया जाएगा। यह शुल्क गैर-वापसी होगा।

**सहा. कार्यकारी इंजीनियर/सामान्य द.पू.म.रे., बिलासपुर**
सीपीआर/10/AM/129
South East Central Railway @secrail

**सूचना**

सूचित किया जाता है कि पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, रायपुर के अंतर्गत 'राज्य स्तर पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण (छ.ग.)' के पत्र क्र.1500/एस.ई.आई.ए.ए.छ.ग./2025, दिनांक 05.08.2025 के माध्यम से प्रार्थी, रायलसीमा कंक्रीट स्लीपर्स प्रा.लि., करगी रोड – कोटा को उसकी पत्थर खदान जो ग्राम पंचायत अमाली के खसरा न. 1343/1 में, रकबा 1.822 हेक्टेयर, पट्टा अवधि 15.07.2008 से 2038, स्थित है, में साधारण पत्थर खनन की अनुमति, जो 28.07.2025 तक वैध थी, मा. उच्चतम न्यायालय के निर्देशानुसार खनन की अनुमति मा. न्यायालय के अगले आदेश तक दी गयी थी जो वर्तमान में भी जारी है।

सर्वसाधारण सूचनार्थ.

**कृते, रायलसीमा कंक्रीट स्लीपर्स प्रा. लि.
अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता**

**कार्यालय नगर पालिक निगम, रायगढ़ (छ.ग.)**

क्रमांक 822/न.पा.नि./2026 रायगढ़ दिनाँक 22/05/26

**।। ई-प्रोक्योरमेन्ट निविदा आमंत्रण सूचना ।।**

नगर पालिक निगम, रायगढ़ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है :-

| क्रं. | सि.नि.क्र. | कार्य का विवरण | अनु. लागत राशि रू. (लाख में) | निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि |
|---|---|---|---|---|
| 1 | 191485 | DEVELOPMENT OF BT ROAD IN W.N. 24 FROM MAIN ROAD TO I.T.I. GROUND AT RAIGARH. | 126.75 | 15.06.2026 |

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेन्ट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

**कार्यपालन अभियंता न.पा.नि.. रायगढ़ रायगढ़**

# दुनिया में अब तक खोजे गए सबसे दुर्लभ जीवाश्म, जिनका रहस्य आपको कर देगा हैरान

## कई रहस्यों की गुत्थी खुल जाती है और नए जीवों के बारे में अहम जानकारी मिलती है

जीवाश्म विज्ञानी विभिन्न प्रकार के जीवाश्म खोजने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं। ज्यादातर जीवाश्म विज्ञानी डायनासोर के जीवाश्मों की खोज करने का प्रयास करते हैं। हालांकि, जाने अनजाने उन्हें कई अनोखे और दुर्लभ जीवों के जीवाश्म भी मिल जाते हैं। इन सभी के जरिए कई रहस्यों की गुत्थी खुल जाती है और नए जीवों के बारे में अहम जानकारी मिलती है। आइए दुनिया के कुछ सबसे दुर्लभ जीवाश्मों के बारे में जानते हैं।

### बिना सींघ वाले विशाल गैंडे का जीवाश्म

2021 में चीन में शोधकर्ताओं को एक 26.5 करोड़ साल पुराना जीवाश्म मिला था। यह एक बिना सींघ वाले विशाल गैंडे का जीवाश्म था। पैरासेराथेरियम लिनक्सियान्स नाम के इस गैंडे की लंबाई 6 फीट और ऊंचाई 16.4 फीट थी। इसका वजन 24 टन हुआ करता था, जो चार अफ्रीकी हाथियों के बराबर है। इस गैंडे को दुनिया के सबसे विशाल जानवरों में से एक माना जाता है। शोधकर्ता इस जानवर की हड्डियों के आकार को देखकर हैरान रह गए थे।

### अमर केकड़े का जीवाश्म

एम्बर एक कठोर, पीले रंग का पदार्थ होता है, जो लाखों सालों में प्राचीन वृक्षों के रस से बनता है। इसके अंदर कई बार जानवर रह जाते हैं और जीवाश्म में तब्दील हो जाते हैं। 2021 के अक्टूबर महीने में शोधकर्ताओं को एक अनोखा एम्बर मिला था, जिसके अंदर एक केकड़ा मौजूद था। इससे यह केकड़ा अमर हो गया यानि उसका शरीर सदियों से उसी अवस्था में है, जैसा पहले हुआ करता था।

### मछली के फेफड़े का जीवाश्म

फरवरी 2021 में वैज्ञानिकों को मछली की एक नई प्रजाति मिली थी, जो सदियों पहले विलुप्त हो गई थी। उन्हें इस मछली के फेफड़े का जीवाश्म मिला था। इसके जरिए सामने आया कि यह मछली विशाल सफेद शार्क जितनी बड़ी थी। इसे कोइलाकैंथ कहा जाता है, जिसके फेफड़े का जीवाश्म करीब 6.6 करोड़ साल पुराना है। यह अनोखा जीवाश्म मोरक्को में खोजा गया था। फेफड़े को हुए नुकसान से पता चलता है कि इसे किसी प्लेसियोसॉर मछली ने मारा होगा।

### टुली राक्षस का जीवाश्म

टुली राक्षस का जीवाश्म अब तक खोजा गया सबसे दुर्लभ जीवाश्म है। यह स्ट्रिप खदानों में माजोन क्रीक संरचना में पाया गया था, जो लगभग 30 करोड़ साल पुराना है। इसे 1955 में शौकिया जीवाश्म शिकारी फ्रांसिस टुली ने खोजा था। यह एक लंबे कीड़े का जीवाश्म था, जिसकी डंठल जैसी आंखें, छोटे दांतों वाली लंबी सूंड और पूंछ के पास पंख हुआ करते थे। सदियों तक इस जीव की पहचान कर पाना मुश्किल हो गया था।

## रोचक खबरें

### लोग कुत्ते संभालने के लिए रख रहे हैं दाई २ करोड़ रुपये तक है सालाना कमाई

**टेक्सास।** कुत्ते जानवरों के सबसे अच्छे दोस्त होते हैं, जिन्हें हर कोई पालना चाहता है। हालांकि, जिंदगी की भाग-दौड़ के बीच उन्हें पालना तो आसान है, लेकिन उनकी देखभाल करना मुश्किल। इस समस्या का हल अमेरिका के लोगों ने खास तरीके से निकाला है। यहां पर लोग कुत्तों के लिए दाई रख रहे हैं, जिन्हें 'डॉग नैनी' या 'डॉग गवर्नर' कहते हैं। इस काम के जरिए लोग सालाना करोड़ों की कमाई कर रहे हैं। हाउसहोल्ड स्टाफिंग एक अमेरिकी घरेलू भर्ती एजेंसी है, जिसने बताया है कि पिछले एक साल में कुत्तों वाली दाई की मांग 3 गुना बढ़ गई है। हम सभी कुत्तों की देखभाल करने वालों के बारे में तो जानते ही थे, लेकिन यह नौकरी उससे थोड़ी अलग है। इसमें दाई कुत्ते को टहलाने और खिलाने के साथ-साथ हफ्ते में 40-50 घंटे उसके साथ ही बिताती है। लिहाजा, ये दाई कुत्ते से जुड़े घर के सभी काम करती हैं। कुत्तों वाली दाई कुत्तों के लिए पूरे दिन का एक रूटीन यानि दिनचर्या सेट करती हैं। उनका काम कुत्ते को नहलाना, टहलाना, खिलाना, सुलाना, उनके साथ खेलना और यहां तक कि उन्हें डॉक्टर के पास ले जाना तक होता है। उन्हें इस काम को करने के लिए सालाना 2.78 करोड़ रुपये से ज्यादा मिलते हैं। दाई कुत्तों को प्रशिक्षित भी करती हैं, ताकि वे अच्छा व्यव्हार करना सीखें और उनके मालिक और मालकिन के साथ अच्छे से रह सकें। यह ट्रेंड तेजी से वायरल तो हो रहा है, लेकिन अभी यह केवल अमेरिका के अमीर लोगों के बीच प्रचिलित है। मैनहटन, ब्रुकलिन, हैम्पटन, दक्षिण फ्लोरिडा और कैलिफोर्निया के कुछ हिस्सों के अमीर लोग कुत्तों के लिए दाई को नौकरी पर रखते हैं।

### माइकल जॉर्डन के जूते हुए 6 करोड़ में नीलाम, अन्य दिग्गज खिलाडियों की वस्तुएं भी बिकीं

**टेक्सास।** अपने प्रशंसकों द्वारा प्यार से ग्रेटेस्ट ऑफ आल टाइम्स बुलाए जाने वाले पूर्व अमेरिकी बास्केटबॉल खिलाड़ी माइकल जॉर्डन एक बार फिर सुर्खियों में हैं। उनके खेल के दौरान पहने गए नाइकी के एयर जॉर्डन जूतों की बीते गुरुवार को नीलामी हुई। इस नीलामी में केवल जॉर्डन ही नहीं, बल्कि स्वर्गीय दिग्गज खिलाड़ी कोबे ब्रायंट की भी वस्तुएं नीलाम की गई हैं। आइए खेल से जुड़ी यादगार वस्तुओं की इस नीलामी के विषय में विस्तार से जानते हैं।

**जॉर्डन ने करियर की शुरुआत के दौरान पहने थे ये जूते :** नीलाम होने वाले नाइके एयर शिप्स जूते जॉर्डन के करियर के शुरूआती दिनों के हैं। उन्होंने इन्हें 2 दिसंबर, 1984 में पहना था, जब शिकागो बुल्स और लाकर्स का मुकाबला हुआ था। इन्हें सोथबी नामक नीलामीघर ने नीलाम करवाया है और यह 6 करोड़ से भी ज्यादा कीमत पर बिके हैं। इन जूतों को फोटो मैच करके इनकी प्रामाणिकता की जांच की गई है और इन पर जॉर्डन के हस्ताक्षर भी मौजूद हैं।

**कोबे की जर्सी ने भी की खूब कमाई :** कोबे के निधन के बाद भी वह लोगों के दिलों में जिंदा हैं। इसका अंदाजा आप इस बात से लगा सकते हैं कि उनकी जर्सी भी इस नीलामी का मुख्य आकर्षण रही। यह जर्सी उन्होंने 20 और 27 अप्रैल, 2010 को वेस्टर्न कॉन्फ्रेंस क्वार्टर फाइनल के खेलों के दौरान पहनी थी। पहले उन्होंने इसे दूसरे खेल के दौरान पहना था, फिर 5वें के दौरान कैरी किया था। यह 2.52 करोड़ रुपये की भारी कीमत पर बेची गई है।

**हस्ताक्षरित बास्केटबॉल भी रही नीलामी का मुख्य आकर्षण :** इस नीलामी के दौरान एक बास्केटबॉल भी बेची गई है, जिसे बेहद खास माना जाता है। साल 2000 में एनबीए फाइनल के छठे खेल के दौरान इसे इस्तेमाल किया गया था। इस पर लेकर्स टीम के कुल 12 खिलाड़ियों ने हस्ताक्षर किए थे, जिनमें कोबे भी शामिल थे। सभी खिलाड़ियों के हस्ताक्षर आज भी सुरक्षित रूप से गेंद पर मौजूद हैं और फोटो मैच करके इसकी प्रमाणिकता भी जांची गई है।

## ट्रेंड

# बच्चों की जगह गुड्डे-गुड़िया पाल रहे हैं जेन-जेड

### आखिर क्या है यह विचित्र ट्रेंड?

बच्चे गुड्डे-गुड़िया से खेलना पसंद करते हैं, लेकिन बड़े भी ऐसा करने लगें तो अजीब लगता है। यह जेन-जेड के बीच एक नया लोकप्रिय ट्रेंड है, जिसमें वे बच्चों की जगह गुड्डे-गुड़िया पाल रहे हैं। वे इन खिलौनों को अपने बच्चों की तरह ही रखते हैं और उनकी पूरी शिद्दत से देखभाल करते हैं। उनकी दिनचर्या में इन गुड्डे-गुड़िया को खिलाना, सुलाना, पढ़ाना और यहां तक कि उनके डाइपर बदलना तक शामिल है। यह ट्रेंड जेन-जेड महिलाओं के बीच खास तौर से प्रसिद्ध है। इसे 'दर्द रहित पेरेंटिंग' नाम दिया जा रहा है, जिसमें रुई से भरे गुड्डे-गुड़िया को बच्चों की तरह अपने पास रखा जाता है। इससे जुड़े कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होते हैं, जिसमें लोग अपने गुड्डे-गुड़िया का जन्मदिन मनाते हैं या उनकी दिनचर्या साझा करते हैं। ये लोग इन खिलौनों पर लाखों रुपये तक खर्च कर डालते हैं, जो आम तौर पर बच्चों की देखभाल में लगते हैं।

### क्या है गुड्डे-गुड़िया पालने की वजह?

एक सर्वे से सामने आया है कि 85 प्रतिशत लोग प्यारे और मनमोहक रूप के कारण गुड्डे-गुड़िया पालते हैं। जबकि, 58 प्रतिशत लोगों ने भावनात्मक लगाव को एक प्रमुख वजह बताया। एक व्यक्ति ने कहा, गुड़िया में जान नहीं होती, बल्कि उसे प्यार देने से उसमें जान आती है। कई लोग खास वजह से कोरियाई आइडल जैसी गुड़िया पालते हैं। उनका कहना है कि ये सितारे हमें कभी नहीं मिल सकते तो हम उनके जैसी गुड़िया ही साथ रखते हैं।

### अमेरिका और यूरोप में भी बढ़ रहा यह ट्रेंड

केवल एशिया के ही नहीं, बल्कि कई अन्य देशों के लोग भी गुड्डे-गुड़िया के माता-पिता बन रहे हैं। इनमें अमेरिका और यूरोप के कई देश भी शामिल हैं। यहां के लोग रुई की नहीं, बल्कि असली बच्चों जैसी दिखने वाली गुड़िया पालते हैं। इन्हें रीबॉर्न गुड़िया कहा जाता है, जिन्हें देखकर आप कह ही नहीं सकते कि वे असली बच्चे नहीं हैं। इन्हें ज्यादातर वो महिलाएं पाल रही हैं, जो मां बनने का सुख नहीं प्राप्त कर पाई थीं।

### एशिया में कैसे हुई इस ट्रेंड की शुरुआत?

यह ट्रेंड सबसे ज्यादा एशिया के देशों में देखने को मिल रहा है, जिनमें चीन, जापान और दक्षिण कोरिया शामिल हैं। यहां इसकी शुरुआत 2016 में हुई थी, जब कोरियाई आइडल ग्रुप ईएक्सओ के प्रशंसकों ने किम जोंग-डे की एक गुड़िया बनाई थी। इसके बाद भारी मात्रा में लोगों से प्रेरित गुड़िया बनने लगीं, जो सेलिब्रिटीज या एनिमे पात्रों पर आधारित थीं। लोग इन्हें बच्चों की तरह गोद लेने लगे और 'डॉल मम्मी' या 'डॉल पापा' कहलाए जाने लगे।

### आता है हजारों का खर्चा

जब तक इन लोगों के आर्डर किए हुए गुड्डे-गुड़िया घर नहीं आते हैं, तब तक वे खुद को गर्भवती बताते हैं। सभी लोग पहले एक साधारण गुड़िया से शुरुआत करते हैं, फिर उसके लिए कपड़ों से लेकर बाल तक खरीदते हैं। कई गुड़िया पालने वाली माताएं अपने खिलौनों के लिए कपड़े, विग, जूते और अन्य सामान खरीदने पर हजारों रुपये खर्च करती हैं।

## सिर्फ 26 मिनट में 283 करोड़ रुपये में बिक गया तांबे के हिप्पो वाला बार

**न्यूयार्क।** बाजार में कई आकार वाले बार मिलते हैं, जिनमें ड्रिंक्स रखी जाती हैं। कुछ होनहार लोग अपनी रचनात्मकता का प्रमाण देते हुए खूबसूरत दिखने वाले बार भी बनाते हैं, जो घर की शोभा बढ़ा देते हैं। ऐसे ही एक दुर्लभ बार की नीलामी हुई है, जिसने पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। यह बार तांबे से बनाया गया है, जो कि एक हिप्पो के आकार का है। बता दें कि यह 283 करोड़ रुपये की भारी कीमत पर बिका है। इस बार की नीलामी का आयोजन सोथबी ने करवाया था। इसकी नीलामी न्यूयॉर्क में करवाई गई थी। यह नीलामी में बिकने वाली अब तक की सबसे मूल्यवान डिजाइन वस्तु बन गई है। इसे फ्रांकोइस-जेवियर लालाने नाम के डिजाइनर ने बनाया था और यह उनकी रचनाओं में से सबसे मूलयवान वस्तु भी बन गई है। लोग इसकी बनावट को देखकर अचंभित थे, जिसके चलते इसका दाम अनुमानित कीमत से 3 गुना ज्यादा लगा। महज 26 मिनट में इसकी बोली 283 करोड़ पहुंच गई।

### जानवरों वाला फर्नीचर बनाना पसंद करते थे लालाने

लालाने को जानवरों के आकार वाली वस्तुएं बनाना बहुत पसंद हुआ करता था। वह खास तौर से हिप्पो के आकार वाली वस्तुएं बनाया करते थे, जो लोगों को भाती थीं। इस बार के अलावा उन्होंने इस जानवर के आकार वाला बाथटब भी बनाया था।

## 'हरक्यूलिस स्तंभ' उठाकर बनाया नया विश्व रिकॉर्ड

**नई दिल्ली।** भारतीय मार्शल आर्टिस्ट विस्पी खराड़ी ने अपनी ताकत का प्रदर्शन करके दुनियाभर में देश का नाम रोशन किया है। लोग उन्हें प्यार से 'स्टील मैन ऑफ इंडिया' कहकर पुकारते हैं, जो उनके व्यक्तित्व पर सटीक बैठता है। अब उन्होंने सबसे भारी वजन वाले 2 'हरक्यूलिस स्तंभ' उठाकर एक नया विश्व रिकॉर्ड कायम किया है। इस कारनामे के जरिए उनका नाम एक बार फिर गिनीज बुक में शामिल हो गया है। आइए उनके रिकॉर्ड के बारे में विस्तार से जानते हैं।

**अटारी बॉर्डर पर बनाया गया था यह रिकॉर्ड :** विस्पी ने जो स्तंभ उठाए थे, उन दोनों का कुल वजन 261 किलोग्राम था। आपको जानकर हैरानी होगी कि एक स्तंभ का वजन एक पोलर बियर के वजन का लगभग आधा था। यह रिकॉर्ड पंजाब के अटारी बॉर्डर पर बनाया गया था, जिसे देखने के लिए हजारों लोगों की भीड़ उमड़ी थी। सभी ने विस्पी की हौसला अफजाई की और इस बेहतरीन मार्शल आर्टिस्ट ने 1 मिनट 7 सेकंड तक दोनों स्तंभों को उठाए रखा था।

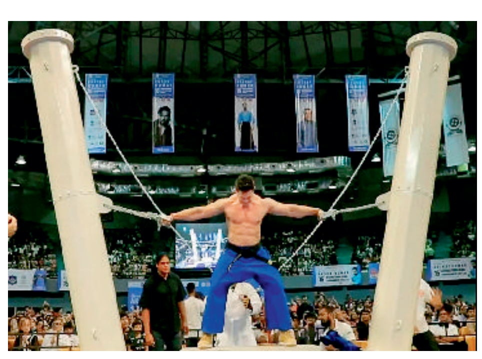

### भारतीय सेना को समर्पित था यह रिकॉर्ड

नया रिकॉर्ड बनाने के बाद विस्पी की खुशी का ठिकाना नहीं था और उन्होंने एक प्रेरक भाषण भी दिया था। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपना भाषण साझा भी किया था। विस्पी ने अक्षय कुमार को धन्यवाद दिया, जिन्हें वह अपना 'शिहान' यानि वरिष्ठ प्रशिक्षक मानते हैं। उन्होंने कहा, यह रिकॉर्ड हमारी रक्षा करने वाली भारतीय सेना, बीएसएफ और विशेष रूप से 1965 के युद्ध में लड़ी गई डोगराई की लड़ाई को समर्पित है। यह पहली बार नहीं है, जब विस्पी ने कोई विश्व रिकॉर्ड कायम किया हो। इसके अलावा भी 16 रिकॉर्ड उनके नाम दर्ज हैं।

## अनोखा स्टेशन, जहां न टिकट खिड़की, न प्लेटफॉर्म

**जयपुर।** भारतीय रेलवे दुनिया का चौथा सबसे बड़ा रेल नेटवर्क है। इसका कुल रूट लगभग 68,000 से 70,000 किलोमीटर से अधिक तक फैला हुआ है। बड़े-बड़े रेलवे स्टेशन, आधुनिक सुविधाएं, ऑनलाइन टिकट बुकिंग और हाईटेक प्लेटफॉर्म आज भारतीय रेलवे की पहचान बन चुके हैं। लेकिन, इसी देश में एक ऐसा रेलवे स्टेशन भी मौजूद है, जिसके बारे में जानकर लोग हैरान रह जाते हैं। यह स्टेशन सालों तक बिना प्लेटफॉर्म और बिना टिकट खिड़की के चलता रहा। यहां टिकट लेने के लिए यात्रियों को किसी काउंटर पर लाइन नहीं लगानी पड़ती थी, बल्कि यहां एक ठेकेदार बैग में टिकट लेकर स्टेशन पहुंचता था और वहीं टिकट बेचता था। यही अनोखी व्यवस्था अब सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बनी हुई है। दरअसल, राजस्थान के बाड़मेर जिले में भारत-पाकिस्तान सीमा के करीब लीलमा और जैसिंधर रेलवे स्टेशन मौजूद हैं। ये स्टेशन काफी पुराने बताए जाते हैं और इनका इतिहास आजादी से पहले का माना जाता है।

### सालों तक नहीं बना प्लेटफॉर्म

आमतौर पर रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म सबसे जरूरी सुविधा माना जाता है, लेकिन लीलमा और जैसिंधर स्टेशन पर लंबे समय तक प्लेटफॉर्म ही मौजूद नहीं था। ट्रेनें सीधे पटरियों के किनारे रुकती थीं और यात्रियों को नीचे से ही ट्रेन में चढ़ना पड़ता था। यह काम बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों के लिए काफी मुश्किल भरा होता था। कई बार यात्रियों को भारी सामान के साथ ऊंची सीढ़ियों पर चढ़ने में परेशानी होती थी और छोटी सी लापरवाही हादसे का कारण बन जाती थी।

## एफिल टॉवर की सीढ़ियों का एक हिस्सा नीलाम

### 5 करोड़ रुपये लगी कीमत

**पेरिस।** फ्रांस की राजधानी पेरिस में स्थित एफिल टावर इस देश की पहचान है। ऐसे में जाहिर है कि इससे संबंधित हर एक वस्तु बेशकीमती ही होगी। यह बात हाल ही में सच साबित हुई, जब एफिल टावर की सीढ़ियों के एक छोटे हिस्से की नीलामी हुई। यह हिस्सा 5 करोड़ रुपये से भी ज्यादा की कीमत पर नीलम हुआ है। एफिल टावर का निर्माण 1889 के विश्व मेले के लिए किया गया था और ये सीढ़ियां भी उसी समय की हैं। इसकी नीलामी का आयोजन 'आर्टक्यूरियल पेरिस' नाम के नीलामीघर ने करवाया था। करीब 4 दशक पहले एफिल टावर पर लगी 526 फीट लंबी सीढ़ियों को कई छोटे-छोटे हिस्सों में काट दिया गया था और उनकी जगह लिफ्ट लगाई गई थीं। यह हिस्सा भी उन्हीं काटे गए हिस्सों में से एक है।

### क्या है इन सीढ़ियों की खासियत?

नीलाम होने वाले हिस्से में कुल 14 सीढ़ियों हैं, जिसकी लंबाई 9 फीट है। यह एक घुमावदार हिस्सा है, जो 1270.06 किलो का है। नीलामीघर ने उम्मीद लगाई थी कि यह हिस्सा करीब एक से 1.67 करोड़ रुपये के बीच बिक सकता है। हालांकि, यह अनुमानित कीमत से 3 गुना ज्यादा कीमत पर बिका और इसकी कीमत 5.02 करोड़ रुपये लगी। इसे खरीदने वाले व्यक्ति की पहचान गुप्त रखी गई है।

**पेरिस ओलंपिक ने और बढ़ाई लोकप्रियता :** नीलामीघर का कहना है कि 2024 में हुए पेरिस ओलंपिक के बाद शहर के स्मारकों की लोकप्रियता और बढ़ी है। नीलामीघर की आर्ट डेको डिजाइन निदेशक सबरीना डोला ने कहा, जब आप एफिल टावर का टुकड़ा खरीदते हैं तो आप पेरिस का एक टुकड़ा खरीद रहे होते हैं। साथ ही वह सारी कल्पना और प्रतीकवाद भी, जो यह दर्शाता है। उन्होंने आगे कहा, हम निश्चित रूप से एफिल टावर के प्रतीक और सौंदर्य अपील में नई रुचि देख रहे हैं।

### दुनियाभर में प्रदर्शित हैं एफिल टावर की सीढ़ियों के अन्य हिस्से

यह पहली बार नहीं है, जब एफिल टावर की सीढ़ियों के हिस्से बेचे गए हैं। इससे पहले 2008 में एक अमेरिकी निजी खरीदार ने इसका एक हिस्सा 6.13 करोड़ की रिकॉर्ड कीमत पर खरीदा था। एफिल टॉवर की सीढ़ियों के 9 से 30 फीट की लंबाई वाले कई अन्य टुकड़े दुनियाभर के प्रतिष्ठित स्थानों में सजाए गए हैं। इसके कुछ हिस्से न्यूयॉर्क के 'स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी', जापान के योशी फाउंडेशन के बगीचों और कई निजी संग्रहों में रखे गए हैं।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, : RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail :